सुप्रभात
रांची, शनिवार
20.01.2024
नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net पौष, शुक्ल पक्ष, दशमी संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 188

12 गणतंत्र दिवस पर दो महिला पायलट उड़ायेंगी फाइटर जेट

न्यूज डायरी

इडी दफ्तर नहीं पहुंचे साहेबगंज के डीसी

रांची। इडी के दूसरे समन पर भी साहेबगंज उपायुक्त रामनिवास यादव शुक्रवार को इडी ऑफिस नहीं पहुंचे। अवैध खनन मामले में उनसे पूछताछ करने वाली थी। इडी ने 17 को उन्हें दूसरा समन भेजकर 11 बजे रांची जोनल ऑफिस आने को कहा था। इससे पहले इडी ने डीसी को 11 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। तब भी वह नहीं पहुंचे थे।

एक राष्ट्र, एक चुनाव यहां उचित नहीं: खड़गे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि कांग्रेस 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के विचार का पुरजोर विरोध करती है। समिति के सचिव नीतेन चंद्र को भेजे सुझाव में उनका यह भी कहना था कि एक साथ चुनाव कराने का विचार संविधान की मूल संरचना के विरुद्ध है।

जेजेएमपी के चार सदस्य गिरफ्तार, हथियार बरामद

मेदिनीनगर। पुलिस ने जेजेएमपी के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से हथियार भी बरामद किया है। गिरफ्तार नक्सलियों से पूछताछ जारी है। गिरफ्तार नकसिलियों में राजू कुमार साव, धर्मेंद्र भुइयां, जगन उरांव और सतन उरांव हैं।

व्यवसायी हत्याकांड के विरोध में थाना का घेराव

मेदिनीनगर। छतरपुर में व्यवसायी शुभम गुप्ता की हत्या के विरोध में परिजन, व्यवसायी एवं स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा है। हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोगों ने तीन घंटे तक थाने का घेराव किया। इस क्रम में थाना प्रभारी को बर्खास्त करो, डीएसपी मुदार्बाद के नारे लगाये। बाद में प्रशासनिक हस्तक्षेप से धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया।

एसबीआइ के सीएसपी से 4.40 लाख की लूट

मेदिनीनगर। छतरपुर थाना क्षेत्र के खजुरी नौडीहा पुलिस पिकेट के समीप एसबीआई के एक ग्राहक सेवा केन्द्र (सीएसपी) में शुक्रवार को दिनदहाड़े 4.40 लाख की लूट हो गयी। सूचना के बाद पुलिस अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी में जुट गयी है। लूट के बाद संचालक को बंद करके अपराधी फरार हो गये।

हजारीबाग डेली मार्केट में आग, करोड़ों की क्षति

हजारीबाग। डेली मार्केट में लगी आग में डेढ़ दर्जन से अधिक दुकानें जलकर राख हो गयीं। आग से करीब डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान है। जो दुकानें जलीं हैं, सभी मनिहारी की दुकानें थीं। लगभग हर दुकान में 10 से 15 लाख रुपए मूल्य के सामान थे। लोगों ने आग को बुझाने की कोशिश की, लेकिन धीरे-धीरे आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। दमकल वाहनों ने पहुंचकर आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन बहुत ज्यादा फायदा नहीं हुआ। जब तक आग पर काबू पाया जाता, 15 दुकानें जलकर खाक हो चुकीं थीं।

गहना आभूषण
सोना (बिक्री) : 58,400 रु./10 ग्राम
चांदी : 75,000 रु./प्रति किलो

मुख्यमंत्री के बुलावे पर आज इडी करेगी पूछताछ

पुलिस घेरे में सीएमओ जायेंगे इडी अधिकारी

आदिवासी संगठनों में आक्रोश, रांची में प्रदर्शन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जमीन घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) को पूछताछ के लिए सीएम हेमंत सोरेन ने पत्र भेज कर 20 जनवरी को सीएम आफिस ही बुलाया है। इडी के अधिकारी शनिवार को दोपहर 12 बजे सीएम हाउस पहुंचेंगे, इसके बाद आवास में ही सीएम से पूछताछ होगी। सीएम से पूछताछ को ले कर किसी भी आशंका को देखते हुए रांची के एयरपोर्ट रोड स्थित इडी दफ्तर की सुरक्षा काफी कड़ी कर दी गयी है। शहर में भी सुरक्षा कड़ी है। सीएम का बयान दर्ज होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि इडी अब आगे कौन सा कदम उठायेगी। इसके पहले सीएम ने इडी के सात समन को गैर संवैधानिक बताते हुए नजरअंदाज कर दिया था।

सुरक्षा कड़ी

पूछताछ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर इडी ने मुख्य सचिव, डीजीपी और रांची एसएसपी को पहले ही भी पत्र भेजा था। उसी आलोक में रांची पुलिस ने सीएम हाउस, इडी आफिस के बाहर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये हैं। इडी के अफसर जो सीएम हाउस में पूछताछ के लिए जायेंगे, उनके लिए भी इडी कार्यालय से सीएम हाउस तक विशेष तौर पर स्कॉट की व्यवस्था की गयी है।

राजभवन के बाहर प्रदर्शन

इधर, सीएम को इडी के द्वारा प्लगातार परेशान किये जाने को ले कर आदिवासी संगठनों में आक्रोश है। शुक्रवार को आदिवासी संगठनों ने एक आदिवासी सरकार और आदिवासी मुख्यमंत्री को अस्थिर करने का प्रयास का आरोप लगाते हुए मोरहाबादी मैदान से राजभवन तक मार्च किया। संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि इडी हेमंत सोरेन को तंग करेगी तो उनके समर्थक राज्य भर में उग्र प्रदर्शन करेगी। जहरीला तीर चलेगा। शुक्रवार को इडी-सीटी होश में आओ, केंद्र सरकार मुदार्बाद जैसे नारों के साथ तख्तियां लेकर हजारों की संख्या में आदिवासी संगठनों ने प्रदर्शन किया। संगठनों ने कहा कि पूरा आदिवासी समाज हेमंत सोरेन के साथ खड़ा है।

नींबू पहाड़ अवैध खनन मामले की जांच पर रोक

हाइकोर्ट ने कहा, सीबीआइ ने जांच की नहीं ली सहमति

अगली सुनवाई 9 को

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। साहिबगंज जिला स्थित नींबू पहाड़ पर हुए अवैध खनन मामले में बिना राज्य सरकार की सहमति और बगैर हाइकोर्ट आदेश के सीबीआइ द्वारा एफआईआर दर्ज करने को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को हुई। न्यायमूर्ति राजेश कुमार की कोर्ट ने नींबू पहाड़ पर अवैध खनन को लेकर सीबीआइ द्वारा की जा रही जांच पर रोक लगा दी। साथ ही सीबीआइ को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई अब 9 फरवरी को होगी।

सरकार ने दी थी चुनौती : राज्य सरकार ने सीबीआइ द्वारा नींबू पहाड़ में अवैध खनन मामले में दर्ज एफआईआर को कानून सम्मत नहीं बताते हुए इसे चुनौती दी थी। कहा था कि बिना सरकार की सहमति और बगैर हाई कोर्ट के अनुमति के ही सीबीआइ ने प्राथमिकी दर्ज किया है, जो गलत है। वहीं विजय हांसदा मामले में हाईकोर्ट ने सिर्फ यही आदेश दिया था कि विजय हासदा किस कारण से नींबू पहाड़ में अवैध खनन मामले की जांच सीबीआइ जांच के आग्रह को वापस लेना चाहते हैं इसकी प्रारंभिक जांच की जाये। मामले में राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल, महाधिवक्ता राजीव रंजन, मनोज कुमार एवं अशोक कुमार यादव ने पैरवी की।

(शेष पेज 11 पर)

भारत पेरिस ओलंपिक से बाहर, जापान ने भी दी मात

रांची। भारतीय हॉकी फैंस के लिए शुक्रवार बेहद बुरा दिन रहा। भारतीय महिला हॉकी टीम इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में हिस्सा नहीं ले पायेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने ओलंपिक में हिस्सा लेने का आखिरी मौका गंवा दिया। क्वालिफर्स मुकाबले में जापान के हाथों 0-1 से मिली हार के बाद भारत ने प्वाइंट्स टेबल में 4 नंबर पर फिनिश किया। 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम नंबर 4 पर फिनिश करने में कामयाब रही थी और उसने फैंस को इस गेम के साथ दोबारा जुड़ने की नयी उम्मीद दी थी, लेकिन 3 साल बाद फैंस के हाथ निराशा आयी। जापान के खिलाफ नंबर तीन के लिए क्वालिफाई की लड़ाई में भी भारतीय टीम विफल रही।

रांची को मिला स्मार्ट सिटी इंडिया अवार्ड

ग्रीनफील्ड टाउनशिप के प्रोत्साहन के लिए मिला सम्मान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। स्मार्ट सिटी के विकास की राह में रांची स्मार्ट सिटी के द्वारा नित प्रतिदिन नये-नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसे राष्ट्रीय स्तर पर हमेशा सराहना मिलती है। इसी क्रम में रांची स्मार्ट सिटी एकबार फिर राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया है। नयी दिल्ली के प्रगति मैदान में पिछले तीन दिनों से आयोजित 31 वां कन्वर्जेंस इंडिया और 9वीं स्मार्ट सिटी इंडिया एक्सपो में रांची को सम्मानित किया गया। शुक्रवार को कनन्वर्जेंस इंडिया कार्यक्रम में रुस के मास्को शहर के मंत्री सर्गेई चेरेमिन के द्वारा यह सम्मान दिया गया। रांची स्मार्ट सिटी की ओर से सीईओ अमित कुमार और जीएम (टेक्निकल) राकेश कुमार नंदक्योलियार नें सम्मान ग्रहण किया। यह अवार्ड स्टेट ऑफ ऑर्ट ग्रिनफिल्ड टाउनशिप के लिए दिया गया। वेस्ट वाटर को रीसाइकिल कर पुनः सेकेंड्री वाटर के रुप में आपुर्ति की व्यवस्था की गयी है। पूरे स्मार्ट सिटी में सोलर एनर्जी को प्रोत्साहित किया गया है।

क्या है ग्रिन बिल्डिंग इनिशिएटिव : दरअसल रांची स्मार्ट सिटी का यह मैनडेट है कि 656 एकड़ जमीन पर विकसित हो रहे एबीडी क्षेत्र में निर्मित होनेवाली हर बिल्डिंग कम से कम ग्रिहा 2 रेटिंग का होना चाहिए,डेवल पर अगर चाहे तो वो ग्रिहा 5 रेटिंग तक बिल्डिंग का निर्माण कर सकते हैं। इसके साथ हीं इस नए क्षेत्र में ग्रिन इनिशिएटिव के रुप में कई कदम उठाए गए हैं।

(शेष पेज 11 पर)

लालू-तेजस्वी को समन इडी ने 29-30 को बुलाया

नयी दिल्ली। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। इडी ने जमीन के बदले रेलवे में नौकरी घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव को अपने पटना कार्यालय में पूछताछ के लिए पेश होने को लेकर फिर से समन जारी किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को दी जानकारी में बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने जमीन के बदले रेलवे में नौकरी के कथित घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के मामले में दोनों को पटना कार्यालय में उपस्थित होने के लिए नया समन जारी किया है। लालू को 29 और तेजस्वी यादव को 30 जनवरी को बुलाया गया है। इडी ने समन देने के लिए लालू प्रसाद यादव की पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पटना स्थित आधिकारिक आवास पर गयी थी।

भये प्रगट कृपाला, दीन दयाला...

रामलला की तस्वीर आयी सामने, मनमोहक मुस्कान और चेहरे से झलक रहा तेज

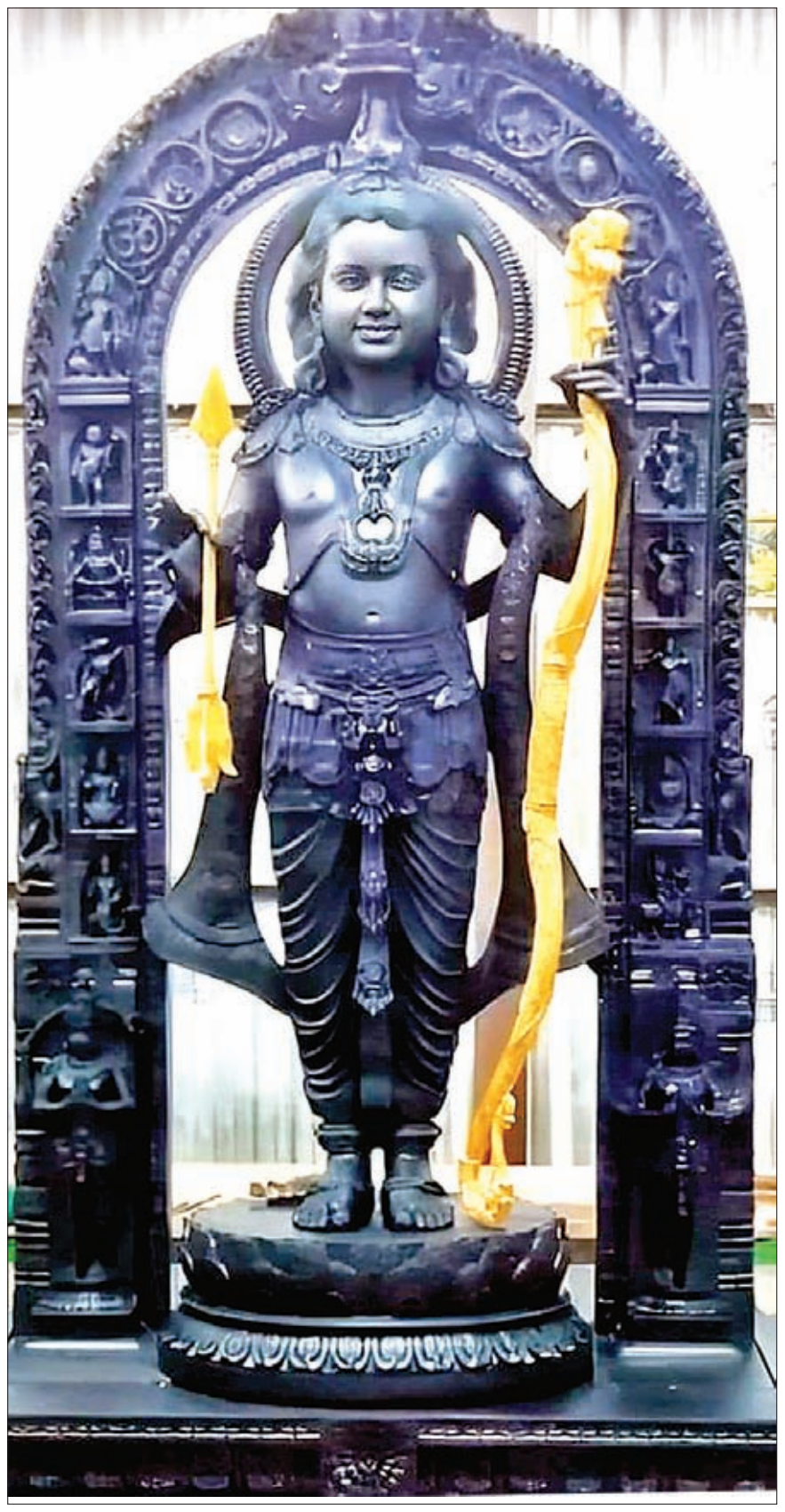

तीर-धनुष, चेहरे पर मधुर मुस्कान, माथे पर तिलक समेत विराजे प्रभु श्रीराम

एजेंसी

अयोध्या। राममंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है। इससे पहले भगवान श्रीराम की भव्य और अद्भुत मूर्ति की पहली पूर्ण तस्वीर सामने आयी है। रामलला की मूर्ति काफी आकर्षक लग रही है। चेहरे पर मुस्कान भगवान राम की विनम्रता और मधुरता के बारे में बताती है। रामलला का स्वरूप साक्षात राम भगवान की तरह ही प्रतीत होता है। पहली नजर में रामलला की ये मूर्ति देखने वालों को मंत्रमुग्ध कर देती है। धनुष तीर लेकर खड़े हैं श्रीराम। आस्था और आध्यात्म की झलक इस मूर्ति से झलकती है, जो पहली ही नजर में राम भक्तों को आकर्षित करती है। भगवान राम के मस्तक पर लगा तिलक सनातन धर्म की विराटता को दर्शाता है, जो देखने वालों को भक्ति की एक अलग दुनिया में ले जाता है। गुरुवार को विशेष पूजा-अर्चना के बाज मूर्ति को गर्भगृह में स्थापित किया गया था।

प्रतिमा पर ऊं, गणेश, चक्र, शंख, गदा, स्वास्तिक और हनुमान की आकृति

मूर्ति में ऊं, गणेश, चक्र, शंख, गदा, स्वास्तिक और हनुमान की आकृति बनी हुई है।राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 22 को दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा और दोपहर एक बजे समाप्त होगा। दरअसल, प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पीएम मोदी और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ सहित हजारों लोग शामिल होंगे। मैसूर स्थित मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनायी गयी भगवान राम की मूर्ति 51 इंच की है। राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार राम मंदिर में 16 सेरामलला के लिए अनुष्ठान शुरू हुआ है, जो 21 जनवरी तक चलेगा। रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए जरूरी हर अनुष्ठान 121 आचार्य के नेतृत्व में चल रहा है।

पीएम मोदी होंगे शामिल

पीएम मोदी 22 जनवरी को मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। मौसम को देखते हुए एक दिन पहले भी पीएम अयोध्या पहुंच सकते हैं। प्राण प्रतिष्ठा के अगले दिन अगले दिन मंदिर जनता के लिए खोले जाने की उम्मीद है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पहले भावी खतरे की आशंका पर अयोध्या में हाई अलर्ट

भगवान श्रीराम और माता जानकी के लिए पहुंच रहे अनोखे उपहार

अयोध्या राम मंदिर
रामलला आ रहे हैं...

एजेंसी

अयोध्या। अपने भगवान राम के स्वागत के लिए अयोध्या नगरी दुल्हन की तरह सज चुकी है। 22 प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के बाद प्रभु श्री रामलला को मंदिर में विराजमान हो जायेंगे। ऐसे में राम मंदिर के लिए देश-विदेश से कई उपहार आ रहे हैं। माता सीता की जन्मभूमि नेपाल से भी भर-भर के उपहार अयोध्या पहुंच रहे हैं। अयोध्या के दौरे के दौरान श्रीलंका से आए प्रतिनिधिमंडल अपने साथ अशोक वाटिका से एक चट्टान भी उपहार के रूप लेकर आये हैं। वहीं राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के पहले अयोध्या की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गयी है। गृह मंत्रालय को अयोध्या में संदिग्ध सिक्योरिटी ब्रिच संबंधी इनपुट के बाद अलर्ट जारी किया गया है। अलर्ट जारी करने के साथ अयोध्या और उसके आसपास पुलिस और अन्य सिक्योरिटी बलों की संख्या बढ़ा दी गयी है।

अयोध्या पहुंच रहे हैं अनोखे उपहार : राम मंदिर के लिए देश-विदेश से कई उपहार आ रहे हैं। इनमें 44 फीट ऊंचा ध्वज, 2100 किलो का घंटा, 108 फीट लंबी अगरबत्ती, 1100 किलो का दीपक, मथुरा के 200 किलो लड्डू, हैदराबाद से सोने के जूते, अलीगढ़ से का 10 फीट ऊंचा ताला, माता की साड़ी प्रमुख है। हैदराबाद के भक्त अपने भगवान राम के लिए सोने की जूतियां ले कर आये हैं। अपने कारसेवक पिता की इच्छा पूरी करने के लिए हैदराबाद के 64 वर्षीय चल्ला श्रीनिवास शास्त्री अयोध्या सोने की जूतियां लाये हैं। श्रीलंका से अशोक वाटिका की एक चट्टान भी उपहार के रूप में आया है।

(शेष पेज 11 पर)

दिन में तीन बार होगी आरती

श्रीराम मंदिर में पूरे दिन में तीन बार आरती होगी। श्रद्धालुओं को प्रदान की गयी सूची से अपनी पसंदीदा आरती का चयन करने की सुविधा दी गयी है। यह सुनिश्चित करता है कि श्रद्धालु उद्घाटन के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व में पूरी तरह से शामिल हो सकें, जिससे अयोध्या में ऐतिहासिक श्री राम मंदिर के प्रति जुड़ाव और भक्ति की भावना को बढ़ावा मिले। तीन दैनिक आरती समारोह क्रमशः सुबह 6:30 बजे, दोपहर 12:00 बजे और शाम 7:30 बजे निर्धारित है।

धनबाद में तीसरे दिन भी आइटी रेड, करोड़ों नकद व जेवरात मिले

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद । आयकर विभाग का छापा शुक्रवार को तीसरे दिन भी धनबाद में जारी है। अब तक करोड़ों रुपए नगद और करोड़ों के जेवरात मिल चुके हैं। यह रेड टैक्स चोरी को लेकर की जा रही है। बुधवार की सुबह से ही जिले में आईटी की रेड चल रही है। कोयला कारोबारी अनिल गोयल और दीपक ोद्दार के ठिकाने पर आईटी की लंबी रेड गुरुवार की रात भी जारी रही। बुधवार को जहां करीब 3 करोड़ नकद रुपए मिलने की बात सामने आई थी, वहीं गुरुवार को एक करोड़ नगद रुपए के बरामद होने की बात कही जा रही है। वहीं बरामद जेवरात की कीमत भी करोड़ों में बतायी जा रही है। जेवरात का आकलन किया जा रहा हैं। आकलन होने के बाद इनके कागजातों की जांच की जायेगी। इसके साथ ही कोयला आधारित कारोबारियों के प्रतिष्ठानों से भारी मात्रा में कोयले का स्टॉक बरामद हुआ है। कोयला कंपनी बीसीसीएल और सीसीएल से कोयले की मापी कराई जा रही है। इस बड़ी कार्रवाई से कारोबारियों में हड़कंप है। मिली जानकारी के अनुसार अभी यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। आईटी विभाग को दर्जन भर बैंक लॉकर मिले हैं। इन बैंक लॉकरों की जांच पड़ताल कर रही है। इसके साथ ही जमीन से जुड़े कई दस्तावेज आईटी की टीम को हाथ लगे हैं।

खबर एक नजर में

स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव ने मंत्री बन्ना गुप्ता से औपचारिक मुलाकात की

रांची। स्वास्थ्य विभाग में प्रधान सचिव के पद पर अजय कुमार सिंह शुक्रवार को योगदान दे दिया बताते चलें कि राज्य के ग्रामीण कार्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह राज्य के स्वास्थ्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अधिसूचना जारी होने के दूसरे ही दिन उन्होंने स्वास्थ्य जी के पद पर योगदान दे दिया। इस मौके पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने उनसे मिलकर बधाई दी है।

राजकुमारी देवी एवं गेंदा राम की अग्रिम जमानत याचिका पर 2 फरवरी को सुनवाई

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ग्रामीण कार्य विभाग के निलंबित मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम की पत्नी एवं वीरेंद्र राम के पिता गेंदा राम की अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को हुई। मामले में हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट में प्रार्थी की ओर से बहस की गई, जो अभी भी जारी है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 2 फरवरी की तिथि निर्धारित की है। यहां बता दे की पूर्व में ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट ने गेंदा राम और राजकुमारी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद इन दोनों की ओर से हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई है।

सीए मुकेश मित्तल की जमानत पर दो को सुनवाई

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग में ग्रामीण कार्य विभाग के निलंबित अभियंता वीरेंद्र राम केस से जुड़े सीए मुकेश मित्तल की अग्रिम जमानत याचिका की आंशिक सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में प्रार्थी की ओर से बताया गया की याचिका की त्रुटि दूर कर ली गई है। इसके बाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट ने मामले के चार्जशीटेड आरोपी मुकेश मित्तल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 2 फरवरी की तिथि निर्धारित की है।

इडी की पूछताछ से अराजक माहौल बनाने की कोशिश : प्रतुल

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि ईडी की पूछताछ से अराजक माहौल बनाने की कोशिश की गयी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रायोजित आक्रोश प्रदर्शनों के नाटकों पर लगाम लगे। उन्होंने कहा कि राजभवन के पास हुए प्रदर्शन में आम आदिवासी नहीं बल्कि अधिकांश झामुमो कार्यकर्त्ता थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की ईडी के पूछताछ के पहले सत्ताधारी गठबंधन द्वारा पूरे राज्य में आक्रोश और भय का जबरदस्ती माहौल दिखाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेता बंधु तिर्की ने ईडी के अधिकारियों पर हमले का आह्वान किया था। झामुमो के प्रवक्ता कह रहे कि जनता में आक्रोश है और कुछ भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि जनता में इस बात को लेकर भी आक्रोश है कि मुख्यमंत्री की सरकार ने चार वर्ष तक खूब भ्रष्टाचार किया। प्रतुल ने कहा कि चुनाव में प्रदेश के आदिवासी मूलवासी हेमंत सरकार को उखाड़ फेकेंगे।

राज्यपाल ने हजारीबाग में 69वां अक्षयपात्र केंद्रीयकृत रसोई केंद्र का किया शुभारंभ

एक लाख विद्यार्थियों को प्रतिदिन गर्म ताजा व पौष्टिक मध्याह्न भोजन मिलेगा

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग/रांची। झारखण्ड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को हजारीबाग के मुकुंदगंज डेमोटांड में अक्षयपात्र केन्द्रीयकृत रसोई केन्द्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस केन्द्रीयकृत रसोई के माध्यम से पूरे जिले के एक लाख स्कूली बच्चों को गर्म, ताजा एवं पौष्टिक भोजन मिलेगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक से किचन का संचालन होगा। किचन के लिए अनाज एवं सब्जी की खरीदारी स्थानीय जगह से होगी जिससे यहां के किसानों को आर्थिक लाभ होगा तथा अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

राज्यपाल ने कहा कि एकीकृत रसोई से बच्चों को दिये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता समान रूप से मिलने से उनको संपूर्ण पोषण मिलेगा। उन्होंने विवेकानंद के वाक्य 'भूखे को उपदेश की जगह खाना मिले' का जिक्र करते हुए कहा कि इसी बात को समझते हुए अक्षय फाउण्डेशन किचन का संचालन न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी संचालित कर रहा है। हजारीबाग का यह केन्द्र झारखण्ड में इस तरह का पहला केन्द्रीयकृत किचन होगा जिसके माध्यम से एक समय पर एक लाख बच्चों के लिए पोषक भोजन तैयार कर उनके विद्यालयों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने अक्षय फाउण्डेशन के द्वारा एमडीएम की राशि में अक्षय के आधे से अधिक अंशदान के द्वारा भोजन की गुणवत्ता को सुनिश्चित कराये जाने की भी बात बताई।

अक्षयपात्र रसोई का लोकार्पण ऐतिहासिक : जयंत

सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि अक्षयपात्र रसोई का लोकार्पण राज्य एवं जिला के लिए एतिहासिक है। बच्चों को सीधे तौर पर पोषक एवं प्रचूर मात्रा में आहार उपलब्ध कराने सहित स्थानीय कृषकों एवं आमजनों को रोजगार से जोड़ा जा सकेगा। पोषक आहार बच्चों का मानसिक एवं शारीरिक विकास में सहायक साबित होगा। मौके पर सदर विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि अक्षयपात्र रसाई सेवा के तरीका है शिक्षा विभाग के लिए यह वरदान साबित होगा। साथ ही पौष्टिकता के मानकों पर यह केन्द्र खरा उतरेगा।

68 रसोई केंद्र पूरे देश में पूर्व से हैं संचालित

फाउण्डेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के द्वारा केन्द्रीकृत रसोई के बारे में जानकारी दी गई कि इस तरह के 68 केन्द्र पूरे देश में पूर्व से संचालित हैं। हजारीबाग में यह केन्द्र प्रतिदिन एक लाख सरकारी स्कूल के बच्चों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराएगी, जिसमें तहत पहली से आठवी कक्षा के बच्चे शामिल हैं। इसके निर्माण एवं संचालन में भारतीय विमानन पतनण प्राधिकरण, सीडबी केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण भागीदारी है। इस दौरान अतिथियों को केन्द्र के मशीनरी एवं कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया। मौके पर डीएमएफटी मद से जिला के विभिन्न प्रखण्डों में 89 किचन शेड के शिलन्यास सहित जिला परिषद चौक स्थित पुस्तकालय एवं संग्राहालय का शिलन्यास किया गया।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के पलामू कार्यक्रम मामले में प्रार्थी की आइए हाइकोर्ट में स्वीकृत

सोमवार तक फ्रेश संशोधन पिटीशन दाखिल करने का निर्देश, बुधवार को होगी फाइनल सुनवाई

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पलामू में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बाबा बागेश्वर धाम सरकार) के 10 से 15 फरवरी 2024 के प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में दाखिल हनुमंत कथा आयोजन समिति की रिट याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को हुई। मामले में हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति आनंदा सेन की कोर्ट ने प्रार्थी कि उस हस्तक्षेप याचिका (आईए) को स्वीकार कर लिया। जिसमें उसने 10 दिसंबर के पलामू उपयुक्त के आदेश को चुनौती दी है। इसी आदेश में उपयुक्त पलामू ने 3 जनवरी को हनुमंत कथा आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम के संबंध में दिए गए वृहत एक्शन प्लान को 10 जनवरी को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने प्रार्थी की आईए को स्वीकार करते हुए उसे सोमवार तक फ्रेश पिटीशन दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की फाइनल सुनवाई के लिए बुधवार की तिथि निर्धारित की है।

दरअसल, उपायुक्त, पलामू ने 10 जनवरी को कानून व्यवस्था की समस्या बताकर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कार्यक्रम को रद्द करने का आदेश दिया था। पूर्व की सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि पलामू, उपायुक्त द्वारा कई कारणों से पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कार्यक्रम को रद्द किए जाने के बाद पंडित धीरेंद्र शास्त्री के पलामू में प्रस्तावित कार्यक्रम अब फरवरी 10 से 15 फरवरी 2024 निर्धारित है।

यह कार्यक्रम अब रैयती भूमि पर होगा, इसके लिए ग्राम सभा से अनुमति भी मिल गयी है। अब नया कार्यक्रम स्थल के लिए रैयती भूमि पर चयनित किया गया है, वहां इकोलॉजिकल बैलेंस बिगड़ने जैसी कोई बात नहीं है। कार्यक्रम स्थल ग्राम ओरनार, चैनपुर ब्लॉक, पलामू में निर्धारित है। प्रार्थी ने इस कार्यक्रम को लेकर पलामू डीसी से अनुमति दिलाने का आग्रह कोर्ट से किया।

झारखंड में जियोग्राफिकल इंडीकेटर का बड़ा स्कोप : जीतेंद्र कुमार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उद्योग विभाग झारखंड सरकार के सचिव जितेंद्र कुमार ने कहा कि झारखंड में जियोग्राफिकल इंडीकेटर (जीआइ टैग) का बड़ा स्कोप है। राज्य में कई ऐसे प्रोडक्ट हैं, जिसे जीआइ टैग देकर उसे विश्वस्तर पर पहचान दी जा सकती है। राज्य में सोइराई व सोहबर और डोकरा कला को जीआइ टैग मिला है। कई ऐसे प्रोडक्ट को जीआइ टैग के चिन्हित किया गया है। किसी भी क्षेत्र का जो क्षेत्रीय उत्पाद होता है,

उससे उस क्षेत्र की पहचान होती है। उस उत्पाद की ख्याति जब देश-दुनिया में फैलती है तो उसे प्रमाणित करने के लिए एक प्रक्रिया होती है। इसकी जानकारी राज्यवासियों को नहीं है। बता दें कि उद्योग सचिव शुक्रवार को आड्रे हाउस में दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की बौद्धिक संपदा यात्रा पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। एमएसएमई डीएफओ के एचओडी सह संयुक्त सचिव इंद्रजीत यादव ने कहा कि अपने नये आइडिया का पेंटेंट जरूर करवाएं, जिसे आपके नये आइडिया का लाभ देश और राज्य को मिले। पीएचडीसीसीआइ के सलाहकार डॉ एचपी कुमार ने कहा कि बौद्धिक संपदा (आईपी) के बल विश्व स्तर पर कई बड़ी बड़ी कंपनियों ने परचम लहाराया है और वैल्यू बढ़ाया है। डॉ संजय कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। मौके पर डॉ पियूष रंजन, एनयूएसआरएल के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ एमआरएस मुर्ति,एसपी अग्रवाल, झारखंड चैंबर के उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, राजकुमार पोद्दार समेत अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे।

सिविल कोर्ट में सांसद गीता कोड़ा की अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार

रांची। आयकर रिटर्न नहीं भरने से जुड़े एक मामले में आरोपी सिंहभूम सांसद गीता कोड़ा की ओर से दाखिल अग्रिम जमानत याचिका को रांची की निचली अदालत ने स्वीकार कर लिया है। इससे गीता कोड़ा को बहुत बड़ी राहत मिली है। अपर न्यायायुक्त एमसी झा की अदालत ने शुक्रवार को अपना सुरक्षित आदेश सुनाया। दाखिल अग्रिम जमानत याचिका पर 12 जनवरी को सुनवाई पश्चात अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया था।

राजद प्रदेश कार्यसमिति की बैठक आज

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रदेश राजद कार्यालय में आहूत झारखंड प्रदेश राजद कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेने के लिए शनिवार को प्रदेश प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव शुक्रवार को रांची पहुंचे। प्रदेश प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने बताया कि बैठक के उपरांत राजद का मिलन समारोह होगा। जिसमें अन्य दल के नेता कार्यकर्ता राजद की सदस्यता ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम में झारखंड प्रभारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव, राजद के राष्ट्रीय महासचिव भोला प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री बिहार सरकार श्याम रजक मौजूद रहेंगे। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव करेंगे। बैठक में मंत्री, सभी पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, सभी प्रदेश पदाधिकारी, प्रकोष्ठ अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य, जिलाध्यक्ष महानगर अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे।

प्रभारी का हुआ भव्य स्वागत : बैठक में शामिल होने के लिए शुक्रवार को झारखंड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव रांची पहुंचे। बिरसा मुंडा हवाई अड्डा पर राजद नेताओं ने जोरदार स्वागत किया।

स्वागत करने में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गौतम सागर राणा, युवा राजद अध्यक्ष रंजन यादव, मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार, उपाध्यक्ष लक्ष्मण यादव, वरिष्ठ नेता कैलाश यादव, महानगर अध्यक्ष कमलेश यादव, मीडिया प्रभारी अंजल किशोर सिंह, चंद्रशेखर भगत, लालू प्रसाद, रंजीत यादव, संतोष यादव, नागेश्वर यादव, चंदन शर्मा, रमाकांत शर्मा आदि शामिल थे।

उपराजधानी दुमका को मिली सौगात 24 जनवरी से पटना के लिए नयी ट्रेन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। दुमका से पटना जाने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है। रेलवे की ओर से दुमका पटना एक्सप्रेस की शुरूआत 24 जनवरी से की जायेगी। इस संबध में रेलवे बोर्ड की ओर से जानकारी दी गयी है। जिसमें बताया गया है कि ट्रेन संख्या 13333 दुमका पटना एक्सप्रेस 24 जनवरी और ट्रेन संख्या 13334 पटना दुमका एक्सप्रेस 25 जनवरी से चलेगी। ट्रेन के लिये टाइम टेबल भी जारी कर दिया गया है।

जारी टाइम टेबल के मुताबिक ट्रेन संख्या 13333 दुमका पटना एक्सप्रेस दोपहर के 14:05 बजे खुलेगी। इस बीच यह ट्रेन बारापलासी, नोनीहाट, हंसडीहा, बराहाट, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर, अभयपुर, किऊल, बाढ़, बख्तियारपुर, राजेंद्र नगर (टी) से होते हुए रात 21:45 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी। यह ट्रेन शाम के 16: 32 बजे भागलपुर पहुंचेगी। यहां पांच मिनट ठहराव के बाद रवाना हो जाएगी। ठीक इसी तरह से शाम के 17: 03 मिनट पर सुल्तानगंज पहुंचेगी। यहां ट्रेन का ठहराव दो मिनट का होगा।

ट्रेन संख्या 13334 पटना दुमका एक्सप्रेस पटना से सुबह 6: 40 बजे खुलेगी और दोपहर 13:30 बजे दुमका पहुंचेगी। इस दौरान सुल्तानगंज में ट्रेन 10: 06 पहुंचेगी और दो मिनट के ठहराव के बाद 10: 08 बजे आगे के सफर के लिए निकल जाएगी। भागलपुर में ट्रेन 11:05 बजे आएगी और पांच मिनट बाद 11:10 बजे यहां से रवाना हो जायेगी।

ट्रेन में एसी 3 टीयर के 6 कोच हैं। 3 टीयर स्लीपर कोच आठ हैं, एसी 2 टीयर के दो कोच हैं और एसी फर्स्ट क्लास का एक ही कोच लगा हुआ है। इसके अलावा, द्वितीय श्रेणी कम लगेज वैन 1, ब्रेक लगेज कम जनरेटर कार 1 व साधारण द्वितीय श्रेणी (एलएस) के 3 कोच हैं। यानी कि ट्रेन में टोटल 22 डिब्बे हैं। ट्रेन में सफर के लिए बुकिंग की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गयी। आप चाहें तो पीआरएस काउंटर या इंटरनेट के माध्यम से रिजर्वेशन कर सकते हैं।

ग्रामीण विकास विभाग ने पिछले चार वर्षों के विकास कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, उपलब्धियां गिनायीं

अबुआ आवास के 31 लाख आवेदन में 29.97 लाख का हुआ सत्यापन, अब बंजर भूमि पर कैक्टस लगाने की भी है योजना

मनरेगा में चार वर्षों में 4135 लाख मानव दिवस का हुआ सृजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ग्रामीण विकास विभाग के सचिव चंद्रशेखर ने कहा कि विभाग अबुआ आवास निर्माण से जुड़ी गतिविधियों में लगातार तेजी ला रहा है। श्री चंद्रशेखर शुक्रवार को सूचना भवन के सभागार में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि अबुआ आवास के प्राप्त 31 लाख आवेदन में 29.97 लाख का सत्यापन हुआ है। पिछले चार वर्ष की उपलब्धि और आगे की कार्ययोजना से अवगत कराते हुए श्री चंद्रशेखर ने कहा कि विभाग बंजर भूमि पर कांटा रहित कैक्टस के पौधे लगाने की योजना पर कार्य कर रहा है। यह पशु चारा के साथ वेगन लेदर निर्माण में भी काम आयेगा। उन्होंने कहा कि 4 वर्ष के भीतर मनरेगा के तहत अब तक 4135 लाख मानव दिवस का सृजन किया गया है। मौजूदा वित्त वर्ष में मानव दिवस सृजन करते हुए कुल 2962.40 करोड़ रुपये की राशि का व्यय की जा चुकी है। वहीं शत-प्रतिशत मजदूरी का भुगतान किया गया है। इस वित्त वर्ष 1100 लाख से अधिक मानव दिवस सृजन का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है। वहीं 4 वर्षों में मनरेगा की 23.73 लाख योजनाओं को पूर्ण किया जा चुका है। 6.85 लाख योजनाओं पर कार्य जारी है। मानव दिवस सृजन में महिलाओ की भागीदारी का प्रतिशत 47.87 है।

बिरसा हरित ग्राम योजना : दूसरी ओर बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत ग्रामीणों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से गत 4 वर्षों में कुल 1,31,850 एकड़ भूमि पर बागवानी के लक्ष्य के विरुद्ध कुल 1,10,665 एकड़ भूमि पर बागवानी के माध्यम से अबतक कुल 1,27,381 परिवारों को लाभान्वित किया गया है।

नीलाम्बर-पीताम्बर जल समृद्धि योजना : नीलाम्बर-पीताम्बर जल समृद्धि योजना के तहत 4 वर्षों में जल संचयन एवं मृदा संरक्षण के उद्देश्य से पूरे राज्य में अब तक कुल 5,84,511 योजनाओं को पूर्ण किया गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 1,10,903 योजनाओं पर कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना : मनरेगा से अभिसरण के माध्यम से मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के लाभुकों को पशु शेड दिए जाने का प्रावधान है। इसके तहत 27786 योजनाओं की स्वीकृति दी गई है। अबतक 13309 योजनाओं में शेड निर्माण पूर्ण किया जा चुका है।

आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण : मनरेगा तथा महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के साथ अभिसरण कर गत 4 वर्षों में कुल 1731 आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है तथा 1571 आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण जारी है।

बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन मिशन : बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन मिशन के तहत मनरेगा तथा राज्य योजना मद की राशि से बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन मिशन अन्तर्गत एक लाख सिंचाई कूप निर्माण किया जा रहा है।

बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन मिशन : मनरेगा अन्तर्गत बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन मिशन के माध्यम से राज्य भर में कुल 01 लाख कूपों का निर्माण 15 नवम्बर 2024 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 50 हजार एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 15 नवम्बर, 2024 तक में 50 हजार कूप का निर्माण कार्य पूर्ण किया जाना है।

वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना : वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना के माध्यम से इस वित्त वर्ष में 10 हजार अतिरिक्त वीर शहीद पोटो हो खेल मैदान निर्माण का लक्ष्य है। 4 वर्षों में ग्रामीण युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अबतक कुल 4184 खेल मैदान तैयार हो चुके हैं। वहीं 5071 योजनाओं पर कार्य जारी है। पूर्व में पंचायत स्तर पर योजना का क्रियान्वयन किया जाता था, अब ग्राम स्तर पर क्रियान्वित हो रही है।

दीनदयाल अंत्योदय राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन : दीनदयाल अंत्योदय राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत राज्य में 2.89 लाख सखी मंडलों का गठन किया गया है। इससे 32.94 लाख परिवारों को जोड़ा गया है। विगत चार वर्षों में 1.18 लाख सखी मंडल का गठन कर 15.29 लाख परिवारों को जोड़ा गया है। वहीं 5 लाख से अधिक महिला किसानों को लखपति महिला बनाया जा चुका है। ग्रामीण विकास विभाग के सचिव ने महिला उत्पादक संगठन, जोहार परियोजना, झारखंड सूक्ष्म टपक सिंचाई परियोजना, महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना, पलाश ब्रांड, फूलो झानो आशीर्वाद अभियान, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बिरसा विशिष्ट जनजातीय विकास योजना एवं उड़ान परियोजना, प्रखंड भवन निर्माण कार्य आदि से जुड़ी जानकारी भी दी। इस अवसर पर मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी सहित ग्रामीण विकास विभाग से जुड़े अन्य अधिकारीगण भी मौजूद थे।

सामाजिक सुरक्षा की राशि बढ़ायी

सामाजिक सुरक्षा के तहत मनरेगा अन्तर्गत सृजित पद के विरुद्ध कार्यरत प्रति कर्मी को राज्य सरकार द्वारा दो वर्ष के लिए 5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिए जाने तथा दुर्घटना से मृत्यु के उपरांत उनके वैध उत्तराधिकारी को 20 लाख की आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराने का प्रावधान किया है। दुर्घटना में मृत्यु अथवा अप्राकृतिक मृत्यु, हत्या होने अथवा स्थायी रूप से विकलांग, अंगभंग हो जाने पर पहले राशि 75 हजार रुपये दिये जाते थे, जिसे बढ़ाकर 2 लाख रुपया कर दिया गया है। दुर्घटना में आंशिक रूप से विकलांग होने पर पहले 37,500 रुपये दिये जाते थे। इसे बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया गया है। समान्य मृत्यु होने पर पहले 30 हजार रुपये दिये जाते थे, जिसे बढ़ाकर 1 लाख कर दिया गया है। वहीं, मनरेगा योजना अन्तर्गत निर्मित डोभा, कुआं में डूबने से मनरेगा वाले मृतकों के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान पहले 50 हजार रुपये दिये जाते थे, जिसे बढ़ाकर 1 लाख कर दिया गया है।

सामाजिक अंकेक्षण इकाई का प्रभाव : मनरेगा के सामाजिक अंकेक्षण रिर्पोट के आधार पर गत 04 वर्षों में 803 मामलों में कुल 40,43,136 रुपये की रिकवरी की गई है। इसके साथ कार्रवाई के रूप में 04 मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। 4570 कर्मियों पर अर्थदण्ड एवं 02 कर्मियों को सेवामुक्त किया गया है। गत 04 वर्षों में 08ण01ण2024 तक वित्तीय वर्षवार 2897 पंचायतों का सामाजिक अंकेक्षण किया जा चुका है। वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में पूर्ण आवासों का प्रतिशत 67.29 है। इसी तरह बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना के तहत चार वर्षों में लंबित आवास सहित कुल 33.795 आवास पूर्ण किये जा चुके हैं। पीएम जनमन योजना भी सुचारू गति से चल रही है।

ग्रामीण विकास विभाग लूट भ्रष्टाचार का बना अड्डा : सीपी

भाजपा विधायक सीपी सिंह ने कहा- झामुमो सरकार के 4 साल में ग्रामीण विकास विभाग लूट, भ्रष्टाचार एवं घोटाले का अड्डा बन गया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा विधायक सीपी सिंह ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार के 4 साल में ग्रामीण विकास विभाग लूट, भ्रस्टाचार एवं घोटाले का अड्डा बन गया है। श्री सिंह भाजपा मुख्यालय में शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग गांव के विकास योजनाओं को गति देने का काम करता है लेकिन हेमंत सरकार में अभी तक मात्र 47 प्रतिशत राशि खर्च दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर हो रहा है लेकिन छह-छह माह बाद भी टेंडर को खोला नहीं गया है। उन्होंने कहा कि वीरेंद्र राम ग्रामीण विकास विभाग के चीफ इंजीनियर थे, जिनके यहां अवैध रूप से कमाये हुए करोड़ों रुपये मिले हैं। उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत मृत व्यक्ति के नाम पर पैसा निकाला गया है। यहां तक कि जो जेल मे बंद है, उनके नाम पर मनरेगा से पैसा निकासी की जा रही है। कागज पर डोभा बनाकर पैसा निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि रघुवर दास सरकार के समय में ग्रामीण सड़कों, पुल पुलियों का निर्माण बड़े पैमाने पर हुआ। उन्होंने कहा कि रघुवर सरकार के समय शुरू किये गये ग्रामीण बागवानी, जोहार योजना को बंद कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को जानबूझकर धरातल पर लागू नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि 4 साल से अनेक मनरेगा योजनाएं बंद पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में जल जीवन मिशन की गति काफी सुस्त है। कुल घरों की संख्या 61.77 लाख में 45.97 यानि 28.40 लाख घरों तक ही नल से जल पहुंचाया जा सका है, जबकि राष्ट्रीय औसत 70.15 है।

उन्होंने कहा कि पीएम आवास में झारखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना का हाल बुरा है बालू की अनुपलब्धता और अधिकारियों की लापरवाही के कारण कई जिलों में आवास पेंडिंग है पीएम आवास में बिचौलियावाद हावी है। कोडरमा में बिरहोर का आवास का पैसा बिचौलिये उठाकर खा गये। उन्होंने कहा कि पीएम उज्ज्वला योजना के तहत झारखंड में 35 लाख 27 हजार 135 गैस सिलेंडर कनेक्शन दिया गया, इसमें सबसे ज्यादा ग्रामीण लोगों को दिया गया।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग केंद्र सरकार हर 2023-24 में में झारखंड को 3900 करोड़ से अधिक का अनुदान प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि पिछली रघुवर दास जी की सरकार में राज्य के सभी गांवों में स्ट्रीट लाइट, टंकी-पाइप लाइन के माध्यम से पानी और पेवर ब्लॉक की सड़कें बनाई गई थी। लेकिन आज ग्रामीण विकास की योजनाएं ठप हैं।

इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक एवं प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो उपस्थित थे।

झारखंड से अफीम तस्कर ले जाते थे स्मैक, दिल्ली में बेचते थे

यूपी, उत्तराखंड, दिल्ली तक होती है झारखंड के स्मैक की तस्करी

तस्करी में महिलाओं के भी संलिप्त होने की बात आयी सामने

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड से यूपी, उतराखंड और दिल्ली स्मैक की खेप पहुंच रही है। इसका खुलासा तब हुआ जब यूपी के बरेली जिले के पतेहगंज पश्चिम पुलिस ने पांच करोड़ के स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार तस्कर नदीम उर्फ मुन्ना और मोहसिन दोनों भाई है। वे दोनों वर्ष 2021 से स्मैक का कारोबार कर रहे हैं। आरोपी के पास से 5 करोड़ की पांच किलो स्मैक और करीब दो किलो पाउडर बरामद किया। आरोपी झारखंड से नशे का सामान ले जाकर यूपी, उत्तराखंड और दिल्ली में सप्लाई करते थे।

स्मैक की तस्करी में झारखंड बदनाम : झारखंड के अफीम तस्करों ने क्षेत्र में अपने पैर मजबूती से जमा लिए हैं। अफीम और स्मैक के लिए बदनाम कुछ गांवों को तस्कर अपने अड्डों के रूप में प्रयोग कर रहे हैं। यहीं से माल कई जिलों को सप्लाई हो रहा है। हालांकि एक दो बार स्थानीय तस्करों पर पुलिस अपना शिकंजा कस चुकी है, लेकिन धंधा आज तक बंद नहीं हुआ है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, पैसे की चकाचौंध को देखकर इस धंधे से प्रभावशाली लोगों समेत अनेक युवा जुड़ रहे हैं। जाहिर है कि जब स्मैक का कारोबार क्षेत्र में हो रहा है तो लोगों में स्मैक पीने की प्रवृत्ति बढ़ेगी देश के कई राज्य के कई गांव हैं जो स्मैक की वजह से बर्बाद हो चुके हैं। पूर्व में अफीम की खेती की क्षेत्र में भरमार थी इसलिए स्मैक को अफीम पर्याप्त मात्रा में मिल जाती थी, लेकिन सरकारी मानकों पर खरा न उतरने के कारण यहां अफीम के लाइसेंस रद्द कर दिये गये।

> यह धंधा समाज के लिए बहुत घातक है। इसे जड़ से मिटाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। नक्सल क्षेत्रों में सीआरपीएफ व अन्य एजेंसियों के छापेमारी कर अफीम की खेती को नष्ट कर रही हैं। पुलिस की ओर से समाज के लोगों को नशा छोड़ने के लिए अलग-अलग जगहों पर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।
>
> **अमोल विणुकांत होमकर आइजी सह प्रवक्ता झारखंड पुलिस**

तस्करों की पसंदीदा जगह है झारखंड

तस्करों के लिये झारखंड पसंदीदा जगह है। बताया जाता है कि यहां के किसान अफीम के महत्व को नहीं समझता था। इसलिए शुरूआत में अफीम काफी सस्ते दर पर बिकी। बाद में जब अन्य तस्करों को जानकारी हुई तो बड़ी संख्या में तस्कर झारखंड पहुंचने लगे। गौरतलब है कि क्षेत्र में झारखंड की काफी महिलाएं मौजूद हैं। इन्हीं महिलाओं के जरिए अफीम की तस्करी को बल मिला। बाद में इन्हीं महिलाओं के मार्फत झारखंड के लोगों को अफीम का महत्व पता लगा और वे भी इस धंधे में सक्रिय हो गए। वर्तमान में इन्हीं महिलाओं की बदौलत झारखंड और स्थानीय तस्करों का तालमेल चल रहा है।

इडी की सीएम से पूछताछ पर आदिवासी संगठनों में आक्रोश, कहा

इडी ने सीएम हेमंत को अपमानित करने की कोशिश की तो बंगाल की तरह होगा विरोध

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। लैंड स्कैम मामले में सीएम हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बार-बार नोटिस भेजे जाने के विरोध में शुक्रवार को आदिवासी संगठनों ने आक्रोश मार्च निकालकर विरोध किया। आदिवासियों ने मोरहाबादी मैदान से राजभवन तक आक्रोश मार्च निकालकर राजभवन के समक्ष जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सरना झंडा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तस्वीर लिये आक्रोश मार्च में शामिल आदिवासी संगठनों से जुड़े लोगों ने कहा कि केंद्र सरकार और भाजपा के इशारे पर एक आदिवासी मुख्यमंत्री को परेशान किया जा रहा है। इस वजह से आदिवासी समाज में नाराजगी है। आक्रोश मार्च में महिलाओं ने कहा केंद्र के इशारे पर बार बार मुख्यमंत्री को परेशान किया जा रहा है, उन्हें अपमानित किया जा रहा है। इसलिए आदिवासी समाज सड़क पर उतरा है।

राजभवन के समक्ष आदिवासी संगठनों के धरना प्रदर्शन कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे अजय तिर्की ने कहा कि एक आंदोलनकारी दिशोम गुरु के बेटे को परेशान किया जा रहा है। राज्य की जनता द्वारा वोट के माध्यम से चुने गए मुख्यमंत्री को राज्य के आदिवासी-मूलवासी सभी सम्मान करते हैं, लेकिन भाजपा की सरकार के इशारे पर बार बार ईडी द्वारा उन्हें परेशान किया जा रहा है।

अजय तिर्की ने कहा कि ईडी वाले भाजपा शासित राज्यों का रास्ता क्यों भूल जाते हैं। मुख्यमंत्री से ईडी की पूछताछ पर आदिवासी समाज की नजर है। अगर ईडी ने मुख्यमंत्री को अपमानित करने की कोशिश की तो बंगाल की तरह यहां भी विरोध होगा।

विरोध प्रदर्शन में यह संगठन हुए शामिल

कार्यक्रम में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की, नारायण उरांव, कुंदरसी मुंडा, सोनू खलखो, अजीत उरांव, बुधवा मुंडा, दिनेश कच्छप, जयंत कच्छप, अजय कच्छप, राहुल उरांव, योंगेंद्र उरांव, स्सुरेंद्र लिंडा, लाली महली, जिला परिषद के कमिश्नर मुंडा, माइकल कच्छप, मोहन सोरेन, बेदिया विकास परिषद सहित कई आदिवासी संगठनों के अगुवा एवं कार्यकर्ता शामिल थे।

पीछे से वार करना छोड़े भाजपा : केंद्रीय सरना समिति के नारायण उरांव ने कहा कि येन-केन प्रकरेण एक आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भाजपा परेशान कर रही है। अगर भाजपा में हिम्मत है तो वह हेमंत सोरेन से राजनीतिक मुकाबला करे। पीछे से वार करना छोड़ दे, नहीं तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

केंद्र सरकार का एजेंट नहीं बनें राज्यपाल

आदिवासी सेना के अध्यक्ष अजय कच्छप ने कहा कि केंद्र सरकार जांच एजेसियों के माध्यम से एक आदिवासी सीएम को परेशान कर रही है। उन्होंने राजभवन, राज्यपाल और भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वह साजिश करना बंद करें। राज्यपाल केंद्र के एजेंट बनकर काम करना बंद करें नहीं तो उन्हें तमिलनाडु वापस भेज दिया जाएगा। गौरतलब है कि जमीन से जुड़े मामले में बयान दर्ज कराने के लिए ईडी ने मुख्यमंत्री सोरेन को एक के बाद एक आठ समन भेजा है, इसके बाद मुख्यमंत्री ने 20 जनवरी को ईडी को मुख्यमंत्री आवास आकर पूछताछ करने पर सहमति दी है। ऐसे में आदिवासी संगठन इस बात को लेकर आक्रोश जता रहे हैं कि केंद्र के इशारे पर प्रवर्तन निदेशालय काम कर रहा है और आदिवासी मुख्यमंत्री की छवि खराब की जा रही है।

प्रदर्शन के कारण घंटों जाम रही सड़कें

आदिवासी संगठनों के प्रदर्शन के कारण शुक्रवार को मेन रोड से लेकर रातु रोड तक घंटों जाम रहा। जहां मोरहाबादी से आदिवासी समुदाय ने रैली निकाली थी। वहीं, राजभवन के समक्ष एक जुट होकर सभा की। इस दौरान कचहरी रोड घंटों जाम रहा। जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आवाजावही बाधित होने से स्कूल बस से लेकर पब्लिक ट्रांसपोर्ट तक बाधित रहा। बता दें आदिवासी समुदाय के प्रदर्शन के मद्देनजर जिला में सुरक्षा की अतिरिक्त व्यवस्था की गयी थी।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर आयुक्त ने की समीक्षा बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त दशरथ चंद्र दास ने गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों और विधि-व्यवस्था को लेकर शुक्रवार को समीक्षा बैठक की। मोरहाबादी मैदान की साफ-सफाई के साथ पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। कार्यक्रम स्थल पर वाटरप्रूफ पंडाल, गैलरी, कुर्सी की व्यवस्था, मैदान समतलीकरण, बैरिकेडिंग, स्टेज और साउंड बॉक्स के लिए टावर निर्माण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मंच की साज सज्जा और मंच पर वीवीआईपी के बैठने की व्यवस्था, मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम, परेड में शामिल कैडेटों के लिए अल्पाहार एवं पुष्प सज्जा की व्यवस्था आदि से संबंधित तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश आयुक्त द्वारा दिया गया। समारोह के दौरान विधि-व्यवस्था और झांकियों को लेकर संजय सेठ ने जहां 5 लाख दीये

बैठक में ये थे मौजूद

प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में पुलिस उप महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, नगर आयुक्त, रांची नगर निगम, रांची, वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक यातायात, नगर पुलिस अधीक्षक, अपर जिला दंडाधिकारी, उप निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, द.छो.प्र. रांची, जिला परिवहन पदाधिकारी, कमांडिंग आफिसर आर्मी हेडक्वाटर, जिला नजारत उप समाहर्ता, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, गोंदा, प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्यप्रमंडल, कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, अग्निशामक पदाधिकारी, आड्रे हाउस, रांची सहित संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

आवश्यक निर्देश दिये।

शैलेन्द्र सिंह बने रांची जिला महानगर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सह प्रोटोकॉल प्रभारी

रांची। कांग्रेस नेता शैलेन्द्र सिंह को रांची जिला महानगर कांग्रेस कमिटी का उपाध्यक्ष सह प्रोटोकॉल प्रभारी मनोनीत किया गया है। उनका मनोनयन रांची जिला महानगर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ. कुमार राजा ने किया है। डॉ. राजा ने श्री सिंह को मनोनयन पत्र सौंपते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों को आमजन तक पहुंचाते हुए कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर के हाथों को मजबूत करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, कांग्रेस नेता सुनील सहाय, दीपक प्रसाद, राजकिशोर प्रसाद सहित ने बधाई दी।

एचडीएफसी बैंक का अधिकारी बनकर लाखों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

साइबर पुलिस ने कोकर में छापेमारी कर युवक को किया गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। साइबर पुलिस ने आईटी एक्ट के तहत ठगी और गलत पत्र बनाकर एचडीएफसी बैंक में नौकरी दिलाने के नाम पर 25 लाख रूपये ठगी के मामले में रांची के सदर थाना एरिया में रह रहे युवक विशाल धर लाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल, एक सिम और दो एटीएम कार्ड,आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पासबुक और चेकबुक जब्त किया है। विशाल कोकर चौक का रहनेवाला है। विशाल के खिलाफ साइबर थाने में एक पीड़ित ने प्राथमिकी दर्ज करायी थी। पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों द्वारा फर्जी एचडीएफसी कार्पोरेट बैंक लिमिटेड में लीगल मैनेजर के पद पर तथा एक अन्य व्यक्ति गौरव कुमार डे को बिजनेस मैनेजर के पद पर ज्वाईन करवाया गया। इसी प्रकार इनलोगों ने कई अन्य व्यक्तियों को खुद को एचडीएफसी बैंक का अधिकारी बताकर फर्जी नौकरी भी दी।

टारगेट देकर कराते थे ठगी : टारगेट के नाम पर न्यूनतम राशि 25 हजार रुपये और अधिकतम राशि 5 लाख रुपये आम लोगों को समझा-बुझाकर अपने झांसे में लेकर खाते खुलवाना तथा लोन दिलवाने के नाम पर पैसे लेने का काम देते थे। इन पैसों को अभियुक्त के बताए विभिन्न बैंक में भेज देते थे। अभियुक्तों द्वारा कई व्यक्तियों को एचडीएफसी बैंक फर्जी नौकरी देकर उनके द्वारा 50-60 लोगों को बैंक में खाता खुलवाने एवं लोन के नाम पर कुल 25,65,972/रु (पच्चीस लाख पैसठ हजार नौ सौ बहत्तर रुपए ठगी कर लिया गया।

खबर एक नजर में

लापता बच्चों को पुलिस ने मुरी से किया बरामद

रांची। लोअर बाजार थाना क्षेत्र से 15 जनवरी को लापता दोनों बच्चों को मुरी से बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने उन बच्चों को बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। लोअर बाजार थाना प्रभारी दयानंद कुमार ने बताया कि बच्चे अपने रिश्तेदार के यहां चले गये थे। गौरतलब हो कि दोनों बच्चों के परिजनों ने लोअर बाजार थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराया था।

दोस्त की हत्या के दोषी को उम्र कैद की सजा

रांची। प्रेमिका को भड़काने के शक में अपने जिगरी दोस्त अनुराग विश्वकर्मा की हत्या करने के जुर्म दोषी अभियुक्त अनमोल कुमार वर्मा उर्फ सन्नी वर्मा को अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार की अदालत ने शुक्रवार को उम्र कैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 35 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माने की राशि नहीं देने पर अभियुक्त को अतिरिक्त डेढ़ साल जेल काटनी होगी। अदालत ने उक्त आरोप में 12 जनवरी को दोषी पाया था। वह रातू रोड स्थित मोती स्ट्रीट धोबी मोहल्ला का रहनेवाला है। अभियुक्त ने अपनी प्रेमिका को भड़काकने के शक में दोस्त की हत्या रातू रोड कब्रिस्तान में कर दी थी। लाश को वहीं दफन कर दिया था। उसी कब्रिस्तान में युवती की भी लाश मिली थी। युवती की हत्या मामले में अभियुक्त अनमोल वर्मा को बीते 31 जुलाई को उम्र कैद की सजा हो चुकी है। दोस्त की हत्या करने के आरोप में सुखदेव नगर थाना में जनवरी 2019 में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा ने किया लघु प्रांतीय अधिवेशन का पोस्टर विमोचन

रांची। मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा ने शुक्रवार को लघु प्रांतीय अधिवेशन का पोस्टर विमोचन किया। इस मौके पर 100 से अधिक युवा साथी मौजूद थे। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र भसर, प्रांतीय अध्यक्ष अरुण गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराम सुल्नातिया, प्रांतीय अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, राष्ट्रीय सहायक मंत्री विकास खंदेलिया, प्रांतीय उपाध्यक्षगण, प्रांतीय महामंत्री एवं युवा साथियों मौजूद थे।

राम लखन सिंह यादव कॉलेज के 3 छात्रों ने पास की यूजीसी नेट की परीक्षा

रांची। यूजीसी नेट की परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को जारी किया गया। इस परीक्षा में टीआरएल नागपुरी, राम लखन सिंह यादव कॉलेज के 3 छात्र किए। पास करने वालों में चिराग बेदिया, अघनू बेदिया और विरेन्द्र कुमार महतो शामिल हैं। टीआरएल के विभागाध्यक्ष डॉ खालिक अहमद ने तीनों छात्रों को बधाई दी। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। तीनों छात्रों ने असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए क्वालीफाई की। पास होने पर विभाग के सभी शिक्षों ने बधाई दी। मौके पर लोलेन होरो, विकास उरांव, सरोज कुमारी खलखो, सुषमा मिंज, नीलू कुमारी, सुरेश कुमार, राम कुमार, पप्पू कुमार महतो, प्रेममंजरी यादव उपस्थित थे।

श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर रांची में मनेगा दीपोत्सव, बढ़ी दीये की मांग

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अयोध्या धाम में 22 जनवरी 2023 को मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम नये भव्य मंदिर में प्रतिष्ठापित होंगे। इस दिन को लेकर झारखंडवासियों में खुशी का माहौल है। हर कोई अपने-अपने तरीके से इस कार्यक्रम में हिस्सा लेना चाहता है। कहीं राम कथा का आयोजन किया जा रहा है तो कहीं राम झांकी की तैयारी की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशवासियों से 22 जनवरी को अपने-अपने घरों में दीये जलाने के आशान के बाद दीयों की मांग भी काफी बढ़ गई है।

बांटे जा रहे दीये : रांची सांसद संजय सेठ ने जहां 5 लाख दीये बांटने की घोषणा की है, वहीं राष्ट्रीय युवा शक्ति ने एक लाख दीये बांटने की घोषणा की है। इसे रांची के हर घर तक पहुंचाने की योजना बनायी गयी है। राष्ट्रीय युवा शक्ति के अध्यक्ष उत्तम यादव का कहना है कि हमारे आदर्श 22 जनवरी को अपने नये घर में विराजमान होने जा रहे हैं, यह सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए बहुत बड़ा दिन है। इसलिए एक लाख दीपक घर-घर वितरित किये जायेंगे। इसके अलावा आम लोग और छोटे-बड़े संगठन भी अपने आसपास के लोगों के बीच दीये बांट रहे हैं। इसलिए मिट्टी के दीयों की मांग काफी बढ़ गई है। मांग बढ़ने से दीयों की कीमत पर असर पड़ना भी स्वाभाविक है। 60 पैसे में मिलने वाला छोटा सा दीया अब दोगुनी कीमत 1 रुपये 20 पैसे पर बिक रहा है। इसी प्रकार मध्यम आकार का दीया एक रुपए के स्थान पर दो रुपए तथा बड़ा दीया 10 रुपए प्रति की दर से बेचा जा रहा है।

बढ़े दीये के दाम : इधर राजधानी रांची में दीये की मांग को देखते हुए दीया विक्रेताओं के पास दीये की कमी हो गयी है। विक्रेताओं को मांग को देखते हुए दीया की मांग को पूरा करने के लिए ग्रामीण इलाकों, हजारीबाग, चतरा, रामगढ़ जिले से दीया मंगवाना पड़ रहा है। इस स्थिति में स्वाभाविक रूप से दीये की कीमत में बढ़ोत्तरी हो रही है।

22 जनवरी को अन्नपूर्णा सेवा केंद्र में भोजन प्रसाद निःशुल्क बंटेगा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। श्री राम जन्मभूमि अयोध्या धाम में निर्मित श्रीराम मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन अत्यंत उत्साह पूर्वक एवं भव्य रूप से मनाएगा। इस अवसर पर अन्नपूर्णा सेवा केंद्र में भोजन प्रसाद निःशुल्क रहेगा।

रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल और प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि 22 जनवरी को मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित पुरुलिया रोड स्थित स्वर्णभूमि अन्नपूर्णा सेवा केंद्र एवं पहाड़ी रोड स्थित श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा केंद्र में श्री राम उत्सव एवं दीपोत्सव उल्लास पूर्वक मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि श्री रामचंद्र जी की पूजा-अर्चना, प्रसाद भोग एवं श्री राम का भगवा ध्वज फहराया जाएगा। इस दिन दोनों अन्नपूर्णा सेवा में भोजन प्रसाद निःशुल्क रहेगा। दीप जलाकर दीपोत्सव एवं पूरे वातावरण को राममय बनाया जाएगा। संगठन के पदधारियों ने अपील की है कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन सभी मंदिरों में पूजा-पाठ, भजन- कीर्तन, महा आरती, श्रृंगार एवं प्रसाद वितरण एवं शाम को अपने-अपने घरों में दीपक जलाएं। श्री राम का भगवा झंडा फहराकर राम उत्सव उल्लास के साथ मनायें।

भगवा ध्वज का वितरण : रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा 22 जनवरी को आकर्षक एवं भव्य बनाने के लिए शुक्रवार को अपर बाजार रांची के तीन स्थानों पर पांच सौ श्री राम प्रभु के भगवा ध्वज का वितरण राम भक्तों के बीच किया गया।

मौसम साफ होगा तो तापमान में आयेगी गिरावट, बढ़ेगी ठंड

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में ठंड का असर देखा जा रहा है। गुरुवार की तरह शुक्रवार सुबह भी राजधानी रांची समेत आसपास के इलाकों और जिलों में सुबह में कोहरा छाया रहा। हालांकि दोपहर बाद मौसम साफ नजर आया। सुबह और शाम कोहरा और धुंध का असर पूरे राज्य भर में देखा जा रहा है। वहीं, पिछले 24 घंटे में कुछ हिस्सों में बारिश भी रिकॉर्ड किया गया। कुछ हिस्सों में कोहरा के साथ हल्की फुहारे जैसी बारिश भी रिकॉर्ड की गयी। इसमें रांची, रामगढ़ जिला शामिल है।

तीन दिन में चार डिग्री तक की आयेगी गिरावट

मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो आने वाले तीन से चार दिन में तापमान में कमी दर्ज की जायेगी। इस दौरान तापमान में चार डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जायेगी। वहीं, पूर्वी हवाओं के कारण लोगों को अधिक ठंड का सामना करना पड़ेगा। केंद्र की मानें तो 22 जनवरी तक राज्य का औसतन न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जायेगा। हालांकि इस दौरान ठंडी हवाओं के कारण लोगों की मुश्किलें बढ़ेगी। वहीं, औसतन अधिकतम तापमान की बात करें तो यहां 24 से 25 डिग्री सेल्सियस तक तापमान दर्ज किया जायेगा।

रांची में घने कोहरे से हवाई सेवा रही प्रभावित कई विमानों की नहीं हो पायी लैंडिंग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी घने कोहरे की वजह से यातायात पर खासा असर रहा। गुरुवार से रांची घने कोहरे की चपेट में है। इसका सबसे ज्यादा असर विमान सेवा पर पड़ा है। रांची एयरपोर्ट के पदाधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार रांची एयरपोर्ट में घने कोहरे के कारण शुक्रवार सुबह तक एक भी फ्लाइट लैंड नहीं कराया जा सका। दोपहर से पहले तक करीब 10 से ज्यादा विमानों की उड़ानें प्रभावित हुई हैं। इस कारण विमान से सफर करने वाले यात्रियों को खासा परेशानी हुई।

एयरपोर्ट टर्मिनल से मिली जानकारी के अनुसार 8 बजकर 10 मिनट पर कोलकाता से आने वाला विमान रद्द कर दिया गया। वहीं पुणे से रांची आने वाली इंडिगो का दूसरा विमान भी अपने समय से काफी लेट पहुंचा, जबकि विमान की लैंडिंग का निर्धारित समय 8 बजकर 20 मिनट था। वहीं मुंबई से रांची आने वाली एयर एशिया का विमान भी कैंसिल रहा। मुंबई से रांची आने वाले एयर एशिया विमान का निर्धारित समय 8 बजकर 30 मिनट था। वहीं एयर एशिया की दिल्ली से रांची आने वाली दूसरा विमान भी तय समय से लेट पहुंचा। दिल्ली से रांची आने वाला एयर एशिया विमान का निर्धारित समय 9:55 मिनट पर था। वहीं 10:30 मिनट पर हैदराबाद से आने वाले इंडिगो का विमान भी तय समय से काफी लेट पहुंचा। इसके अलावा चेन्नई से रांची आने वाला विमान भी अपने तय समय से काफी विलंब था।

डीएसपीएमयू में एबीभीपी ने की 22 जनवरी को होनेवाली परीक्षा को स्थगित करने की मांग

रांची। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय इकाई के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में 22 जनवरी को होनेवाली सभी परीक्षाएं स्थगित करने के संबंध में शुक्रवार को कुलपति को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें अभाविप ने यह मांग की है कि आगामी 22 जनवरी को विश्वविद्यालय में आयोजित होनेवाली सभी परीक्षाओं को स्थगित किया जाये और नयी तिथि दी जाये। अभाविप ने मांग करते हुए कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा होनेवाली है। इस शुभ दिन को त्योहार की तरह पूरा देश मना रहा है। केंद्र सरकार के द्वारा आधे दिन की छुट्टी समेत कई राज्य सरकारों ने भी छुट्टी की घोषणा की है। इसे देखते हुए परीक्षा का संचालन कराना नीतिसंगत नहीं है। इस स्थिति में विश्विद्यालय प्रशासन को 22 जनवरी की परीक्षा को स्थगित करते हुए नई तिथि की घोषणा करनी चाहिए। मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पवन नाग, सतीश केशरी, गौरव भूमिहार, प्रिंस, ऋतिक, सोनू एवं अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

आज का राशिफल
20 जनवरी 2024

विक्रम संवत 2080, शक संवत 1945। ऋतु : शिशिर। सूर्य उत्तरायण। मास : पौष, पक्ष : शुक्ल, तिथि : दशमी 19:27 बजे समाप्त। नक्षत्र : कृत्तिका 03:09 बजे रात्रि में समाप्त। योग : शुभ 11:06 बजे समाप्त। करण : तैतिल 07:36 बजे तक, तदनंतर गर 19:27 बजे समाप्त। सूर्य : मकर राशि में। चंद्रमा : मेष राशि में प्रातः 08:52 बजे तक, तदुपरांत वृष राशि में। दिशाशूल : पूर्व।

मेष : कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-5-6-8

वृष : यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-6-7-8

मिथुन : शनः-शनः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय प्रबल होगा। शुभांक-2-6-9

कर्क : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-7-9

सिंह : कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या : अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। शुभांक-4-6-8

तुला : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक : अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़? के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-6-8

धनु : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-8-9

मीन : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-5-6

रांची जिला बार एसोसिएशन का चुनाव आज

16 पदों के लिए भाग्य आजमा रहे 74 उम्मीदवारों की बढ़ी दिल की धड़कनें

उदय चौहान

रांची। रांची जिला बार एसोसिएशन (आरडीबीए) का द्विवार्षिक चुनाव को लेकर सिविल कोर्ट में सरगर्मी बढ़ गयी है। इस चुनाव में कुल 74 उम्मीदवार भाग्य आजमा रहे हैं। शनिवार को मत डालें जायेंगे। 16 पदों के लिए 74 उम्मीदवार मैदान में खड़े हैं। इन प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 2163 मतदाता करेंगे।

इस बार अध्यक्ष के साथ महासचिव एवं संयुक्त सचिव प्रशासन पद पर सबकी निगाहें है। चुनाव समिति के सदस्यों की ओर से शुक्रवार को देर रात तक सभी तरह की तैयारियां पूरी कर ली है। 20 जनवरी को नये बार भवन के बेसमेंट में मतदान की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। मतदान का समय दिन के 10:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक रखा गया है। मतपत्रों की गिनती 21 जनवरी को होगी।

चुनाव समिति के सदस्य अजय कुमार तिवारी एवं अमरेंद्र कुमार झा ने बताया कि वोट के लिए दो बूथ बनाएं गए हैं। प्रत्येक बूथ में एक साथ 35 वकील प्रवेश कर अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। मतदान को पूरी तरह से पारदर्शी रखा गया है। पूरे मतदान स्थल को सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी। मतदाता को अपना आईडी कार्ड या आधार कार्ड के साथ ड्रेस कोड में मतदान स्थल पहुंचने को कहा गया है।

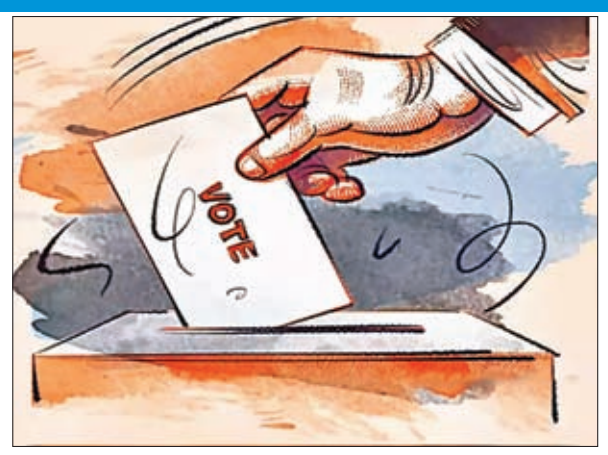

संजय विद्रोही एवं अनिल कंठ के बीच जबरदस्त टक्कर

आरडीबीए का सबसे महत्वपूर्ण पद महासचिव पद के लिये निवर्तमान महासचिव संजय कुमार विद्रोही एवं अनिल कुमार कंठ के बीच जबरदस्त मुकाबला दिखता नजर आ रहा है। तीसरे उम्मीदवार प्रदीप सरकार को भी सदस्य कम नहीं आंक रहे हैं। दोनों की लड़ाई में कहीं वह बाजी न मार लें। उधर अध्यक्ष पद पर आठ बार चुनाव जीत चुके एसपी अग्रवाल नौवीं बार फिर मैदान में दावेदारी ठोकी है। इनका सीधा मुकाबला एके मित्रा से है। हालांकि मैदान में सुधीर सिन्हा और रश्मि कात्यायन भी खड़े हैं। बार इस पद पर परिवर्तन देखना चाह रहा है। तीसरा महत्वपूर्ण पद संयुक्त सचिव पशासन का है। इस पद पर पवन रंजन खत्री के साथ सीधा मुकाबला अभिषेक भारती से होता दिख रहा है। मैदान में सुनील पांडेय भी मजबूत प्रत्याशी हैं। हालांकि मैदान में सात प्रत्याशी खड़े हैं।

उम्मीदवारों की अंतिम सूची पर एक नजर

अध्यक्ष पद : एके मित्रा, एसपी अग्रवाल, रश्मि कात्यायन एवं सुधीर सिन्हा।

उपाध्यक्ष पद : बीके राय, अनूप कुमार लाल, मुमताज अहमद खान, रंजीत महतो व सतीश कुमार वर्मा।

महासचिव पद : संजय कुमार विद्रोही, अनिल कुमार कंठ, आशीर्वाद बेदिया एवं प्रदीप सरकार।

संयुक्त सचिव प्रशासन : पवन रंजन खत्री, अभिषेक कुमार भारती, सुनील पांडेय, अजित कुमार सिंह, दर्पणा तमांग, कुमुद रंजन प्रसाद व काफिऊर रहमान।

संयुक्त सचिव पुस्तकालय : रतीश रोशन उपाध्याय, प्रदीप कुमार चौरसिया, जगदीश चंद्र पांडेय, अभय मिंज एवं बिनोद कुमार सिंह।

कोषाध्यक्ष पद : अमर कुमार, प्रीतांशु कुमार सिंह एवं मुकेश कुमार केशरी।

सहायक कोषाध्यक्ष : सुरोजीत कुमार रॉय, दीनदयाल सिंह, अमरेंद्र नाथ त्रिवेदी, संजय कुमार तिवारी एवं सत्यम कुमार।

सदस्य कार्यकारी समिति : बीरेंद्र प्रताप, सोसन नाग, राम कृष्ण भगत, ज्योति आनंद, जितेंद्र कुमार, शंकर कुमार शर्मा, अभय कुमार मिंज, अजीत कुमार, अलख कुमार उर्फ टिंकू, अमित कुमार तिवारी, अमितेश कुमार उर्फ राजू, अंजित कुमार, आरती ललन गुप्ता, असीम कच्छप, बबलू कुमार सिंह, धनंजय कुमार सिंह, धर्मेंद्र कुमार तिवारी, दीना नाथ गुप्ता, इला रानी सहाय, इशान वर्मा, जेपी महतो, जीवन ठाकुर, कुमार विमल, महेश्वर महतो, मनीष कुमार, मोमताज अहमद, जकावत निगर, पप्पू कुमार, परवेज अख्तर, राज किशोर महतो, राज कुमार साहू, राजेश सांगा, राकेश कुमार, संजय ठाकुर, शशि रंजन महतो, शिबल कुमार महतो, श्रवण कुमार, सिकंदर कुमार, सईद शीश आलम, वीरेंद्र कुमार उर्फ सिंह एवं विद्या ज्योत्सना ओड़िया।

पाठशाला विद्यालय में विज्ञान सह हस्तशिल्प प्रदर्शनी आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। ग्रामीण बाल दीक्षा ट्रस्ट द्वारा संचालित पाठशाला विद्यालय में शुक्रवार को विज्ञान सह हस्तशिल्प कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय के संस्थापक नरेश सिंह, चंदवे पंचायत के मुखिया गुरु चरण मुंडा, भूतपूर्व जिला परिषद सदस्या श्रीमती मीना देवी, समाजसेवी संदीप उरांव, अचार्य अमरेश झा, सुबोध साहु, दीपक ठाकुर, धीरज बैठा ने किया।

इस प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, पृथ्वी बचाओ तथा विज्ञान से संबंधित कई सारे मॉडल प्रस्तुत किये गये। साथ ही, बच्चों ने हाथ से बने हुए हस्तशिल्प का भी प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भी स्टॉल लगाया गया था। इस मौके पर आचार्य अमरेश झा कर्मठ ने प्रदर्शनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी इस सुदूरवर्ती क्षेत्र में बच्चों के विज्ञान एवं गणित के समझ को व्यापक रूप प्रदान करती है। यह प्रदर्शनी एक सोच नहीं है, बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को गढ़ने में अहम भूमिका निभा रही है। पाठशाला विगत 10 वर्षों से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में आत्मनिर्भरता तथा कौशल विकास बढ़ाने का निरंतर प्रयास कर रहा है। साथ ही, खेल-खेल में विज्ञान एवं गणित की समझ को बढ़ावा दे रहा है। इसी उद्देश्य से यह विज्ञान प्रदर्शनी एवं हस्तशिल्प कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस मौके पर बच्चों के अभिभावक एवं सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। सभी ने इस प्रदर्शनी को सराहा और इसकी प्रशंसा की।

साहित्योदय में मनाया जा रहा जन रामायण सप्ताह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अंतरराष्ट्रीय साहित्य कला संस्कृति न्यास साहित्योदय मंच के तत्वावधान में विश्व के सबसे बड़े ऑनलाइन रामोत्सव जन रामायण सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश-विदेश के साहित्यकार, कलाकार और रामभक्त अपनी शब्दांजली सुमन अर्पित कर रहे हैं। 15 जनवरी से प्रारम्भ श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव जन रामायण सप्ताह 22 जनवरी तक चलेगा। इसमें लोग अपनी कविता, गीत, भजन और नृत्य कला प्रस्तुति से प्रभु श्रीराम की ऑनलाइन आराधना कर रहे हैं। इसके साथ ही विभिन्न शहर, प्रदेश और विदेशों में साहित्योदय के सदस्यों द्वारा राम मंदिर में भजन पूजन और दीपदान किया जा रहा है। साहित्योदय अध्यक्ष पंकज प्रियम के संयोजन में ऑनलाइन काव्यार्चन में हर दिन एक नये संचालक द्वारा कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उत्कृष्ट प्रस्तुति देनेवालों को आयोजन के अंत मे साहित्योदय राम रत्न सम्मान दिया जायेगा। आयोजन को सफल बनाने में गणेश दत्त, सुरेंद्र उपाध्याय, किशोरी भूषण, रजनी शर्मा चंदा आदि लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। गौरतलब है कि साहित्योदय द्वारा 2022 में प्रभु श्रीराम के सम्पूर्ण जीवन पर आधारित जन रामायण साझा महाकाव्य का प्रकाशन और अयोध्या में भव्य आयोजन कर विमोचन किया गया है।

कोल इंडिया मैराथन में सक्रिय भागीदारी निभायेगा एनआइपीएम रांची चैप्टर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कोल इंडिया मैराथन का आयोजन 11 फरवरी को रांची में किया गया है। राष्ट्रीय कार्मिक प्रबंधन संस्थान (एनआइपीएम) की रांची चैप्टर के सदस्य इसमें सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। इसकी घोषणा शुक्रवार को संगठन के पदधारियों की बैठक के बाद की गई।

इस अवसर पर पदधारियों ने कहा कि संगठन अपने सदस्यों के बीच खुशहाली और शारीरिक फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देते हुए एनआईपीएम ने उत्साही टीम को बढ़ावा दिया है। यह पहल ना केवल उद्योग प्रबंधन उत्कृष्टता को बढ़ावा देने, बल्कि कर्मचारी कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। पदधारियों ने कहा कि मैराथन निश्चि रूप से शारीरिक फिटनेस और सकारात्मक प्रभाव की दिशा में प्रयास करेगी। हम मानते हैं कि एनआईपीएम में एक स्वस्थ कार्यबल एक उत्पादक कार्यबल है। बैठक में एनआईपीएम रांची चैप्टर के सदस्यों ने भाग लिया। मौके पर पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संजय कुमार ठाकुर ने मैराथन के पैम्फलेट और ब्रोशर प्रस्तुत किए। सक्रिय भागीदारी का अनुरोध किया।

खबर एक नजर में

राम लला के आगमन पर 22 को दीपोत्सव मनायें : राजीव रंजन

रांची। श्री महावीर मंडल रांची के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा ने कहा है कि राम लला के आगमन पर 22 जनवरी को सभी रामभक्त दीप जला कर दीपोत्सव मनायें। श्री मिश्रा शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस अवसर पर अशोक पुरोहित, अर्जुन राम, राम बानर सेना के अध्यक्ष लंकेश सिंह एवं श्री चैती दुर्गापूजा महासामिति के महामंत्री गोपाल पारीक, श्री महावीर मंडल हिंदपीढ़ी के रमेश केडिया शामिल थे। उन्होंने कहा कि रांची के विभिन्न क्षेत्रो में राम भक्तों के बीच दीप एवं झंडा का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी राम भक्तो से 22 जनवरी 2024 को श्री रामनवमी जन्मभूमि तीर्थ छेत्र में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर दीप जलाकर दीपोत्सव मनायेंगे। उन्होंने बताया कि श्री महावीर मंडल के द्वारा विभिन्न क्षेत्रो में प्रभु श्री राम के भक्तों के बीच 51000 दीप एवं 5000 झंडों का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि श्री महावीर मंडल रांची के अंतर्गत पड़ने वाले सभी अखाड़ों, अपने अपने नजदीकी मंदिरो एवं महावीरी पताका लगाकर पूजा-अर्चना ए भजन कीर्तन कर आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया जायेगा।

श्री चैती दुर्गा पूजा समिति ने निकाली राम दर्शन यात्रा

रांची। श्री चैती दुर्गा पूजा समिति डोरंडा द्वारा आज अयोध्या में भव्य राम मन्दिर के उद्घाटन व राम लला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शुक्रवार को राम दर्शन यात्रा निकाली। यात्रा पूजा प्रांगण से प्रारंभ होकर झंडा चौक, गॉधी मैदान ,विवेकानंद चौक होते हुए तपोवन मंदिर पहुँची जहाँ प्रभु श्री राम का दर्शन कर प्रसाद निवेदन किया गया। यात्रा में प्रकाश वर्मा, राकेश पाल, मुकेश गुप्ता, देवाशीष दत्ता, महेश विजय, सरदार नरेंद्र पाल सिंह, प्रमोद चौधरी ,विनय गुप्ता ,पप्पू वर्मा ,शिव प्रसाद, राज कुमार ,रुण गुप्ता, लडडू प्रसाद ,मंटू लाल ,उमेश फरमान, राजू चौरसिया ,शंभु गुप्ता, राम वृक्ष, साव हिमांशु, शेखर दास, राजेश वर्मा अजय वर्मा विजय वर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

रोनियार वैश्य प्रगतिशील मंच ने दी श्रद्धांजलि

रांची। कुलदीप नारायण गुप्ता के निधन पर रोनियार वैश्य प्रगतिशील मंच के सदस्यों ने उनके घर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी आत्मा के लिए 2 मिनट के लिए मौन रखा। इस मौके पर मंच के अध्यक्ष प्रभात कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, सचिव विजय प्रसाद गुप्ता, उप सचिव संजय कुमार, कोषाध्यक्ष डॉ. रमेश चंद्र, अनिल कुमार गुप्ता, अनूप कुमार गुप्ता ने स्वर्गीय कुलदीप नारायण गुप्ता के पुत्रआलोक गुप्ता को स्मृति में एक चित्र फ्रेम सौंपा।

बाबूलाल ने लांच किया आशुतोष का 'अवध में राम आये हैं' गाना

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बाबूलाल मरांडी ने अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान के मद्दे नजर आशुतोष द्विवेदी का गाना 'अवध में राम आये हैं...' लांच किया। श्री मरांडी ने गाने के पोस्टर का अनावरण यूट्यूब पर अपलोड करके किया। इस अवसर मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के राजीव रंजन, रजनीश पांडेय, सिंधु बाला, गीत के प्रोड्यूसर एके दिवाकर, संगीतकार हर्ष उपाध्याय, गीतकार अंबुज राय समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। आशुतोष द्विवेदी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर लोकगायक आशुतोष द्विवेदी के गाना श्अवध में राम आए हैं प्रभु श्री राम के जीवन और महिमा का पूर्ण वर्णन है।

बालाजी मंदिर में राम लला के आगमन की हो रही तैयारी

रांची। रातू रोड स्थित बालाजी मंदिर में 22 जनवरी सोमवार को अयोध्या नगरी में प्रभु श्रीराम के विग्रह का प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारी हो रही है। यह शुभ दिन और शुभ तिथि भारतीय इतिहास के सुनहरे पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो जायेगा । इस शुभ अवसर पर तिरुपति बालाजी मंदिर में भी विशेष सजावट किए जा रहे हैं। विद्युत लड़ियां और दीपों के प्रकाश पुञ्ज से मंदिर के चप्पे चप्पे को सजाया जायेगा । प्रभु श्रीराम के विग्रह का प्राण प्रतिष्ठा के समय पर श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में रामरक्षा स्तोत्रम, रघुवीर गद्य और श्रीविष्णु सहस्त्रनाम का निरंतर पाठ होगा । फिर भजन और हरि नाम संकीर्तनम होंगे। केसरिया खीरान्न महाप्रसाद वितरण होगा। मंदिर का पप्त अतिरिक्त समय तक खुले रहेंगे।

श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्री श्याम मित्र मंडल की बैठक हुई

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्री श्याम मित्र मंडल की बैठक शुक्रवार को अध्यक्ष सुरेश सरावगी की अध्यक्षता में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि इस दिन मंदिर में विराजमान सभी देवी देवताओं को नवीन पोशाक पहनाकर विशेष दिव्य श्रृंगार किया जाएगा। प्रातः 10:00 बजे से वेदी पूजन विग्रह पूजन हवन पूजन दीप मलिक पूजन का अनुष्ठान प्रारंभ होगा । 11:30 बजे से हवन (यज्ञ) शुरू होगा जो निरंतर चार घंटे तक चलेगा।

श्री राम के केसरिया झंडा से पूरा मंदिर इलाका राममय हो गया है। राम का बड़ा चित्र भी लगा दिया गया है । अयोध्या में होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बड़े एलईडी स्क्रीन पर किया जाएगा। बैठक में कार्यक्रम के संयोजक व पूर्व सांसद अजय मारू ने विस्तार से तय कार्यक्रम के बारे में उपस्थित लोगों को कार्यक्रम की जानकारी दी। कार्यक्रम के उपसंयोजक गौरव अग्रवाल मोनू ने बताया कि सभी तैयारियां अब अंतिम रूप में की जा रही है लड्डुओं का प्रसाद लगातार मंदिर परिसर में विशेष निगरानी में बनाया जा रहा है। बैठक में सर्वश्री सुरेश सरावगी, श्रवण ढानढनिया, अजय मारू, कल्पना मारू, राजीव रंजन, मित्तल कविता मित्तल ,अनूप दाधीच, रत्नाकर शर्मा, गौरव अग्रवाल, मोनू श्याम, सुंदर शर्मा, अनिल नारनौली आदि लोग मौजदू थे।

मदर्स इंटरनेशनल स्कूल में योग शिविर का अयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मदर्स इंटरनेशनल स्कूल, जाहेर, ब्रांबे, रांची में शुक्रवार को योग शिविर का अयोजन किया गया। परीक्षा के तनाव को दूर करने एवं विद्यार्थियों के मन को तरोताजा रखने के लिए विद्यालय प्रबंधन द्वारा यह पहल की गयी है। इसमें देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज, हरिद्वार से आये ऋषभ गुप्ता, दिव्यानंद शर्मा एवं रोहन बेरा ने सभी विद्यार्थियों को योग के संबंध में जानकारी दी। साथ ही, प्राणायाम एवं ध्यान संबंधित मंत्रोच्चार भी कराये गये, जो जीवन में सदा काम आ सके। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा। प्रधानाचार्या डॉ रोमी झा ने सभी को हृदय से धन्यवाद ज्ञापन देते हुए सबके सहयोग की सराहना की।

थोरैसिक और एसोफैगल कैंसर का इलाज अब रांची के पारस अस्पताल में

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। प्रदेश में सामान्य तौर पर थोरैसिक और एसोफैगल कैंसर का इलाज उपलब्ध नहीं था। हालांकि, कुछ अस्पतालों में थोरैसिक और एसोफैगल कैंसर (फूड पाइप कैंसर) का सर्जरी के माध्यम से इलाज किया गया है। लेकिन, अब रांची के पारस एचइसी अस्पताल में थोरैसिक और फूड पाइप कैंसर का नियमित रूप से डॉ प्रभात कुमार रैना की निगरानी में सर्जरी की सुविधा उपलब्ध होगी।

इस मामले में रांची के पारस एचइसी अस्पताल के प्रांगण में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इसमें पारस एचइसी अस्पताल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार सहित क्रिटिकल केयर विभाग के प्रमुख डॉ शिव अक्षत, मेडिकल ऑनकोलॉजी विभाग के कंसलटेंट डॉ गौरव कुमार एवं अस्पताल के अन्य चिकित्सक और कर्मी उपस्थित थे।

पारस एचइसी अस्पताल के कैंसर सर्जन डॉ प्रभात कुमार रैना ने बताया कि फेफड़े की यह बीमारी ज्यादातर तंबाकू के सेवन से होता है और कैंसर की सबसे खतरनाक बीमारियों में से एक है। इस बीमारी का सर्जरी से इलाज संभव है, जो मरीज को एक सामान्य जीवन दे सकता है। रांची के पारस एचइसी अस्पताल में कैंसर की उत्कृष्ट सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है।

दुनिया भर में सबसे अधिक पाये जाने वाले कैंसरों में से एक, फेफड़ों का कैंसर तब विकसित होता है, जब वायुमार्ग की कोशिकाओं में असामान्य परिवर्तन होते हैं। जैसे-जैसे असामान्य कोशिकाएं बढ़ती हैं और विभाजित होती हैं, वे एक साथ एकत्रित हो सकती हैं और घातक ट्यूमर बना सकती हैं, जो संभावित रूप से आस-पास के ऊतकों पर आक्रमण कर सकते हैं। यदि ट्यूमर कोशिकाएं रक्तप्रवाह या लसिका तंत्र में प्रवेश करती हैं, तो फेफड़ों का कैंसर शरीर के दूर-दराज के क्षेत्रों में भी फैल सकता है। मीडिया को संबोधित करते हुए पारस एचइसी अस्पताल के क्रिटिकल केयर विभाग के प्रमुख डॉ शिव अक्षत ने कहा कि इस जटिल सर्जरी में एनेस्थीसिया की टीम के साथ-साथ सर्जिकल और क्रिटिकल केयर की टीम के बेहतर समन्वय के कारण मरीज को एक स्वस्थ जीवन देने में सफलता पायी है। संस्थान के मेडिकल आंकोलॉजिस्ट डॉ गौरव कुमार ने बताया कि इस तरह के कैंसर के मरीज ज्यादातर ठीक हो सकते हैं। अगर किसी को भी खाने में परेशानी या गले में भोजन अटक रहा है, तो तत्काल चिकित्सक से मिलें और समय रहते इलाज करवायें। मौके पर मौजूद पारस एचइसी अस्पताल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस में कैंसर की सुविधाओं में काफी विस्तार हुआ है। अब यहां पहले से उपलब्ध मेडिकल आंकोलॉजी के साथ-साथ सर्जिकल आंकोलॉजी की सुविधा भी उपलब्ध है। अब पारस एचइसी अस्पताल में अब एडवांस कैंसर का इलाज उपलब्ध है। हमारे यहां डॉ प्रभात कुमार रैना जैसे अनुभवी चिकित्सक हैं। इस जटिल सर्जरी के सफल संचालन के लिए पूरी टीम को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि रांची के पारस एचइसी अस्पताल में थोरैसिक और एसोफैगल कैंसर के सर्जरी की पूर्ण सुविधा उपलब्ध है।

फेफड़ों के कैंसर के कारण

फेफड़ों के कैंसर अधिकांश मामलों में तंबाकू के धुएं के संपर्क से होता है। इसमें जहरीले रसायनों और कार्सिनोजेंस का एक कॉकटेल होता है, जो संभावित रूप से शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचा सकता है और बाद में फेफड़ों के कैंसर के विकास का कारण बनता है।

फेफड़ों के कैंसर के लक्षण

फेफड़ों के कैंसर के कुछ सामान्य लक्षण हैं। इसमें एक नयी खांसी जो दूर नहीं होती, खूनी खांसी, घरघराहट, सांस लेने में कठिनाई, स्वर बैठना, सांस लेते या छोड़ते समय तेज सीटी की आवाज, ब्रोंकाइटिस या निमोनिया के बार-बार होने वाले प्रकरण आदि शामिल हैं।

एसोफैगल कैंसर के कारण

एसोफैगल कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिसमें अन्नप्रणाली के ऊतकों में घातक (कैंसर) कोशिकाएं बन जाती हैं। अन्नप्रणाली एक खोखली, मांसपेशीय नली है, जो भोजन और तरल पदार्थ को गले से पेट तक ले जाती है। ग्रासनली का कैंसर ग्रासनली की आंतरिक परत पर शुरू होता है और बढ़ने पर अन्य परतों के माध्यम से बाहर की ओर फैलता है।

एसोफैगल कैंसर के लक्षण

एसोफेजियल कैंसर के लक्षण में निगलने में कठिनाई, बिना प्रयास किये वजन कम होना, सीने में दर्द, दबाव या जलन, अपच या सीने में जलन का बिगड़ना, खांसी या आवाज बैठ जाना आदि शामिल हैं।

स्पीड न्यूज

विधायक ने लोगों की समस्याएं सुनी, भरोसा

मांडर। मुड़मा के जगदीशनगर का दौरा शुक्रवार को विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने किया। दौरे के क्रम में जगदीशनगर के लोगों ने उन्हें वृद्धा पेंशन व आवास का लाभ नहीं मिलने के अलावा बिजली, पानी सहित अन्य समस्याओं की जानकारी दी। विधायक ने उन्हें आश्वस्त कराया कि प्राथमिकता के आधार पर सभी की समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया जाएगा। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोरंजन कुमारए विधायक प्रतिनिधि जमील मलिकए आबिद अंसारीए अर्जुन महतो उपस्थित थे।

टाटी मैदान में खेलों सिल्ली अभियान शुरू

सिकिदिरी। पूर्व डिप्टी सीएम सह सिल्ली विधायक सुदेश महतो ने शुक्रवार को टाटी मैदान में खेलों सिल्ली अभियान का शुभारंभ किया। मौके पर उन्होंने कहा कि जीवन में शारीरिक व मानसिक संतुलन रखना जरूरी है। खेलों के माध्यम से शारीरिक व मानसिक संतुलन बनता हैए इसके लिए खेलों सिल्ली अभियान का शुभारंभ किया गया है। क्षेत्र में खेल व खिलाड़ियों के विकास के लिए अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मौके पर अंतरराष्ट्रीय कोच प्रकाश राम शिशिर महतोए रोहित कोइरी राष्ट्रीय पदक विजेता प्यारी कुमारी मनीषा कुमारी लक्ष्मी कुमारी जीतू राम बेदिया, राजेश उरांव जयन्त कुमार महतो उपस्थित थे।

विशेष आमसभा में जन समस्याओं पर चर्चा

नामकुम। शुक्रवार को प्रखण्ड के वार्ड नं 53 के तुपुदाना सतरंजी में एवं विशेष आम सभा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता ग्रामप्रधान हेमन्त कच्छप ने किया बैठक के दौरान मुख्य रूप से स्थानीय जन समस्या जैसे बच्चों का जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र, भूमि संबंधी समस्या, सरना कब्रिस्तान, देवी मंडप, अखड़ा आदि की घेराबंदी एवं सुंदरीकरण करने आदि को लेकर चर्चा की गयी। बैठक में विधायक प्रतिनिधि सतीश पंडा, माधो कच्छप, वार्ड 53 के पार्षद निर्मला गाड़ी, संजय लकड़ा, राजेश कच्छप, विष्णु सिंह,जोन कच्छप, मदिया तिर्की, सुमी हसा, आकाश कच्छप, राजू कच्छप सहित बडी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

हाथियों ने रौंद डाले किसानों की फसल

बेड़ो। प्रखंड के बोदा गांव के नगड़ा चौरा व केन टांड़ में चार जंगली हाथियों ने गुरुवार की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे उत्पात मचाते हुए मटर आलू सरसो गेहूं लहसुन व दो पानी मशीन व 400 फीट फीता को तोड़ कर और फसलों को खाकर व रौंद कर बर्बाद कर दिया। जहां हाथियों ने फुलमनी देवी के आलू, सरसो व पानी फीता 400 फिट कृष्णा यादव के मटर गेंहू व सरसो सुदामा यादव का गेहूं लहसुन चरकु मुंडा के खलियान में रखे धानएबर्तन व ड्रम के फसल खाकर व रौंद कर बर्बाद कर दिया। वही सुधीर मुंडा व बिरसा उरांव के पानी मशीन को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं खेतों में रौंदे फसलों को देखकर किसान कराह रहे हैं। इधर जंगली हाथियों के चलते ग्रामीण भयभीत हैं। वे शाम होते ही अपने अपने घरों में दुबक जाने को विवश हैं।

22 जनवरी को होगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस की रहेगी पैनी नजर

ग्रामीण थानों में हुई शांति समिति की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

सोनाहातू/राहे। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस अवसर पर स्थानीय स्तर पर विधि व्यवस्था को बनाये रखने को लेकर सभी समुदायों की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक हुई। सोनाहातू थाना परिसर में इंस्पेक्टर रवीद्र नाथ सिंह, बीडीओ सह सीओ खगेश कुमार, थाना प्रभारी सतीश वर्णवाल ने सभी से आपसी भाईचारे के साथ शांत वातावरण में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को मनाने को कहा गया। बैठक में कहा गया कि असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जायेगी एवं सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी शेयर करने एवं असामाजिक भड़काऊ गाने बजाने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एसआई मुकेश यादव, एएसआई दलगोविंद महतो, एएसआई बीरेंद्र सिंह, तुलसी प्रसाद महतो, करम सिंह महतो, मुखिया विकास सिंह मुंडा, भरत महतो, सदानन्द महतो, जितेंद्र जयसवाल, आनंद कुमार, तपन कुमार तिवारी आदि मौजूद थे।

इटकी में दीपोत्सव के साथ होंगे अनुष्ठान

इटकी। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर इटकी प्रखंड क्षेत्र के मंदिरों मे दीपोत्सव सहित कई अनुष्ठान का आयोजन किया गया है। केंद्रीय हिंदू जागरण समिति व विश्व हिंदू परिषद इटकी शाखा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम के तहत 21 जनवरी को स्वामी जगन्नाथ मंदिर सहित प्रखंड क्षेत्र के मंदिर परिसरों की साफ.सफाई व साज सज्जा किया जाएगा और 22 जनवरी को मंदिरों में भजन कीर्तनए भंडारा और रात्रि दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। वही महतो टोली में 12 घंटे का अखंड हरि कीर्तनए स्थानीय देवी मंडप चौक व बनिया टोली महावीर चौक स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। उक्त जानकारी विहिप व हिन्दू जागरण समिति के प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण राम तिवारी ने दी। उन्होंने बताया इटकी प्रखंड क्षेत्र के इटकी गढ़गांवए मोरोए मल्टीए मकुंदाए दरहाटांड़ए तरगड़ीए भंडराए बारीडीहए कुंदी सहित अन्य गांव में भी दीप प्रज्वलित और भजन कीर्तन का आयोजन किया जाएगा।

ट्रक ड्राइवर की बेटी ने यूजीसी नेट में हासिल की सफलता

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। प्रखंड के महेशपुर ग्राम निवासी ट्रक ड्राइवर हरिहर नायक की पुत्री किरण कुमारी ने यूजीसी नेट में सफलता हासिल की है। एक गरीब अनुसूचित जाति परिवार की बेटी की इस सफलता से अनगड़ा के लोग काफी गौरवान्वित हैं। पिता ट्रक चालक हैं और मां मछली बेचकर अपनी बेटी को इस मुकाम तक पहुंचाने में कठिन तपस्या किए हैं। इस सफलता से उनके मां-बाप और परिवार के सदस्यों में काफी खुशी है। इस खुशी को रंग-गुलाल लगाकर मां-बाप और गांव परिवार के लोगों ने साझा किया। पूर्व विधायक रामकुमार पाहन शिक्षाविद और समाजसेवी डॉ रिझू नायक, डॉ अमर कुमार चौधरी, सिकंदर अंसारी, शिबु मुंडा, बीरेन्द्र सिंह भोक्ता, सुरेन्द्र महतो, नरेश साहू, बीर सिंह नायक, पूर्व उप प्रमुख अनवर खान, सौभाग्य मुंडा, पूर्व मुखिया रामनाथ मुंडा, जाकीर खान, बरतू मुंडा आदि ने उन्हें बधाई दी है।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा की खुशी मिल जुलकर मनायें

अनगड़ा। अयोध्या में 22 जनवरी को श्री राम जी की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर प्रखंड के विभिन्न मन्दिरों होने वाले पूजा अचर्ना को लेकर विभिन्न समुदायों के बीच आपस भाई चारा और सदभाव बनाए रखने को लेकर शुक्रवार को थाना परिसर अनगड़ा में अंचल पदाधिकारी अनगड़ा की अध्यक्षता में शान्ति समिति को बैठक हुयी। बैठक में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मिलजुल कर खुशी मनाने किसी तरह का भड़काउ नारा नहीं लगाने अथवा भड़काउ गीत नहीं बजाने तथा आपस में सदभाव कायम रखने का सदस्यों ने निर्णय लिया। सदस्यों ने कहा की अनगड़ा के अमन पसंद लोगों हर पर्व त्यौहार में आपसी भाईचारे का परिचय दिया है और पूरे जिले में यह प्रखंड अम्न का संदेश दिया है। बैठक में बीडीओ, दिलेश्वर कुमार, जैलेन्द्र कुमार, डॉ रिझू नायक, अब्दुल इमाम अन्सारी, रामकृष्ण चौधरी, रामपोदो महतो सिकन्दर अंसारी, वनमाली महतो, ज्योतिष महतो मौजूद थे।

एक नजर में

चट्टी नदी किनारे मेला समिति का वनभोज

खलारी। मैक्लुस्कीगंज के चट्टीनदी में डेगाडेगी मेला समिति की ओर से वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वनभोज कार्यक्रम में मुख्य रूप से खेल प्रेमी शेखर बोस बिहार बॉलीबाल संघ के अध्यक्ष आनंद शंकर राज हंस उपस्थित थे। वनभोज कार्यक्रम में बिहार बॉलीबाल संघ के अध्यक्ष ने उपस्थित गणमान्य व प्रबुद्ध जनों को संबोधित करते कहा कि वनभोज कार्यक्रम होने से मित्रता का भाव बढ़ता है। डेगाडेगी मेला समिति के वनभोज कार्यक्रम में डुमारो मुखिया सुनीता देवी लपरा मुखिया पुतुल देवी मायापुर मुखिया पुष्पा खलखो समाजसेवी सुरेंद्र नाथ पांडेय अनिल गंझूएरामभजन सिंह विद्यानंद सिंह रामविलास गोप भुनेश्वर प्रजापति महादेव राणा बिरजा उरांव हरेंद्र उरांव रामेश्वर भोगता आदि मौजूद थे।

बाइक के धक्के से बुजुर्ग महिला की मौत

अनगड़ा। थाना क्षेत्र के अनगड़ा हुंडरू फौल सड़क पर रामदगा गांव के पास गुरुवार की शाम करीब सात बजे एक बाईक चालक ने फूलको देवी नामक एक 70 वर्षीय बुढ़िया को धक्का मारने से बुढिया की मौके पर हीं मौत हो गयी जबकि बाईक चालक रितिक मंडल गम्भीर रूप से जख्मी हो गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार बुढ़िया रामदगा गांव की हीं रहने वाली थी और वह अपनी सिर पर लकड़ी का गठर ढो कर सड़क पार कर रही थी इसी बीच कुहासा होने के कारण बाईक चालक बुढिया को संभवतः सड़क पार करते हुए नही देख पाया और जोर दार धक्का मार दिया। बाईक चालक युवक अनगड़ा की से गेतलसूद अपना घर जा रहा था । घायल युवक का इलाज रिम्स में चल रहा है। जबकि बुढिया के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम हेतु रिम्स भेज दिया है।

उर्दू शिक्षक के पद को मरणशील करना अन्याय

मनातू में नौजवान कमेटी की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

बुढ़मू। शुक्रवार को मनातु गांव में नौजवान कमेटी बुढ़मू की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रमोशन नियमावली 2024 के संबंध में विचार विमर्श किया गया। बैठक के संबोधित करते हुए पंचायत समिति सदस्य अब्दुल गफ्फार अंसारी ने कहा कि प्रमोशन नियमावली 2024 में उर्दू सहायक शिक्षक के पद को मरणशील संवर्ग में रखकर अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय किया गया है। बताया कि 1999 में

बिहार सरकार ने वैसे प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय जहां उर्दू भाषि 10 या उससे अधिक नामांकित बच्चे है में उर्दू शिक्षक की बहाली करनी है। वर्तमान में झारखंड के 3712 उर्दू शिक्षक के पद रिक्त है। प्राथमिक शिक्षक नियुक्ति नियमावली 2012 के अनुसार सरकार उक्त रिक्त पदों को भरें। बैठक के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला जलाया और मुख्यमंत्री सहित संसदीय कार्य मंत्री आलमगिर आलम अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफिजुल हसन के खिलाफ नारेबाजी किया गया। मौके पर उमर अंसारी मेहरबान अंसारी इजहार अंसारी असारूल अंसारीए मो रफी मो जसीम इजराफिल अंसारीए महबूब आलम मो हसमुद्दीन रहीम अंसारी वाहिद अंसारी सहित अन्य मौजूद थे।

सांप्रदायिक सद्भाव बनाये रखना पुलिस की प्राथमिकता : थानेदार

रातू थाना में शांति समिति की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। थानेदार सपन महथा ने कहा कि अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले भगवान पुरषोत्तम श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर क्षेत्र में साम्प्रदायिक सद्भाव कायम रखना पुलिस की प्राथमिकता है। भाईचारे में खलल न पड़े, इसके लिये समिति की अहम भूमिका होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि खुशी अवश्य मनायी जाये, लेकिन दूसरे समुदाय की धार्मिक भावना आहत न हो। उन्होंने घरों में दीप जलाकर जश्न मनाये जाने की बात कही। श्री महथा ने बताया कि सड़कों पर जुलूस निकालना वर्जित है। उन्होंने उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई के संकेत भी दिये। वह थाने में आयोजित शांति समिति की बैठक में बोल रहे थे। अध्यक्षता प्रमुख संगीता तिर्की ने किया, जबकि संचालन जेएन पांडेय ने किया।

बैठक में लिया हिस्सा

उप प्रमुख रियाजुल अंसारी, डॉ विजय कुमार, राणा सिंह, शमीम मंसुरी, ज्योति भगत, मुन्नी, ममता चौहान, शिवपूजन साहू, राजकुमार, चूड़ामणि, असलम, कमरुल, नुरुल, हजारी, संजय साहू, बंधु महतो, कामेश्वर महतो, दिलबोधन, मिथलेश, राजकिशोर, रज्जब अली, राजेंद्र मिर्धा, प्रदीप, हरि साहू, रमेश महतो, फूलकुमारी, एसआई चमरा मिंज, एनपी यादव, सीएन उरांव, कुलेश्वर महतो, एएसआई संजय कुमार, धर्मेंद्र कुमार, मनोज कुमार व सुधीर कुमार आदि।

सुदेश महतो ने किया आधा दर्जन योजनाओं का शिलान्यास

सिकिदिरी। सिल्ली विधायक सुदेश महतो ने शुक्रवार को जोन्हा क्षेत्र में आधा दर्जन योजनाओं का शिलान्यास किया। विधायक ने 3ण्53 करोड़ रुपये की लागत से बननेवाले जोन्हा बाजारटाड़ से टाटी तक आठ किमी सड़क के सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया। मौके पर सुदेश महतो ने कहा कि क्षेत्र के विकास के साथ साथ लोगों के जीवन स्तर पर सुधार के लिए लगातार योजनाओं का क्रियान्वयन कराया जा रहा है। विकास के लिए एकजुटता व प्रतिबद्धता जरूरी है। इस दौरान मध्य विद्यालय सिंगारी में एक अतिरिक्त कमरा प्रावि बंधुआडीह में चहारदीवारी टाटी में पीसीसी सड़क सहित अन्य योजनाओं का शिलान्यास किया। मौके मुखिया विजय उरांव सुमित्रा देवी पंसस दिलीप बेदिया पारसनाथ उरांव मो रिजवान सीताराम साहू मौजदू थे।

महिला केंद्रीय अध्यक्ष बनने पर दमयंती मुंडा को दी गयी बधाई

खबर मन्त्र संवाददाता

बुंडू। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति ने तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के दमयंती मुण्डा को केन्द्रीय महिला मोर्चा की केन्द्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर क्षेत्र के सक्रिय कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए श्रीमती मुण्डा को बधाई दी है। बधाई देने वालों में रतन सिंह मुण्डा दुबराज सिंह महतो अनूप महतो भगीरथ सिंह मुंडा निरंजन महतो देवी सिंह पहानएसुधीर कुमार महतो रतन महतोए परमेश्वर महतोए उमेश कुमार महतोए विपिन महतोए समरेश महतोए श्रवण सिंह मुण्डाए शरद महतोए मधुसूदन सिंह मुण्डा सुदर्शन महतो सत्यनारायण सिंह मुण्डाए विष्णु लोहरा पूर्णचंद्र महतो दीपक पुरान सुनीता मुंडा मंटु गुप्ता बहादूर कसेरा अजीत कुमार महतो दुखू महतो हीरा लाल ठाकुर अनिल कुमार महतो शंकर महतोए कृष्णा महतो शिव लोहरा रविन्द्र महतो नरसिंह महतो नंदकिशोर मुंडा शिवराज सिंह अमित मंडल संजू कुमार गोपाल सिंह मुंडा दुबराज सिंह मुंडाए कीर्ति वास महतो हीरालाल दास मुकेश उरांव संजय सिंह मुंडा केदार महतो जगन्नाथ महतो सुदेश महतो दुर्गा चरण महतो आदि मुख्य रूप से शामिल हैं।

नगड़ी : आज दुर्गा मंदिर परिसर की होगी सफाई

पिस्कानगड़ी। रामनवमी पूजा केन्द्रीय समिति ने शुक्रवार प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के पावन बेला में नगडी प्रखंड राम मय होगा श्री रामनवमी पूजा केंद्रीय समिति महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिसमें मुख्य रूप से दुर्गा मंदिर परिसर के आस.पास के सभी मंदिरों को साफ.सफाई दिनांक 21 जनवरी दिन रविवार को प्रातः 08 बजे से 10 बजे तक किया जाएगा। साथ ही प्रखंड के सभी पूजा स्थलों की साफ.सफाई का आह्वान किया गया है।

महादानी मंदिर के मैदान का हुआ समतलीकरण

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उदासीनता और हजारों लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी अपेक्षित बेड़ो के ऐतिहासिक महादानी मैदान को बेड़ो के पूर्व उपप्रमुख सह सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार राय के प्रयासों के बाद मैदान को खेलने योग्य बनाया गया। इधर मैदान को खेलने योग्य बनते देख बच्चों के चेहरे खुशी से झलक उठे। इस दौरान मैदान में खेल खेल रहे बच्चों ने मैदान को खेलने योग्य बनाने को लेकर बेड़ो के पर्व उपप्रमुख सह सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार राय का आभार प्रकट किया। इस दौरान आसपास के ग्रामीणों ने कहा कि देखा जाए तो बेड़ो के एकमात्र ऐतिहासिक मैदान होने के बावजूद इस मैदान की ओर अभी तक ना ही किसी सांसद और ना ही किसी विधायक ने ज्यादा रुचि दिखाई हो। पूर्व में मैदान में स्टेडियम बने कई वर्ष बीत गए लेकिन अब तक मैदान में बच्चों के लिए शौचालय की व्यवस्था समेत कई मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो सकी।

दरिद्र नारायण की सेवा सबसे बड़ी सेवा

गरीबों को भोजन करा कर बांटा गया कंबल

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। बलदेव बगिचा ओरमांझी में शुक्रवार को मानव अधिकार संगठन के जिला अध्यक्ष बसंत करमाली द्वारा दरिद्र नारायण सेवा भोज कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे आसपास के गरीब व वृद्धों को भोजन कराने के साथ सभी को ठंड से बचने के लिए कंबल भी प्रदान किया गया। वहीं स्वादिष्ट व्यंजन व कंबल प्राप्त करने वाले गरीब व वृद्धों में संतुष्टि का भाव

दरिद्र नारायण की सेवा करते बसंत करमाली।

देखी गई। बसंत करमाली ने कहा आज के कार्यक्रम में 50 गरीब व वृद्ध पहुंचे थें। सभी को भोजन कराने के साथ इस कड़ाके की ठंड से बचने के लिए कंबल प्रदान किष गया। कहा द्ररिद्र नारयण की सेवा से बड़ी कोई सेवा नही है। गरीबों की सेवा करने से आत्म संतुष्टि मिलती है। साथ ही कहा आने वाले समय में जिन्हे कोई देख-भाल करने वाले नही हैं। वैसे गरीब व वृद्धों को गोद लेकर सेवा किया जाएगा। मौके पर शंकर उरांव, सुनील मुंडा, संदीप करमाली, सागर नायक, हरि करमाली, छोटु मुंडा व रवि लकड़ा सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

रातू : जरूरतमंदों के बीच बंटा कंबल

रातू। प्रखंड के उप प्रमुख रियाजुल अंसारी ने फुटकल टोली में एक सौ जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। हाड़ कांपती ठंढ़ से राहत मिलने पर लोगों ने खुशी का इजहार करते हुये श्री अंसारी के प्रति आभार जताया। मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
एक मिनीरत्न कम्पनी
(कोल इंडिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कम्पनी)

सूचना

"सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/ संबंधित अनुषंगी कंपनी (सीसीएल, www.centralcoalfields.in),सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,रामगढ
रामगढ़ थाना के सामने, थाना चौक/गांधी चौक,
रामगढ़ कैन्ट, जिला–रामगढ़, झारखण्ड– 829122,
ई-मेल–eercdramgarh-jhr@nic.in

"सूचना"

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पथ प्रमण्डल, रामगढ़ अन्तर्गत अति–अल्पकालीन निविदा अमंत्रण सूचना संख्या–06 वर्ष–2023–24 दिनांक–12.01.2024 का P.R No.-316066Road(23-24)#D द्वारा आमंत्रित निविदा को निम्न प्रकार संशोधित किया जाताहै:–

क्रमांक	विवरणी	पूर्व में आमंत्रित	संशोधन
1.	बिक्री की तिथि	24.01.2024	29.01.2024
2.	प्राप्ति की तिथि	25.01.2024	30.01.2024

शेष यथावत रहेंगे। कार्यपालक अभियंता,
PR 316536 Road(23-24).D पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,रामगढ़

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, जल पथ प्रमंडल सं0–2 हजारीबाग
Email Id- eewwdchak2-cer-jhr@nic.in

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 – 02/2023–2024 का शुद्धि–पत्र

Sl. No.	Name of Work	Estimated Cost (INR)	Earnest Money (INR)	Cost of BOQ (INR)	Completion period of Work
1	प्रखंड ईचाक अन्तर्गत ग्राम–चम्पानगर नावाडीह में आंगनबाड़ी केन्द्र से वरुण प्रजापति के घर होते हुए दयानंद उपाध्याय के घर तक पीसीसी पथ एवं आर0सी0सी0 नाली का निर्माण।	21,76,000	44,000	5000	2 Months
2	चुरचू प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम बड़की हरहद में कुलेश्वर महतो के धर से शमशान घाट तक पीसीसी पथ निर्माण।	19,87,400	40,000	5000	2 Months

1. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान तिथि एवं समय : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, जलपथ प्रमंडल सं0–2, हजारीबाग। दिनांक 29.01.2024 से 30.01.2024 अपराहन 4:00 बजे तक।
2. निविदा प्राप्ति की स्थान तिथि एवं समय : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, जलपथ प्रमंडल सं0–2, हजारीबाग। दिनांक 31.01.2024 पूर्वाहण 11:00 से अपराहन 3:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की स्थान तिथि एवं समय : दिनांक 31.01.2024 को अपराहण 3:30 बजे कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, जलपथ प्रमंडल सं0–2, हजारीबाग।
4. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं दूरभाष सं0– : कार्यपालक अभियंता, जलपथ प्रमंडल सं0–2, हजारीबाग। 7903709450
5. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है।
6. पूर्व में जारी विज्ञापन सं0– PR-316313 Water Resources (23-24)D को इस हद तक संशोधित समझा जाय।

नोट :– निविदा से संबंधित शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालय अवधि में सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
PR 316572 Water Resource(23-24)#D जलपथ प्रमंडल सं0–2, हजारीबाग

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग

संशोधित अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–16 वर्ष 2023–24

पी0आर0नं0– 316324 Drinking Water and Sanitation (23-24)#D दिनांक– 18.01.2024

1.	विभाग का नाम	:–	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, राँची।
2.	विज्ञापनदाता का नाम	:–	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल हजारीबाग।
3.	परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय	:–	दिनांक – 29.01.2024 अपराहन 5:00 बजे तक।
4.	निविदा प्राप्ति की तिथि	:–	दिनांक – 30.01.2024 अपराहन 3:00 बजे तक।
5.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:–	दिनांक – 30.01.2024 अपराहन 4.30 बजे।
6.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:–	कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग।
7.	निविदा प्राप्ति का स्थान	:–	1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग। 2) अधीक्षण अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, हजारीबाग।
8.	निविदा खोलने का स्थान	:–	कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग।
9.	कार्य की विस्तृत विवरणी	:–	

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की संख्या	ग्रुप संख्या	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Supplying labour, vehicle with fuel & lubricants with all tools & plants for the repair & maintenance of drilled tube wells in the rural areas of District-Hazaribag, different block in Sub Division No.-01; 02 & Barhi from Dt.-10.02.2024 to 31.05.2024 Under Drinking Water and Sanitation Division, Hazaribag for the year 2023-24 RM to DT- 1. (Major repair-60%):- 1008 Nos. @ Rs 752 Each 2. (Minor Repair-40%):-672 Nos. @ Rs 376 Each Total (1+2 – 100%):- 1680 Nos.	168 Nos (Major) 112 Nos (Minor) 280 Nos	RM/DT/04-A	2,09,315/-	4,500/-	500/-	Four Month
2		168 Nos (Major) 112 Nos (Minor) 280 Nos	RM/DT/04-B	2,09,315/-	4,500/-	500/-	Four Month
3		168 Nos (Major) 112 Nos (Minor) 280 Nos	RM/DT/05-A	2,09,315/-	4,500/-	500/-	Four Month
4		168 Nos (Major) 112 Nos (Minor) 280 Nos	RM/DT/05-B	2,09,315/-	4,500/-	500/-	Four Month
5		168 Nos (Major) 112 Nos (Minor) 280 Nos	RM/DT/06-A	2,09,315/-	4,500/-	500/-	Four Month
6		168 Nos (Major) 112 Nos (Minor) 280 Nos	RM/DT/06-B	2,09,315/-	4,500/-	500/-	Four Month

निविदा की शर्तें विभागीय वेबसाईट www.daa.jharkhand.gov.in एवं इस कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। इच्छुक एजेंसी परिमाण विपत्र वेबसाईट से डाउनलोड कर निविदा में भाग ले सकते है, परन्तु निविदा जमा करते समय परिमाण विपत्र का निर्धारित मूल्य का बैंक ड्राफ्ट तकनीकी बीड के साथ अनुलग्नित करेंगे, जो कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग के पदनाम से भुगतेय होगा।

कार्यपालक अभियन्ता,
PR 316485 Drinking Water and Sanitation (23-24)_D पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग

भिड़ें पाक-इरान

ईरान और पाकिस्तान दोनों के भिड़ जाने का मतलब है, ग्वादर में चीनी परियोजना का सत्यानाश। 7 जून, 2023 को चीन ने पहली बार पाकिस्तान-ईरान के साथ पेइचिंग में त्रिपक्षीय बैठक की थी। विषय दो मित्रों के बीच तनाव कम करना और आतंक विरोधी रणनीति पर अमल करना था। 16 मई, 2013 को चीन ने ग्वादर पोर्ट का नियंत्रण पाकिस्तान से अपने हाथों ले लिया था। यह चीन की महत्वाकांक्षी योजना रही है, लेकिन लोकल बलूच उसे नापसंद करते रहे। वर्ष 2022-23 तक चीन ने सीपीईसी प्रोजेक्ट पर जो 65 अरब डॉलर खर्च किये, उसका बड़ा हिस्सा ग्वादर पोर्ट पर लगा है। सिस्तान-बलूचिस्तान के जिस इलाके में पाकिस्तान ने हमला किया है, वह ग्वादर से लगभग 300 किलोमीटर की दूरी पर है। पाक विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि आज तड़के ही पाकिस्तानी फोर्स ने ईरान के सिस्तान ओ बलूचिस्तान प्रांत में कोह ए सब्ज स्थित आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया। हमने ऑपरेशन मार्ग बर समार्चार के तहत कई आतंकवादियों को मार गिराया है। ईरानी हदों में रहने वाले पाकिस्तानी मूल के आतंकवादी, स्वयं को समार्चार कहते हैं। समार्चार का मतलब होता है, नेतृत्व देने वाला कमांडर।मार्ग का अर्थ है, मौत। और बर का अर्थ है खिलाफ। पाकिस्तान ने उसी के हवाले से ऑपरेशन मार्ग बर समार्चार रखा था, जिसका आशय था, ईरान में रहने वाले पाकिस्तानी मूल के आतंकवादियों के नेता के खात्मे का अभियान। ईरान ने पाकिस्तान में हमला 16 जनवरी को किया था। पाकिस्तान ने भी पलटवार कर दी। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति दयनीय है इस स्थिति में पाकिस्तान को अधिक नुकसान होने की आशंका है। साथ ही दुनिया में अशांति फैलने का भी डर है। इसकी आशंका से शेयर बाजार का सूचकांक भी गिरावट झेल रहा है।

शिक्षा का गिरता स्तर

देश के सरकारी स्कूलों में 56 फीसदी किशोर गणित की सामान्य प्रक्रियाएं नहीं कर पाते। करीब 25 फीसदी छात्र क्षेत्रीय भाषा में कक्षा-दो का पाठ भी धाराप्रवाह ढंग से नहीं पढ़ पाते। करीब आधे छात्र यदि भाग व गुणा जैसी सामान्य गणितीय क्रियाएं नहीं कर पाते तो यह हमारे शैक्षिक ढांचे पर सवालिया निशान है। आखिर क्या वजह कि करीब 43 फीसदी छात्र अंग्रेजी के सामान्य वाक्य पढ़ने में असमर्थ हैं? बुधवार को जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट के निष्कर्ष निस्संदेह परेशान करने वाले हैं कि आने वाले भारत का भविष्य कैसा होगा? कालांतर जैसे-तैसे पढ़-लिखकर ये छात्र बेरोजगारों की संख्या बढ़ाने के अलावा और क्या कर सकते हैं? पहली बार देश के 26 राज्यों के 28 जिलों में किशोरों का सर्वेक्षण किया गया। बच्चों की गणित व अंग्रेजी की स्थिति देखकर साफ है कि प्राथमिक विद्यालय स्तर पर बच्चों की बुनियादी पढ़ाई और गणित की शिक्षा में तत्काल सुधार की आवश्यकता है। दरअसल, एएसईआर के इस सर्वेक्षण में 14 से 18 वर्ष के 34,745 छात्रों को शामिल किया गया था। बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश के दो ग्रामीण जिलों तथा शेष राज्यों के एक-एक ग्रामीण जिले को सर्वेक्षण में शामिल किया गया। हालांकि, अच्छी बात यह है कि 14 से 18 वर्ष के करीब 87 फीसदी बच्चे स्कूलों में नामांकित हैं। लेकिन उनमें से अधिकांश बुनियादी पढ़ने, गणित और अंग्रेजी ज्ञान में बुनियादी कौशल का प्रदर्शन नहीं करते हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि सर्वेक्षण में शामिल नब्बे फीसदी बच्चों के पास स्मार्टफोन हैं और उन्हें यह चलाना बखूबी आता है। सबसे परेशान करने वाला सवाल यह है कि क्यों 25 फीसदी छात्र अपनी क्षेत्रीय भाषा में कक्षा दो का पाठ भी धाराप्रवाह रूप से नहीं पढ़ सके। यह देश की शैक्षणिक विकास पर बड़ा सवाल है?

पीएम जनमन: जनजातीय समूहों के लिए एक आशा की किरण

जनजातीय सशक्तिकरण, गौरवशाली भारत के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने विगत दशक के कार्यकाल में जो उपलब्धियाँ हासिल की हैं, वे अतुलनीय हैं। आजादी के बाद सरकारें तो बदलती थीं पर उनके अजेंडे में अनुसूचित जनजातीय समाज दूर दूर तक कहीं नजर नहीं आता था। देश आगे बढ़ता गया और जनजातीय समाज वहीं का वहीं रह गया। जनजातीय समाज को राजनैतिक एवं सामाजिक ढ़ंग से सशक्त करना यदि किसी मायने में कोई कर पाया है तो वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चिंतन हमेशा ऐसी योजनाओं को धरातल पर लाने का होता है, जिनका मूलभूत उद्देश्य पिछड़े और अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति को न्याय, समानता और मौलिक अधिकार दिलाना हो। इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की जन्मभूमि से जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर महा अभियान प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) का शुभारम्भ किया। यह एक ऐसी परियोजना है जिसकी कभी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

हमारी सरकार ने देश के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के 23 हजार से ज्यादा गांवों में रह रहे ऐसे 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की पहचान की, जो आदिवासियों में भी सबसे पीछे रह गए आदिवासी हैं, जिन्हें आजादी के 75 साल बाद भी मूल सुविधाएं प्राप्त नहीं हुई हैं। ह्यपीएम जन मन के इस महान अभियान के द्वारा भारत सरकार इन समुदायों पर 24 हजार करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है। पीवीटीजी समुदाय अक्सर वन क्षेत्रों के सुदूर और दुर्गम बस्तियों में रहते हैं। पीएम जन मन अभियान को आरम्भ करते हुए प्रधानमंत्री जी ने कहा ह्यसरकारें पहले आंकड़ों को जोड़ने का काम करती थी लेकिन मैं आंकड़ों को नहीं बल्कि जिंदगी को जोड़ना चाहता हूँ। यह प्रधानमंत्री जी की जनजातीय समुदायों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री जी के संकल्प को गति देते हुए भारत मंडपम, दिल्ली में पीएम-जनमन के कार्यान्वयन के लिए विस्तृत कार्य योजना को अंतिम रूप देने के लिए मंथन शिविर का आयोजन कर योजना के क्रियान्वयन एवं रोड मैप पर चर्चा की गई।

- अर्जुन मुंडा

> यह संयुक्त पहल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, मेघालय और झारखंड में 60 वन धन विकास केंद्रों को लक्षित करते हुए एक अग्रणी पायलट परियोजना शुरू करने के लिए तैयार है। ये केंद्र विशेष रूप से अति पिछड़े जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) सहित स्थानीय जनजातीय समुदायों को हल्दी जैसे उत्पादों के मूल्य को बढ़ाने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिससे बेहतर पारिश्रमिक हासिल किया जा सकेगा।

जनजातीय मंत्रालय ने पीएम-जनमन के तहत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिवस ह्यसुशासन दिवसह्ण के अवसर पर 25 दिसंबर से देश के जनजातीय बाहुल्य जिलों में पीवीटीजी परिवारों तक पहुंचने के उद्देश्य से, सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) अभियान की शुरूआत की है।

पिछले तीन सप्ताह में मंत्रालय द्वारा 100 से अधिक जिलों में 8000 से अधिक कैंप लगाए गए, जिनमें आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, जनधन खाते आदि खोले जा रहे हैं, ताकि उन्हें आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना जैसी योजनाओं से वंचित लोगों को इसका लाभ मिल सके। विभिन्न मंत्रालयों द्वारा विगत 2 माह में पीएम जनमन के तहत 4700 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गयी हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 1 लाख लाभार्थियों को पक्के घर और 400 से अधिक पीवीटीजी बाहुल्य बसाहटो में 1200 किलोमीटर सड़के बनाने की स्वीकृति दे दी गई है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा 100 छात्रावास, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 916 आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 100 मोबाइल मेडिकल यूनिट, जनजातीय मंत्रालय द्वारा 450 मल्टीपर्पज सेंटर और 405 वनधन केंद्र, विद्युत मंत्रालय द्वारा 6500 से ज्यादा टोलो में 70000 से ज्यादा घरों में बिजली की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत भी हर घर नल पहुंचाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है।

जनजातीय समुदायों के उत्थान के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल में, ट्राइफेड ने फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी), एग्री बिजनेस, पेपरबोर्ड और पैकेजिंग में विशेषज्ञता रखने वाले एक प्रमुख भारतीय समूह आईटीसी के साथ एक रणनीतिक साझेदारी बनाई है। यह सहयोग न केवल जनजातीय समूहों की आर्थिक समृद्धि को बढ़ाने बल्कि घरेलू और वैश्विक स्तर पर उनके उत्पादों की बाजार पहुंच का विस्तार करने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

यह संयुक्त पहल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, मेघालय और झारखंड में 60 वन धन विकास केंद्रों को लक्षित करते हुए एक अग्रणी पायलट परियोजना शुरू करने के लिए तैयार है। ये केंद्र विशेष रूप से अति पिछड़े जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) सहित स्थानीय जनजातीय समुदायों को हल्दी जैसे उत्पादों के मूल्य को बढ़ाने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिससे बेहतर पारिश्रमिक हासिल किया जा सकेगा।

वन धन विकास केंद्रों में अपनी व्यापक भागीदारी के साथ, कच्ची जैविक हल्दी की खरीद के लिए 15,000 से अधिक आदिवासियों के एकत्रीकरण की सुविधा प्रदान करने के लिए ट्राइफेड अग्रसर है। ट्राइफेड जैविक प्रमाणीकरण और ई-कॉमर्स प्रयासों के लिए वित्त पोषण का नेतृत्व करेगा, जबकि आईटीसी अपने स्थापित ग्राहक नेटवर्क के भीतर जैविक हल्दी को एक उप-ब्रांड के रूप में एकीकृत करेगा।

बेहतर आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने की एक अन्य पहल में, ट्राइफेड हंगरी, घाना, हांगकांग, साइप्रस, बांग्लादेश, नेपाल, ऑस्ट्रिया, वियतनाम, मॉरीशस, पोलैंड, लुसाका, संयुक्त अरब अमीरात और सेशेल्स में भारतीय दूतावासों को 10-15 पीवीटीजी उत्पादों की एक खेप भेज रहा है। क्यूआर कोड के साथ उत्पादों को विदेशों में इन भारतीय दूतावासों और मिशनों में प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विपणन मंच तैयार होगा। क्यूआर कोड को स्कैन करने पर, ग्राहकों को ट्राइफेड के समर्पित निर्यात पोर्टल, पर निर्देशित किया जाएगा। (केन्द्रीय जनजातिय कल्याण एवं कृषि मंत्री भारत सरकार)

खास बात

जन कवि खीरुराम विद्रोही पर विशेष

मनोज पाण्डेय

राज्य भर में जन कवि के नाम से चर्चित खीरुराम विद्रोही किसानों और मजदूरों की आवाज थे। रेलवे से रिटायर्ड और मस्ती में जीवन व्यतीत करनेवाले जन कवि खीरुराम विद्रोही की सैकड़ो कविताएं आज तक प्रकाशित नहीं हो सकीं। सामाजिक व्यवस्था हो, राजनीतिक व्यवस्था या फिर प्रशासनिक इनके खिलाफ अपनी कविताओं से आवाज बुलंद करते रहे। किसानों की बेवसी, मजदूरों की पीड़ा और व्यवस्था से त्रस्त आम आवाम के दर्द को अपनी रचनाओं में उन्होंने स्थान दिया। किसानों की दशा को बयां करती उनके कविता की चंद पंक्तियां लोगों को सोचने पर विवश कर देती हैं। वे किसानों से पूछते हैं-

मैं तुमसे पूछूं एक सवाल
क्यों है तेरा हाल बेहाल ?
क्यों पेट तुम्हारे सटे हुए,
क्यों पिचके-पिचके तेरे गाल ?
तेरे ही परिश्रम से खेतों में अन्न मुसकाते हैं,
तेरे ही परिश्रम से करोड़ो जीवन पाते हैं,
तुम हो दुनिया के अन्नदाता,
और तुम्हीं हाथ फैलाते हो !

तो दूसरी ओर गरीबी का दंश झेलनेवालों की पीड़ा को भी उन्होंने आवाज दी है। उन माताओं के दर्द को बयां किया हैं जिनके स्तन में बच्चे के लिए दूध नहीं उतरता। बच्चा रो-रोकर सो जाता है। खीरुराम कहते हैं कि-

माटी का घर मरघट जैसा, सूना-सूना आंगन है,
यहां बरसते निस दिन नैना, यहां रोज ही सावन है।
अभी-अभी सावन बरसा था, नन्हें शिशु की आंखों से,
रोते-रोते सो गया वह, दिन-रात के फांकों से।
दूध नहीं मां के स्तन में, केवल भींगा दामन है,
यहां बरसते निस दिन नैना, यहां रोज ही सावन है।।

किसानों-मजदूरों के हितैसी और सामाजिक समरसता का पैगाम देनेवाले खीरुराम विद्रोही ने 13 जनवरी को दुनिया को अलविदा कह दिया।

संधि प्रस्ताव

धर्म-प्रवाह

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

कलियुग है क्यों नहीं मैं भक्ति का मार्ग खोल दूं कि आदमी समर्पण करके भी आदमी मुक्ति की प्राप्ति करे, ज्ञान की प्राप्ति करे और वह ज्यादा पक्का हो। ये तो ज्ञान का साधन कर छपरा में ही ज्ञान प्राप्त कर लिये थे। यही भवसागर का पुल है।

सुन रावन परिहरि चतुराई। भजसि न कृपासिंधु रघुराई।। जो खल भएसि राम कर द्रोही। ब्रह्म रुद्र सक राखि न तोही। लंका चारो ओर से समुद्र से धिरी हुई जगह थी उसके सुनहरे महल एवं गुबंद दूर से ही चमक रहे थे। अनेक खंभा रत्नजड़ित एवं सोने-चांदी के बने हुए थे। धन-धान्य से भरपूर लंका दिखायी दे रही थी। वहां उन्होंने अपनी सेना का शिविर डाल दिया।

भगवान राम ने सोचना कि मैं अचानक आक्रमण कर दूं यह उचित नहीं है। रावण को संधि का मौका दिया जाना चाहिए। अतः उन्होंने संधि का प्रस्ताव बालीकुमार अंगद के द्वारा रावण के दरबार में भेज दिया। वे जानते थे कि बालीकुमार अंगद राज में रहे हुए है और राज के नीति नियमों से अच्छी तरह परिचित हैं। इतना ही नहीं वे जानते थे कि एक समय बाली ने रावण से मित्रता कायम कर ली थी। इस तरह उन्होंने अंगद को आज्ञा दिया आप मेरी ओर से प्रस्ताव लेकर संधि कीजिए। बालीकुमार अंगद जब लंका में चले जारह थे तब रास्ते में निशाचरों का दल मिल जात था। अगर कुछ कहता था तो बात बढ़ जाती थी अंगद बगैर मारे छोड़ते नहीं थे। ऐसे में रावणका पुत्र भी मिल गया था।

(ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम)

आपके ट्वीट

गुजरात के वडोदरा में नाव पलटने से 12 बच्चों और 2 शिक्षकों की डूबने की खबर हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

– सुदेश महतो, आजसू

असम में ब्रह्मपुत्र नदी में नाव की यात्रा कर श्री श्री औनियाती सत्र के दर्शन के लिए पहुंचा। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध, शंकर देव जी की भूमि, असम हमें सभी को साथ लेकर चलने का जीवन दर्शन सिखाती है। पाकर संतोष प्राप्त हुआ।

– राहुल गांधी, सांसद कांग्रेस

उत्सुक अंखियां रहीं निहार
मेरे राम हैं रहे पधार!!
श्रीरामलला के विग्रह क प्राण प्रतिष्ठा में मात्र 3 दिन शेष...
जय जय श्रीराम!!

– अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय मंत्री

कॉर्टून वर्ल्ड

मैं सुन सकता हूं ?

पृथ्वी का रिकार्ड गर्म होना कितना खतरनाक ?

सत्यनारायण गुप्ता

तापमान से जुड़े अब तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 अब तक का सबसे गर्म साल रहा है। 2023 ने पृथ्वी के लगातार 6 माह तक गर्मी का नया रिकॉर्ड बनाया। उत्तरी गोलार्ध में इस साल सबसे गर्म पतझड़ रहा है ।ब्रिटेन में मौसम कार्यालय और ईस्ट इंग्लिया विश्वविद्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वैश्विक स्तर पर 1850 से लेकर अब तक के दर्ज रिकार्ड में 2023 सबसे गर्म वर्ष रहा। यह लगातार दसवां वर्ष है जब वैश्विक तापमान सामान्य से एक डिग्री या उससे अधिक रहा है।

पिछले साल ग्लोबल वार्मिंग के अलावा अल नीनो प्रभाव ने भी तापमान वृद्धि में अपना योगदान दिया है ।एल नीनो उष्णकटिबंधीय प्रशांत क्षेत्र में जलवायु परिवर्तनशीलता के एक पैटर्न का हिस्सा है जो वैश्विक वातावरण में गरमी प्रदान करता है। जिससे वार्षिक तापमान में अस्थाई रूप से 0.2 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होती है। यह लाल नीना के विपरीत है जिसने 2021- 2022 में वैश्विक तापमान को दबा दिया था ।इससे पहले 1998 वैश्विक तापमान के लिए एक रिकॉर्ड वाला वर्ष था?। लेकिन पिछले साल का वैश्विक तापमान 1998 की तुलना में दशमलव .5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इसका अर्थ है कि पृथ्वी प्रति दशक औसतन .2 डिग्री सेल्सियस गर्म हो रहा है। 1980 के दशक के बाद से प्रत्येक दशक पिछले दशक की तुलना में अधिक गर्म रहा है ।

बढ़ते तापमान ने 2023 में

पर्यावरण

दुनिया में बड़ी संख्या में अप्रत्याशित मौसम की घटनाओं में योगदान दिया। जिनमें लू, बाढ़ ,सुखा और जंगल की आग शामिल हैं ।कनाडा में सबसे विनाशकारी जंगल की आग देखने को मिला जिसमें 45 मिलियन एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला जंगल जल गया। भूमध्य सागर, मेक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन, हिंद महासागर, उत्तरी प्रशांत और उत्तरी अटलांटिक के अधिकांश हिस्सों में समुद्र में गर्म समुद्री लहरें उठीं। एक अनुमान के अनुसार प्राकृतिक आपदाओं के कारण 2023 में दुनिया भर में लगभग 250 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

जुलाई के अंत में पूर्वोत्तर चीन को तूफान डॉक्सुरी के कारण गंभीर वर्षा और बाढ़ का सामना करना पड़ा ।केवल 83 घंटे में वार्षिक औसत की 60% से अधिक वर्षा हुई। अगस्त -सितंबर में भी चीन में भारी वर्षा हुई। पूर्वी लीबिया को सितंबर के सप्ताहांत में भूमध्य सागरीय तूफान डेनियल के प्रकोप का सामना पड़ा करना पड़ा इससे विनाशकारी बाढ़ आई। बांध टूट गए और कई तटीय शहरों के पूरे पड़ोस नष्ट हो गए। इसके परिणाम स्वरुप 4500 से अधिक लोगों की जान चली गई । अक्टूबर में तूफान ऑफिस ने मेक्सिको कैसे प्रशांत तट पर 10 खड़ी जो देश के सबसे भयानक तूफानों में से एक था।

अपने अपने देश की बात करें तो जहां हिमाचल में बादल फटने की घटनाएं और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई। चेन्नई में बाढ़ की स्थिति रही तो उत्तराखंड और कश्मीर के गुलमर्ग जैसे इलाके सर्दी में भी बर्फबारी के लिए तरसते हुए दिखे।

अधिक गर्मी के पीछे के मुख्य कारण वनों का तेजी से सफाई और वातावरण में बढ़ती ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन है?। कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन जैसी ग्रीनहाउस गैस तथा जल वाष्प अंतरिक्ष में वापस जा रही सूर्य की ऊर्जा को पृथ्वी के वायुमंडल में ही रोक लेते हैं। जिससे तापमान में वृद्धि होती है औद्योगिक क्रांति के बाद से कोयला ,तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधन जलने जैसी मानवीय गतिविधियों ने काफी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन किया है।

लेटर टू एडीटर

चीन के जाल में

मालदीव के राष्ट्रपति ने मोदी के लिए अपमानजनक टिप्पणी करने वाले अपने पहले तीन मंत्रियों को निलंबित कर दिया था। फिर अपनी चीन यात्रा के बाद चेतावनी देते हुए भारतीय सेना को मार्च तक हटा लेने को कहा। अंततः मालदीव को चीन अपने कुटिलता के जाल में फंसाने में कामयाब हुआ। वह मालदीव को ब्याज पर कर्ज देकर आर्थिक रूप से कंगाल बनाकर उसे हड़पने की कोशिश करेगा। **– रवि, रांची**

धर्मविहीन राजनीति

आज वाकई देश में धर्मविहीन राजनीति की बड़ी जरूरत है। राजनेता धर्म की आड़ लेकर जनता को उल्लू बनाकर अपना मतलब सिद्ध करते रहे हैं। ऐसे में समाज में वैमनस्यता पैदा होना स्वाभाविक ही है। राम मंदिर को लेकर जिस तरह के सकारात्मक माहौल की जरूरत थी वह खुद ब खुद बनने लगा है। मंदिर को शंकराचार्यो तक की सीमित करना चाहिए।

–अमृतलाल मारू, रांची

देश के बच्चों के शक्ति और सूझ-बूझ का सम्मान

आर.के. सिन्हा

देश उनके साहस, सूझबूझ और शौर्य के लिए सम्मानित कर रहा होता है। वे जब राष्ट्रपति जी को सलामी देते हुए आगे बढ़ते हैं, तो कर्तव्यपथ (पहले राजपथ) में उपस्थित जनसमूह उनका हर्षध्वनि से स्वागत करता है। गणतंत्र दिवस परेड का 1959 से हिस्सा हैं बालवीर पुरस्कार विजेता। यह कुछ साल से खुली जीप में निकलने लगे हैं। हालांकि लंबे समय तक यह हाथियों पर सवार होते थे। पर मेनका गांधी के विरोध के बाद इन्हें हाथियों पर बैठाने की परंपरा को रोक दिया गया।

बालवीर गणतंत्र दिवस परेड से दस दिन पहले राजधानी में आकर परेड की रिहर्सल में शामिल होते हैं। इसके अलावा, यह दोपहर और शाम को कभी राष्ट्रपति कभी, प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री, कभी दिल्ली के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल, वायुसेना, नौसेना और थलसेनाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों से मिलते हैं। कभी लाल किला, पुराना किला, कुतुब मीनार, हुमायूं का मकबरा जैसी ऐतिहासिक इमारतें और कभी फन एंड फूड विलेज जैसे मनोरंजक स्थल घूमते हैं। इन्हें राजधानी के फन एंड फूड विलेज के संस्थापक और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथी सरदार सेवा सिंह नामधारी बहुत सारे उपहार देते थे। उनके ना रहने के बाद भी बालवीरों का वहां सम्मानित किया जाता है।

पराक्रम

हमें पुरस्कार सांकेतिक रूप से नहीं देने चाहिए। ईमानदार कोशिश होनी चाहिए ताकि बालवीरों को बेहतर शिक्षा के अवसर मिले। आमतौर पर इनका संबंध देश के सुदूर इलाकों में रहने वाले निर्धन परिवारों से ही होता है। इन्हें हर संभव प्रोत्साहन की दरकार होती है। यह सब देश के नौनिहाल होते हैं। इनके प्रति ठंडा रुख रखना गलत है। अब तक विभिन्न राज्यों से करीब एक हजार से भी अधिक बच्चों को राष्ट्रीय बाल वीरता पुरस्कार प्रदान किया जा चुका है। वर्ष 2018 के बाद से भारत सरकार का बाल विकास मंत्रालय स्वयं इन बच्चों का चयन करता है अब यह राष्ट्रीय पुरस्कार वीरता श्रेणी के अतिरिक्त खेल, मनोरंजन, विज्ञान अनुसंधान, आदि अन्य अनेक श्रेणियों में भी बाल प्रतिभाओं को दिए जाने लगे हैं।

अब देश में कितने लोगों को याद है कि पहला बालवीर पुरस्कार हरीश मेहरा नाम के बालक को मिला था। अब हरीश मेहरा करीब 80 साल के बुजुर्ग हो गए हैं। वे दिल्ली में ही रहते हैं। उन्होंने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को एक बड़े हादसे का शिकार होने से बचाया था। वह तारीख थी दो अक्टूबर,1957। स्थान था दिल्ली का रामलीला मैदान। शाम के सात बजे थे। उस दिन हरीश मेहरा राजधानी के रामलीला मैदान में चल रहे एक कार्यक्रम के दौरान वालंटियर की ड्यूटी दे रहे थे। वीआईपी मेहमानों के लिए आरक्षित कुर्सियों पर पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, के बाबू जगजीवन राम वगैरह भी उपस्थित थे। तब ही उस शामियाने के ऊपर तेजी से आग की लपटें फैलने लगीं जिधर तमाम नामवर हस्तियां बैठीं थीं।

वे तुरंत 20 फीट ऊंचे खंभे के सहारे उस जगह पर चढ़ने लगे जिधर आग लगी थी। उनके पास स्काउट का चाकू भी था। जिधर से आग फैल रही थी, वहां पर पहुंचकर उन्होंने उस बिजली के तार को अपने चाकू से काट डाला। इस सारी प्रक्रिया को अंजाम देने में मात्र पांच मिनट का वक्त लगा। सभी लोग बच गये।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

कोल माइंस वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष बने सोमरा मुंडा और नायक सचिव

भुरकुंडा (रामगढ़)। कोल माइंस वर्कर्स यूनियन भुरकुंडा कोलियरी शाखा कमेटी गठन को लेकर शुक्रवार को नीचे धौड़ा में बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से पदाधिकारी का चुनाव किया गया। कमेटी में अध्यक्ष सोमरा मुंडा, उपाध्यक्ष विजय दुबे व अमूल्य एक्का, सचिव नारायण नायक, सह सचिव राधिका देवी एवं मधु बावरी, संगठन सचिव श्याम महतो एवं नकुल प्रसाद को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं कार्यकारिणी सदस्यो में जागेश्वर नायक, टिंकू नायक, नारायण करमाली, पुष्पा देवी, रेखा देवी, सविता देवी, सुलेखा देवी, सावंती देवी, सोनू करमाली, राजेश करमाली, दिनेश तुरी, राधा देवी, प्रियंका देवी, ममता देवी, गुड़िया देवी, ललिता देवी आदि शामिल हैं। वहीं राहुल सिंह एवं सुमित कुमार को भुरकुंडा कोलियरी कोल माइंस वर्कर्स यूनियन शाखा का कार्यकारी अध्यक्ष, राहुल सिंह एवं सुमित कुमार को संगठन सचिव बनाया गया। सभी चयनित पदाधिकारियों को स्वागत करते हुए यूनियन के क्षेत्रीय सचिव डॉ आशीष कुमार ने कहा कि मुझे पूरा उम्मीद है की आपसभी अपने दायित्वों को ईमानदारी पूर्वक निभाते हुए भुरकुंडा शाखा को और बुलंदियों तक ले जायेंगे।

गोला : सेनेटरी दुकान में आग से लाखों रुपये का सामान जला

गोला। रामगढ़- बोकारो मुख्य मार्ग के मठवाटांड़ के पास गुरुवार देर रात सहारा सेनेटरी दुकान में आग से सभी सामान जलकर राख हो गया। आग से लगभग 60 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति नुकसान होने का अनुमान है। दुकान कामता बरवाटांड़ निवासी अमित कुमार का है। बैंक से भी लाखों रुपए का लोन लिया था। साथ ही घर की जमा पूंजी भी लगाई थी, जो सब आग लगने से बर्बाद हो गया। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। कुछ लोग इसे बिजली शॉर्ट सर्किट तो कुछ लोग इसे साजिश बता रहे हैं। बताया जाता है कि दुकानदार गुरुवार की रात 10:00 बजे के करीब दुकान को बंद कर घर चल गया। अहले सुबह 5:00 बजे के बीच उसे दुकान में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना पाकर प्रशासन व स्थानीय लोग भी पहुंचे और आग को बुझाने में मदद की लेकिन तब तक दुकान में रखें सभी सामान जलकर राख हो चुके थे। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस घटना के कारण की जांच कर रही है।

पूजा को राज्यपाल ने किया सम्मानित

रामगढ़। सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में रामगढ़ चट्टी बाजार निवासी पूजा कुमारी राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया । पूजा एमबीए में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर अपने बैच की टॉपर बनी थीं। विनोद कुमार पंकज की बेटी है पूजा । सम्मानित किये जाने पर अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यख महावीर अग्रवाल, प्रमंडलीय सचिव विमल बुधिया, सचिव प्रकाश पटवारी, कोषाध्यक्ष मानिक चंद जैन, उपाध्यक्ष विनय अग्रवाल, हरीश चौधरी, महेश अग्रवाल, विष्णु पोद्दार,उमेश राजगढ़िया, अनिल गोयल सहित कई लोगों ने बधाई दी है।

लोकसभा चुनाव को ले दी गयी ट्रेनिंग

रामगढ़। लोकसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को जिला समाहरणालय के ब्लॉक बी स्थित सभा कक्ष में असेंबली लेवल मास्टर ट्रेनर्स को दी गई ट्रेनिंग। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स के रूप में चयनित उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीता टोप्पो, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक तिर्की, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी बीरेंद्र प्रसाद, राज्य कर पदाधिकारी रामगढ़, प्रखंड विकास पदाधिकारी पतरातू मनोज कुमार गुप्ता द्वारा असेंबली लेवल मास्टर ट्रेनर्स को जिला निर्वाचन प्रबंधन योजना, वल्नरेबलिटी मैपिंग, पोलिंग पार्ट, पॉल डे अरेंजमेंट, मतदान प्रक्रिया, मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट, एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग, मीडिया कंप्लेंट्स, एमसीएमसी एवं पेड न्यूज आदि से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान असेंबली लेवल मास्टर ट्रेनर्स की दुविधाओं को भी दूर किया गया।

रामवि में दौड़ प्रतियोगिता आयोजित

भुरकुंडा (रामगढ़)। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत सयाल उत्तरी पंचायत के राजकीय मध्य विद्यालय सयाल में शुक्रवार को नमामि गंगे योजना के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया आशा देवी ने की। दौड़ में बेहतर प्रदर्शन करते हुए मालिश कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि विकास हेम्ब्रोम द्वितीय व श्लोक कुमार तृतीय स्थान प्राप्त कर सफल प्रतिभागी घोषित हुए। सफल प्रतिभागियों को स्थानीय मुखिया आशा देवी ने नमामि गंगे का मेडल पहनाकर सम्मानित किया। मौके पर मुखिया आशा देवी ने बताया कि नमामि गंगे योजना के अंतर्गत अपने ग्राम पंचायत के नदियों, तालाब, नालो, झरनों और जलाशयों को पूरी तरह से साफ-सफाई करके स्वच्छ रखने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें सभी की सहभागिता जरूरी है। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व मुखिया सह झामुमो नेता सत्येन्द्र यादव, प्रधानाध्यापक श्रीकांत प्रसाद, वार्ड सदस्य संगीता देवी, सीता देवी, कांति कुमारी, शिक्षिका तमन्ना परवीन, रेखा कुमारी, कुमकुम, कामिनी, अनिता सिन्हा, पप्पू यादव आदि का विशेष योगदान रहा।

राज्यपाल ने विनोबा भावे विश्विद्यालय में जनजातीय अध्ययन केंद्र का किया उद्घाटन, कहा

शोध का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा

खबर मन्त्र संवाददाता

सफलता के लिए निरंतर रेस में बने रहें, सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ें : सीपी राधाकृष्णन

हजारीबाग। जनजातीय समाज की अपनी जीवनशैली तथा इनके दर्शन सबसे अलग होते हैं। इनके जीवन से आधुनिक समाज काफी कुछ सीख सकता है। इसी सोच के साथ राज्य का पहला जनजातिय अध्ययन केन्द्र का शुभारंभ किया गया है। यह केन्द्र जनजातिय जीवन से संबंधित अध्ययन एवं शोध का महत्वपूर्ण केन्द्र बनेगा। उक्त बातें राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने विनोबा भावे विश्विद्यालय परिसर में जनजातिय अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन के मौके पर कही। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज को सशक्त करने के लिए शिक्षा के स्तर पर अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा। साथ ही इन समुदायों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए इनकी महान सांस्कृतिक विरासत, व्यक्तित्व, महापुरूषों की जीवनी को सामने लाने की जरूरत है ताकि आने वाली पीढ़ी इनसे प्रेरणा ले सके। उन्होंने इस क्रम में भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, जतरा टाना-भगत आदि महापुरूषों का उदाहरण दिया। साथ ही कहा कि सरकारें जनजातिय समुदाय के बच्चों के सशक्तिकरण एवं उनको प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए एकलव्य विद्यालय संचालित करना एक सराहनीय कदम है। महापुरूषों के सम्मान में जनजातिय गौरव दिवस का आयोजन करना सरकार की संवेदनशीलता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने जनजातिय दर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि यह समाज प्रकृति पूजक हैं, प्रकृति के संरक्षण संवर्द्धन का संदेश इन्हीं एकमात्र समाज से मिलता है। यहां दहेजप्रथा नहीं है। महिला एवं पुरूषों में भेदभाव भी दिखाई नहीं देती है, जिन्हें अन्य समाज भी सीख ले सकते हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की कि सफलता के लिए निरंतर रेस में बने रहें, सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ें।

नशापान से बचे जनजातिय समाज : उन्होंने जनजातिय समाज से अपील की कि नशापान के बुराई से बचें, शराब न केवल आर्थिक विपन्नता की वजह वरण स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक है उन्होंने जनजातिय समाज को सरकार की योजनाओं से जुड़ने एवं उसका लाभ लेने की अपील की।

इस अवसर पर सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि जिले में जनजातिय अध्ययन केन्द्र का शुभारंभ गर्व का विषय है। उन्होंनें केन्द्र के स्थापना में राज्य सरकार, जिला प्रशासन, विश्वविद्यालय प्रशासन एवं सांसदों के योगदान एवं अंशदान के लिए अभार जताते हुए कहा कि इस तरह का राज्य का पहला संस्थान है जिसका योजनाबद्ध तरीके से संचालित करना, संसाधनों से युक्त करना हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेवारी है। उन्होंने इस संदर्भ में भविष्य की कार्ययोजना बताते हुए कहा कि यहां जनजातिय संग्राहालय बनाया जाएगा। सदर विधायक मनीष जायसवाल ने कहा इस केन्द्र के माध्यम से जनजातिय समुदाय के अतित को संजाने एवं भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इससे पूर्व राज्यपाल ने प्रांगण स्थित विनोबा भावे की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही आठ करोड़ की लागत से निर्मित जनजातिय अध्ययनकेन्द्र का अतिथियों के द्वारा नारियल फोड़ कर एवं फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया गया। मौके पर महामहिम का परम्परागत तरीके से स्वागत किया गया, राष्ट्रगान एवं दीप प्रज्जवलन का कार्य भी किया गया। इस अवसर पर डीआईजी, कुलपति, उपायुक्त, एसपी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

कंपनी से मदद दिलाने के आश्वासन पर हटा जाम

बरही में ग्रामीणों ने एनएच-2 को किया जाम

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। थाना क्षेत्र अंतर्गत धमना लश्करी मोड़ के नजदीक चंदवारा जामुखांडी के रहने वाले कुलेश्वर रविदास व उरवां निवासी प्रकाश रविदास का निधन शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिवार से मिले और उन्हें ढाढस बंधाया। वहीं ग्रामीणों ने एनएच-02 जाम कर दिया। काफी देर तक सड़क जाम रहने की सूचना मिलने के पश्चात पूर्व विधायक श्री यादव शोकाकुल परिवार के साथ खड़े रहे। इसके अलावा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी परिजनों को समझाने का पूरा प्रयास किया। जिसमें भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, जेबीकेएसएस प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्णा यादव, बरही पूर्वी मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर शामिल रहे। अंततः सड़क निर्माण करा रही कम्पनी की ओर से उचित मुआवजा दिलाकर पीड़ित परिवार को राहत पहुंचाने का काम किया गया। इधर पोस्टमार्टम करवाने में हो रही परेशानी को देखते हुए विधायक उमाशंकर अकेला हजारीबाग पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर वहां की व्यवस्था देखकर सिविल सर्जन पर काफी नाराज हुए।

विधायक के पहल पर तत्काल दोनों शव का अंत्यपरीक्षण कराया गया। मौके पर प्रशासन की ओर से एसडीपीओ नाजिर अख्तर, सीओ रामनारायन खलखो, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, उरवां मुखिया मनोज पासवान, कैलाश यादव, युवा नेता मनितोष यादव, लक्ष्मण अम्बेडकर सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

जेबीकेएसएस के संगठन मंत्री बने राकेश मेहता

बड़कागांव। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो के द्वारा राकेश मेहता को केन्द्रीय संगठन मंत्री बनाया गया। राकेश मेहता ने कहा कि केंद्रीय अध्यक्ष द्वारा जो जिम्मेवारी दी गई है उसे ईमानदारी पूर्वक निभाने का कोशिश करूंगा। इसे लेकर जेबीकेएसएस के सदस्यों द्वारा आभार प्रकट कर बधाई दी गई। जिसमें सोनू इराकी, मिथलेश दांगी,लेखक बिपिन कुमार, अनिता कुशवाहा,सत्यम साव,बबिता देवी, विवेक सोनी, विकाश शर्मा,सुनील कुमार,जयदीप पटेल,बबलु मेहता, सफदर हुसैन,जितेंद्र कुमार,अवध किशोर कुशवाहा,शत्रुधन मोर्या, अविनाश आहुजा,दशरथ यादव, देवलाल कुमार,प्रमोद कुमार, जनीसार आलम,निशु कुमारी,कपिल कुमार,गंगाधर साव,योगेंद्र कुमार, अरविंद साव आदि शामिल है।

शौंडिक संघ के अध्यक्ष बने अनिल प्रसाद और महासचिव कुलदीप

कुजू। झारखंड प्रदेश शौण्डिक संघ जगेसर पलानी परगना का शुक्रवार को होने वाले चुनाव स्कूटनी में ही अध्यक्ष एवं महासचिव निर्विरोध चुने जाने पर रद्द कर दिया गया। चुनाव मुख्य पदाधिकारी खिरोधर प्रसाद साहू समेत सहायक चुनाव पदाधिकारी खोखेंद्र साव, हरिशंकर साहू व धनेश्वर प्रसाद ने संयुक्त रूप से दिया। उन्होंने बताया कि अनिल प्रसाद निर्विरोध केंद्रीय अध्यक्ष एवं कुलदीप प्रसाद निर्विरोध केंद्रीय महासचिव घोषित किये गए। केंद्रीय अध्यक्ष पद के प्रत्याशी महेंद्र प्रसाद ने अनिल प्रसाद के समर्थन में स्क्रूटनी से नाम वापस लिया। जबकि महासचिव पद के लिए प्रत्याशी उमेश प्रसाद का नामांकन प्रपत्र की जांच में कई त्रुटि पाई गई।

वैश्य मोर्चा प्रखंड कमिटी का विस्तार

मद्धेश्वर केशरी बने कार्यकारी अध्यक्ष, संजय साव वरीय उपाध्यक्ष

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा के जवाहर नगर में शुक्रवार को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा पतरातू प्रखंड कमेटी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मुकेशलाल सिंदूरिया ने किया। बैठक में केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु उपस्थित थें। बैठक में 30 जनवरी से रामगढ़ में होने वाले 72 घंटे के भूख-हड़ताल से संबंधित पर्चा जारी किया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी वैश्यों के आदर्श हैं। गांधी जी ने अपने हक-अधिकार के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करने का रास्ता दिखाया है। इसलिए उनके शहादत दिवस 30 जनवरी से महेश्वर साहु द्वारा 72 घंटे का भूख-हड़ताल किया जा रहा है। पतरातू प्रखंड के सभी सदस्यों की जवाबदेही बनती है की इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बढ़-चढ़कर भाग लें। बैठक में तय किया गया कि कार्यक्रम की तैयारी के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। प्रखंड अध्यक्ष मुकेशलाल सिंदूरिया द्वारा प्रखंड कमेटी का विस्तार करते हुए मद्धेश्वर केशरी को कार्यकारी अध्यक्ष, संजय साव को वरीय उपाध्यक्ष, भरत केशरी को उप महासचिव, राजकुमार साहु को संगठन सचिव एवं पिंटू कुमार गुप्ता को युवा मोर्चा का प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया। नये पदाधिकारियों को केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने संगठन का टोपी और पट्टा पहनाकर स्वागत करते हुए कहा कि कई मायनों में यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। मौके पर कैलाश साव, अशोक साव, श्रीनिवास अग्रवाल, ओम प्रकाश गुप्ता, विजय केशरी, जीवन गुप्ता, आदित्य, गीता देवी, चिंता देवी सहित मोर्चा के कई लोग मौजूद थे।

अवैध खनन को लेकर छापेमारी टीम गठित

रामगढ़। अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार एवं उपायुक्त रांची राहुल कुमार सिन्हा ने संयुक्त रूप से आदेश जारी किया गया । संयुक्त आदेश द्वारा छापेमारी दल का गठन किया गया है। जिनमें अनुमंडल पदाधिकारी रामगढ़/ रांची, जिला खनन पदाधिकारी रामगढ़/ रांची, खान निरीक्षक रामगढ़/ रांची, अंचल अधिकारी गोला/ओरमांझी/सिल्ली / रामगढ़, अंचल निरीक्षक गोला/ ओरमांझी/सिल्ली/ रामगढ़, थाना प्रभारी बरलंगा/ रामगढ़/ सिल्ली/ओरमांझी होंगे। छापामारी दल द्वारा अवैध खनन स्थलों को चिन्हित करते हुए अवैध रूप से संचालित क्रशर, पत्थर भंडारण आदि को ध्वस्त कर नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही छापामारी दल द्वारा अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पाए जाने पर उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराते हुए की गई कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन जिला स्तर पर उपलब्ध कराया जाएगा।

प्राण प्रतिष्ठा को ले भुरकुंडा ओपी में शांति समिति की बैठक

21 को गंगा आरती और 22 को अनुष्ठान समारोह शांतिपूर्वक मनाने की अपील

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर शुक्रवार को भुरकुंडा ओपी में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से पतरातू बीडीओ मनोज कुमार गुप्ता और भुरकुंडा ओपी प्रभारी मयंक प्रसाद उपस्थित थें। मौके पर बीडीओ मनोज गुप्ता व ओपी प्रभारी मयंक प्रसाद ने क्षेत्रवासियों से 21 जनवरी को भुरकुंडा नकारी नदी तट पर आयोजित गंगा आरती व 22 को अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान होने वाले अनुष्ठान के दौरान कोयलांचल भुरकुंडा क्षेत्र में शांतिपूर्वक माहौल बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि 22 को अयोध्या में भगवान श्रीराम विराजमान होंगे यह हमसभी के लिए हर्ष की बात है। लेकिन इस दौरान विधि-व्यवस्था व भाईचारगी का माहौल कायम रखना भी क्षेत्रवासियों का दायित्व है। ओपी प्रभारी मयंक प्रसाद ने कहा कि 21 व 22 को विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की गश्ती तेज की जायेगी। इस दौरान असामाजिक तत्वों व हुड़दंगियों पर पुलिस पैनी नजर रखेगी। हुड़दंग मचाने वालों को किसी भी हाल में छोड़ा नहीं जायेगा।

बैठक में क्षेत्रवासियों ने विधि-व्यवस्था व शांतिपूर्ण माहौल में भाईचारगी के साथ धार्मिक अनुष्ठान मनाने पर एक स्वर में सहमति जताई। मौके पर पतरातू बीडीओ मनोज कुमार गुप्ता, भुरकुंडा ओपी प्रभारी मयंक प्रसाद, श्याम नंदन सिंह, रामप्रवेश शर्मा, पूरन सिंह, प्रदीप दुबे, रामसारिख तिवारी, मुखिया अजय पासवान, मुखिया उपेंद्र शर्मा, योगेश दांगी, बलजीत सिंह, डब्लू पांडेय, मुकेश राउत, जगतार सिंह, चमन लाल, पूर्व मुखिया सुभाष उर्फ काला बाबू, अनामिका श्रीवास्तव, संजय मिश्रा, राकेश सिन्हा, दीपक अग्रवाल, सलील मोहन सिन्हा, किशुन नायक, हलीम अंसारी, विश्वरंजन सिन्हा, अमितेश सिंह, प्रेमनाथ विश्वकर्मा, संतन सिंह, मो. मुस्तकीम, मो. नईम खान, सरफराज आलम, शमशाद अंसारी, मो. अनवर, गोवर्धन, मो. अलीमाम, मो. नसीम, संजय यादव, रेणुका देवी, मो. छोटू सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

एक नजर में

गोधेया में प्राण प्रतिष्ठा के दिन होगी पूजा

टाटीझरिया। गोधेया में राम भक्त समती के संरक्षक चांदो ठाकुर ,अध्यक्ष करण राणा ,सचिव संजय शर्मा ,कोषाध्यक्ष सुनील कुमार के नेतृत्व में श्रद्धालुओ के सहयोग से 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर हनुमान मंदिर परिसर में होगी पूजा-अर्चना। उन्होंने कहा कि 17 माईल चौक में लाइट की व्यवस्था नहीं रहने के कारण हजारों की संख्या में पैदल साइकिल ,दो पहिया,चार पहिया वाहनों से दिन रात यात्रियों का आवागमन होता है जो अंधेरा होने के कारण इन्हे चोरी आपातकालीन दुर्घटना संबंधी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है इसी रास्ते बरकट्ठा विधानसभा सभा और मांडू विधान सभा क्षेत्र के कई नेता मंत्रियों का आवागमन होता है । लेकिन अब तक मामले का किसी ने सुध तक नहीं लिया। उन्होंने सरकारी विभाग या नेता मंत्रियों से निजी खर्च कर लाइट की मांग की। वही समिति के लोगो ने प्रखंड क्षेत्र के झरपो भराजो खैरा डूमर धर्मपुर बेड़म टाटीझरिया , डहरभंगा आठों पंचायत के विभिन्न गांवों के लोगो से पूजा में शामिल होने का आग्रह किया है। मौके पर बासुदेव ठाकुर,संतोष पासवान,प्रकाश कुमार,बलदेव महतो, मो. सोनिया,सूरज कुमार, देवंती देवी ,तेतरी देवी, मो.गीता ,कांति देवी, चांदो महतो ,ठाकुर महतो, अन्य कई लोग मौजूद थे।

पीएम जनमन योजना को लेकर लगा शिविर

दारू। प्रखंड अंतर्गत जरगा बिरहोर टोला में शुक्रवार को प्रधानमंत्री जनमन योजना शिविर लगा। शिविर में अलग-अलग योजना का स्टॉल लगाया गया था। बीडीओ मनीष कुमार ने कहा कि प्रखंड में दो स्थान पर शिविर का आयोजन करना है जिसमें आज जरगा बिरहोर टोला में लगाया गया वही दूसरा जल्द ही इरगा में लगाया जाएगा साथ ही उन्होंने कहा कि शिविर में वैसे योग्य लाभुक जिसका आवास, पेंशन, राशन कार्ड, मेडिकल, आंगनवाड़ी इत्यादि में नाम छूटा है वैसे लाभुकों का नाम जोड़ा जा रहा है। साथ ही साथ शिविर में चार व्यक्ति का ऑन द सपोर्ट पीवीटीजी किया गया। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में जिसका आवास छूट गया है इसे लेकर 18 आवेदन आया। बिडीओ ने बताया कि प्रधानमंत्री जन मन योजना में आवास को लेकर 2 लाख की राशि दी जाएगी जिसमें से ईरगा में 10 व्यक्ति को आवास का पहला किस्त दिया जा चुका है। इस योजना में लाभुकों को चार किस्तों में आवास की रकम दी जाएगी।इसमें पहला किस्त तीस हजार,दूसरा किस्त पच्चास हजार,तीसरा किस्त एक लाख और अंतिम किस्त बीस हजार दिया जाएगा।

पोस्टमार्टम घर समय पर न खुलने से भड़के विधायक

हजारीबाग। जिले के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम कराने के लिए बरही विधानसभा क्षेत्र के चंदवारा प्रखंड के उरवां निवासी प्रकाश दास उम्र लगभग 45 वर्ष की सड़क दुर्घटना में मौत हो जाने के बाद परिजन सुबह हजारीबाग स्थित पोस्टमॉर्टम घर पोस्टमॉर्टम कराने गए। 10:00 बजे तक परिजन वहां खुलने का इंतजार करते रहे लेकिन पोस्टमार्टम घर नहीं खुला। सूचना मिलने पर विधाायक उमाशंकर अकेला वहां पहुंचे। पोस्टमॉर्टम घर में ताला जड़ा देख वे भड़क गए और धरने पर बैठ गए। इस दौरान उन्होने स्वास्थ्य मंत्री झारखंड सरकार बन्ना गुप्ता को फोन पर लोगों की परेशानी से अवगत कराया और वहां धरना पर बैठ गए। 12:30 बजे सुपरिटेंडेंट पोस्टमार्टम घर पहुंचे। सुपरिटेंडेंट ने विधायक को जब समय से पोस्टमार्टम घर खुलने का अवश्वासन दिया तब विधायक धरने से उठे। मौके पर जिला विधायक प्रतिनिधि संजय यादव, बच्चन किशोर भेजता, प्रमोद पासवान, बिरेन्द्र राम, मिथलेश कुमार, मनोज पासवान सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शांति समिति की बैठक

पदमा। थाना परिसर में 22 जनवरी को अयोध्या में हो रहे राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पदमा अंचल अधिकारी मोतीलाल हेंब्रम के अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक का संचालन थाना प्रभारी शिवदयाल सिंह ने किया। अंचल अधिकारी ने बताया कि 22 जनवरी को होने वाले अयोध्या में होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शांति पूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अपवाहों से बचें। चौक चौराहे पर पुलिस तैनात रहेगी। किसी तरह की कोई प्रिया घटना की सूचना हो तो तुरंत थाना को सूचित करें। एसआई विपिन बिहारी सिंह, अरविंद कुमार मिश्रा, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष गौतम कुमार मेहता संजय यादव, अबध यादव, रोमी पंचायत के पंचायत समिति सदस्य शारदा देवी, सूरजपुर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य विश्व हिंदू परिषद प्रखंड उपाध्यक्ष कुलदीप रविदास, बिहार पंचायत के पूर्व मुखिया सहदेव प्रसाद मेहता, पूर्व पंचायत समिति सदस्य जगदीश यादव, कपिल देव मेहता, कमांडो मेहता सहित कई गण लोग उपस्थित थे।

किसानों के बीच गेहूं बीज का वितरण

कटकमसांडी। कृषि एवं सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार के सौजन्य से प्रखंड के किसानों के बीच गेहूं बीज का वितरण किया गया। कटकमसांडी पैक्स में आयोजित बीज वितरण कार्यक्रम में किसानों के बीज का वितरण बीस सूत्री सदस्य रामानुज सिंह, बीएओ अनिराम महतो व बीटीएम अनिकेत टुडुवार ने संयुक्त रूप से किया। इस क्रम में अधिकारियों ने कहा कि किसानों के फसल उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से विभाग की उन्नत बीज का वितरण किया जा रहा है। मौके पर प्रमुख संगीता देवी,उप प्रमुख ममता सिंह, जन सेवक मो. मिन्हाज, रंजीत रजक सहित अन्य किसान मौजूद थे।
19 हैज पी 8: मौजूद किसान।

दलाली के दिन अब लद गये : महाप्रबंधक

चरही। सीसीएल ऑफिसर क्लब में शुक्रवार को सीसीएल के चरही महाप्रबंधक केके सिन्हा ने की प्रेस वार्ता। उन्होंने कहा कि हजारीबाग कोयला क्षेत्र में दलालों की दलाली अब चलने वाली नहीं है।इनके दिन लद हैं। बताया कि पहले मृतक के आश्रितों को नौकरी के लिए दलालों के पास जाते थे।और नौकरी दिलाने के नाम पर हजारों रुपये ऐंठ लेते थे।वर्षों कार्य नहीं हो पाता था।आश्रितों परेशानी कम करने के लिए और भरपूर मिल सके।इसके लिए हेल्फ डेस्क बनाया गया है।इसी के माध्यम से मृतक के आश्रितों का कार्य किया जायेगा।कई कंप्यूटर लगाए जाएंगे।ऑन लाईन के माध्यम से कार्य किया जाएगा।ताकि आश्रितों को जल्द नौकरी मिल सके।आगे कहा कि एक वर्ष के अंदर आश्रित आवेदन दें।ताकि जल्द ही कार्य का निष्पादन किया जा सके।इसके बाद आवेदन देने वालों पर विचार नहीं किया जाएगा। विस्थापित हुए ग्रामीणों के बारे में बताया कि इस पर भी ध्यान रखा जा रहा है। विस्थापित ग्रामीणों की जिस भूमि को सीसीएल के द्वारा अधिग्रहण किया है उसकी कागजात को कार्यालय को समर्पित करें।ताकि कार्य को निष्पादन करने में कंपनी को कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़े। 27 जनवरी को तापीन साउथ के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में पारितोषिक वितरण किया जाएगा। इस मौके पर महाप्रबंधक केके सिन्हा,एसओपी पल्लव चक्रवर्ती, तापीन साउथ पीओ एमके पांडेय,क्षितिज कुमार,चंद्रिका कुमार, राजदीप सहित कई अधिकारी और पदाधिकारी उपस्थित थे।

सबरी गीध सुसेवकनि सुगति दीन्हि रघुनाथ।
नाम उधारे अमित खल बेद बिदित गुन गाथ॥

मनोज शर्मा

शबरी को आश्रम सौंपकर महर्षि मतंग जब देवलोक जाने लगे, तब शबरी भी साथ जाने की जिद करने लगीं। शबरी की उम्र दस वर्ष थी। वो महर्षि मतंग का हाथ पकड़ रोने लगीं। महर्षि शबरी को रोते देख व्याकुल हो उठे। शबरी को समझाया पुत्री इस आश्रम में भगवान आयेंगे, तुम यहीं प्रतीक्षा करो। अबोध शबरी इतना अवश्य जानती थी कि गुरु का वाक्य सत्य होकर रहेगा, उसने फिर पूछा- कब आयेंगे..?

महर्षि मतंग त्रिकालदर्शी थे। वे भूत भविष्य सब जानते थे, वे ब्रह्मर्षि थे। महर्षि, शबरी के आगे घुटनों के बल बैठ गये और शबरी को नमन किया। आसपास उपस्थित सभी ऋषिगण असमंजस में डूब गये ,ये उलट कैसे हुआ। गुरु यहां शिष्य को नमन करे, ये कैसे हुआ ? महर्षि के तेज के आगे कोई बोल न सका। महर्षि मतंग बोले-

पुत्री अभी उनका जन्म नहीं हुआ। अभी दशरथ जी का लग्न भी नहीं हुआ। उनका कौशल्या से विवाह होगा। फिर भगवान की लंबी प्रतीक्षा होगी। फिर दशरथ जी का विवाह सुमित्रा से होगा। फिर प्रतीक्षा..

फिर उनका विवाह कैकई से होगा। फिर प्रतीक्षा..। फिर श्रीराम जन्म लेंगे, फिर उनका विवाह माता जानकी से होगा। फिर उन्हें 14 वर्ष वनवास होगा और फिर वनवास के आखिरी वर्ष माता जानकी का हरण होगा। तब उनकी खोज में वे यहां आयेंगे। तुम उन्हें कहना, आप सुग्रीव से मित्रता कीजिये। उसे आतताई बाली के संताप से मुक्त कीजिये, आपका अभीष्ट सिद्ध होगा। आप रावण पर अवश्य विजय प्राप्त करेंगे।

शबरी एक क्षण किंकर्तव्यविमूढ़ हो गयी। अबोध शबरी इतनी लंबी प्रतीक्षा के समय को माप भी नहीं पाई। वह फिर अधीर होकर पूछने लगी- इतनी लम्बी प्रतीक्षा कैसे पूरी होगी गुरुदेव महर्षि मतंग बोले- वे ईश्वर हैं, अवश्य ही आयेंगे। यह भावी निश्चित है। लेकिन यदि उनकी इच्छा हुई तो काल दर्शन के इस विज्ञान को परे रखकर वे कभी भी आ सकते हैं। लेकिन आयेंगे अवश्य...!

जन्म मरण से परे उन्हें जब जरूरत हुई तो प्रह्लाद के लिए खंबे से भी निकल आये थे। इसलिए प्रतीक्षा करना। वे कभी भी आ सकते हैं। तीनों काल तुम्हारे गुरु के रूप में मुझे याद रखेंगे। शायद यही मेरे तप का फल है। शबरी गुरु के आदेश को मान वहीं आश्रम में रुक गईं। उसे हर दिन प्रभु श्रीराम की प्रतीक्षा रहती थीं। वह जानती थीं समय का चक्र उनकी उंगली पर नाचता है, वे कभी भी आ सकतें हैं। हर रोज रास्ते में फूल बिछाती है और हर क्षण प्रतीक्षा करती। कभी भी आ सकतें हैं।

हर तरफ फूल बिछाकर हर क्षण प्रतीक्षा करते-करते शबरी बूढ़ी हो गयी, लेकिन प्रतीक्षा उसी अबोध चित्त से करती रही। और एक दिन उसके बिछाये फूलों पर प्रभु श्रीराम के चरण पड़े। शबरी का कंठ अवरुद्ध हो गया। आंखों से अश्रुओं की धारा फूट पड़ी। गुरु का कथन सत्य हुआ। भगवान उसके घर आ गये। शबरी की प्रतीक्षा का फल ये रहा कि जिन राम को कभी तीनों माताओं ने जूठा नहीं खिलाया, उन्हीं राम ने शबरी का जूठा खाया। ऐसे पतित पावन मयार्दा, पुरुषोत्तम, दीन हितकारी श्री राम जी की जय हो। जय हो।

वृद्धा भीलनी के मुंह से स्वर/बोल फूटे- कहो राम ! शबरी की कुटिया को ढूंढ़ने में अधिक कष्ट तो नहीं हुआ..? राम मुस्कुराये- यहां तो आना ही था मां, कष्ट का क्या मोल/मूल्य..? जानते हो राम ! तुम्हारी प्रतीक्षा तब से कर रही हूं, जब तुम जन्मे भी नहीं थे, यह भी नहीं जानती थी कि तुम कौन हो ? कैसे दिखते हो ? क्यों आओगे मेरे पास ? बस इतना ज्ञात था कि कोई पुरुषोत्तम आयेगा, जो मेरी प्रतीक्षा का अंत करेगा।

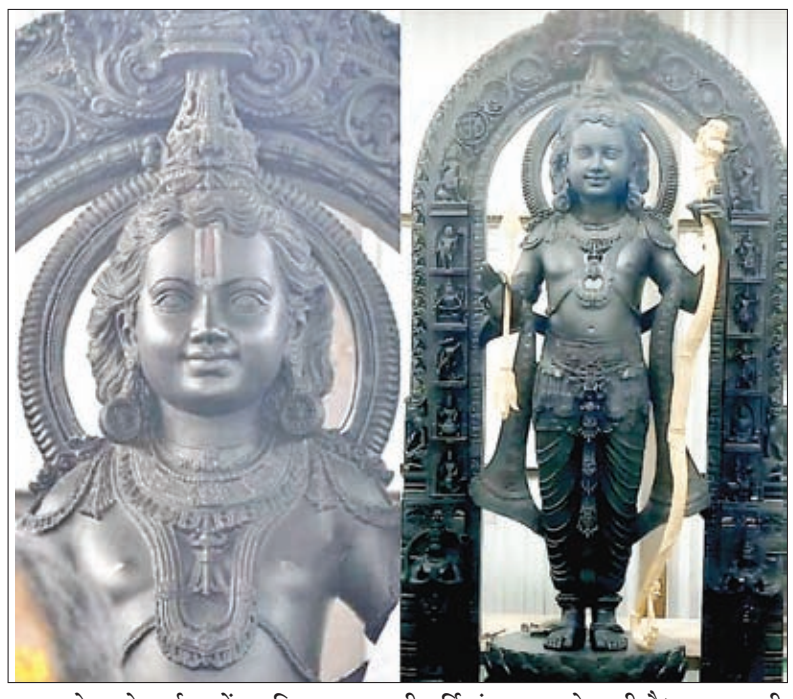

अयोध्या के गर्भगृह में स्थापित रामलला की मूर्ति मंत्रमुग्ध करने वाली है। रामलला की प्रतिमा को देखते से लगता है कि साक्षात श्री राम खड़े हैं। उनके चेहरे पर मधुर मुस्कान है। हाथों में धनुष हैं। एक हाथ में तीर है। श्रीराम के उन्नत और भव्य ललाट पर एक लाल टीका लगा है। जो मूर्ति को और भव्य बना रहा है।

बंदउ गुरु पद कंज , कृपा सिंधु नर रुप हरि, महा मोह तम पुंज, जासु बचन रवि कर निकर

राम ने कहा- तभी तो मेरे जन्म के पूर्व ही तय हो चुका था कि राम को शबरी के आश्रम में जाना है। एक बात बताऊं प्रभु ! भक्ति में दो प्रकार की शरणागति होती है। पहली वानरी भाव और दूसरी माजार्री भाव।

बन्दर का बच्चा अपनी पूरी शक्ति लगाकर अपनी मां का पेट पकड़े रहता है, ताकि गिरे न... उसे सबसे अधिक भरोसा पर ही होता है और वह उसे पूरी शक्ति से पकड़े रहता है। यही भक्ति का भी एक भाव है, जिसमें भक्त अपने ईश्वर को पूरी शक्ति से पकड़े रहता है। दिन रात उसकी आराधना करता है...! (वानरी भाव)पर मैंने यह भाव नहीं अपनाया। ह्वमैं तो उस बिल्ली के बच्चे की भांति थी, जो अपनी माँ को पकड़ता ही नहीं, बल्कि निश्चिन्त बैठा रहता है कि माँ है न, वह स्वयं ही मेरी रक्षा करेगी, और माँ सचमुच उसे अपने मुँह में टांग कर घूमती है। मैं भी निश्चिन्त थी कि तुम आओगे ही, तुम्हें क्या पकड़ना...। (माजार्री भाव)राम मुस्कुराकर रह गए..! भीलनी ने पुनः कहा- सोच रही हूं बुराई में भी तनिक अच्छाई छिपी होती है न... कहां सुदूर उत्तर के तुम, कहाँ घोर दक्षिण में मैं ! तुम प्रतिष्ठित रघुकुल के भविष्य, मैं वन की भीलनी। यदि रावण का अंत नहीं करना होता तो तुम कहाँ से आते..?

> शबरी बोली कहो राम ! हमारी कुटिया को ढूंढ़ने में अधिक कष्ट तो नहीं हुआ..? राम मुस्कुराये- यहां तो आना ही था मां, कष्ट का क्या मोल/मूल्य..? जानते हो राम ! तुम्हारी प्रतीक्षा तब से कर रही हूं, जब तुम जन्मे भी नहीं थे, यह भी नहीं जानती थी कि तुम कौन हो ? कैसे दिखते हो ? क्यों आओगे मेरे पास ? बस इतना ज्ञात था कि कोई पुरुषोत्तम आयेगा, जो मेरी प्रतीक्षा का अंत करेगा।

राम गम्भीर हुए और कहा-

भ्रम में न पड़ो मां ! राम क्या रावण का वध करने आया है..? रावण का वध तो लक्ष्मण अपने पैर से बाण चलाकर भी कर सकता है।

राम हजारों कोस चलकर इस गहन वन में आया है, तो केवल तुमसे मिलने आया है माँ, ताकि सहस्त्रों वर्षों के बाद भी, जब कोई भारत के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा करे तो इतिहास चिल्ला कर उत्तर दे, कि इस राष्ट्र को क्षत्रिय राम और उसकी भीलनी माँ ने मिलकर गढ़ा था ।जब कोई भारत की परम्पराओं पर उँगली उठाये तो काल उसका गला पकड़कर कहे कि नहीं ! यह एकमात्र ऐसी सभ्यता है जहाँ, एक राजपुत्र वन में प्रतीक्षा करती एक वनवासिनी से भेंट करने के लिए चौदह वर्ष का वनवास स्वीकार करता है।

राम वन में बस इसलिए आया है, ताकि जब युगों का इतिहास लिखा जाए, तो उसमें अंकित हो कि शासन/प्रशासन और सत्ता जब पैदल चलकर वन में रहने वाले समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, तभी वह रामराज्य है। राम वन में इसलिए आया है, ताकि भविष्य स्मरण रखे कि प्रतीक्षाएं अवश्य पूरी होती हैं। राम रावण को मारने भर के लिए नहीं आया है माँ ! माता शबरी एकटक राम को निहारती रहीं। राम ने फिर कहा- राम की यात्रा प्रारंभ हुई है, भविष्य के आदर्श की स्थापना के लिए। राम राजमहल से निकला है, ताकि विश्व को संदेश दे सके कि एक मां की अवांछनीय इच्छओं को भी पूरा करना ही 'राम' होना है

राम आया है, ताकि भारत विश्व को बता सके कि अन्याय और आतंक का अंत करना ही धर्म है। राम आया है, ताकि भारत विश्व को सदैव के लिए सीख दे सके कि विदेश में बैठे शत्रु की समाप्ति के लिए आवश्यक है कि पहले देश में बैठी उसकी समर्थक सूर्पणखाओं की नाक काटी जाये और खर-दूषणों का घमंड तोड़ा जाए। राम आया है, ताकि युगों को बता सके कि रावणों से युद्ध केवल राम की शक्ति से नहीं बल्कि वन में बैठी शबरी के आशीर्वाद से जीते जाते हैं। शबरी की आंखों में जल भर आया था। शबरी ने बात बदलकर कहा- बेर खाओगे राम..? राम मुस्कुराये, बिना खाये जाऊंगा भी नहीं मां ! शबरी अपनी कुटिया से झपोली में बेर लेकर आई और राम के समक्ष रख दिये। बेर मीठे हैं न प्रभु..? यहां आकर मीठे और खट्टे का भेद भूल गया हूं मां ! बस इतना समझ रहा हूं कि यही अमृत है। शबरी मुस्कुराईं, बोली- सचमुच तुम मर्यादा पुरुषोत्तम हो, राम !

रहिमन राम न उर धरै, रहत विषय लपटाय, पसु खर खात सवाद सों, गुर बुलियाये खाय, (दुर्जन को राम समझ में नहीं आयेंगे)

कविवर रहीम कहते है कि भगवान राम को हृदय में धारण करने की बजाय लोग भोग और विलास में डूबे रहते है। पहले तो अपनी जीभ के स्वाद के लिए जानवरों की टांग खाते हैं और फिर उनको दवा भी लेनी पड़ती है।

रहिमन राम न उर धरै, रहत विषय लपटाय
पसु खर खात सवाद सों, गुर बुलियाए खाय

श्रीराम नाम के दो अक्षरों में रा तथा म ताली की आवाज की तरह हैं, जो संदेह के पंछियों को हमसे दूर ले जाती हैं। ये हमें देवत्व शक्ति के प्रति विश्वास से ओत-प्रोत करते हैं। इस प्रकार वेदांत वैद्य जिस अनंत सच्चिदानंद तत्व में योगिवृंद रमण करते हैं उसी को परम ब्रह्म श्रीराम कहते हैं- **गोस्वामी तुलसीदास**

राम मयार्दा पुरूषोत्तम हैं। करूणानिधि हैं। मनुष्य के आदर्श और सुंदरतम अभिव्यक्ति हैं। वे मनुष्य ही नहीं, प्राणीमात्र के मित्र हैं, अभिरक्षक हैं और विश्वसनीय हैं। वे दूसरों के दुख से द्रवित होनेवाले दयानिधि हैं। उनके स्वयं के जीवन में भी इतने दुख-दर्द हैं, फिर भी वे सत्य और आदर्श की प्रतिमूर्ति बने रहते हैं।

आदि **कवि वाल्मीकि** ने उनके संबंध में कहा है कि वे गाम्भीर्य में समुद्र के समान हैं।

समुद्र इव गाम्भीर्ये धैर्यण हिमवानिव।

राम के महान चरित्र-विषयक अनुभूति भी बराबर बदलती रही है। भवभूमि के राम ठीक वे नहीं हैं जो वाल्मीकि के राम हैं और तुलसी के राम वाल्मीकि तथा भवभूति, दोनों के रामों से भिन्न हैं -**रामधारी सिंह दिनकर**

राम आधारहीन सत्ता के ऐसे प्रत्युत्तर हैं कि उनकी याद इस जमाने में कुछ और सार्थक हो जाती है- **प्रख्यात विद्वान पं. विद्यानिवास मिश्र**

राष्ट्र कवि **मैथिलीशरण गुप्त** ने यशोधरा में राम के आदर्शमय महान जीवन के विषय में कितना सहज व सरस लिखा है- राम। तुम्हारा चरित्र स्वयं ही काव्य है। कोई कवि बन जाए सहज संभाव्य है॥

राम का उल्टा होता है म, अ, र अर्थात मार। मार बौद्ध धर्म का शब्द है। मार का अर्थ है- इंद्रियों के सुख में ही रत रहने वाला और दूसरा आंधी या तूफान। राम को छोड़कर जो व्यक्ति अन्य विषयों में मन को रमाता है, मार उसे वैसे ही गिरा देती है, जैसे सूखे वृक्षों को आंधियां।

कालिदास के महाकाव्य रघुवंश

रघुवंश में चाहे दिलीप हों अथवा रघु, गुरु के आज्ञापालक एवं धर्मपरायण है। महाराज दिलीप सर्वगुणसम्पन्न आदर्श राजा हैं।

रामचन्द्र का चित्रण कवि ने बड़ी सावधानी से किया है। उनके अन्दर दिलीप, रघु और अज के गुणों का समंवय है। रघुवंश के चतुर्दश सर्ग श्लोक में चित्रित, राजाराम के द्वारा परित्यक्ता जानकी का चित्र तथा उनका राम को भेजा गया सन्देश अत्यंत भावपूर्ण, गम्भीर तथा मर्मस्पर्शी है। राम के लिए ह्वराजाह्ण शब्द का प्रयोग विशुद्ध तथा पवित्र चरित्र धर्मपत्नी के परित्याग के अनौचित्य का मार्मिक अभिव्यञ्जक है।

महाकवि ने राम को हरि या विष्णु का ही पर्यायवाची माना है। राम प्रजारक्षक राजा हैं। लोकाराधन के लिए तथा अपने कुल को निष्कलंक रखने के लिए उनके द्वारा अपनी प्राणोपमा धर्मपत्नी सीता का निर्वासन आदर्श पात्र-सृष्टि का सुन्दर दृष्टांत है।

मैनेजमेंट गुरु हैं भगवान श्रीराम कवि और लेखक **डॉ. सुनील जोगी**

राम प्रतीक हैं- साधारण जन; मानवीय स्वतंत्रता-स्वायत्तता; लोक-तांत्रिक मूल्यवत्ता एंव सामूहिकता को समर्पित व्यक्तित्व के कवि **नरेश मेहता**

कहते हैं जो जपता है राम का नाम राम जपते हैं उसका नाम शतायु

राम देश की एकता के प्रतीक हैं- **डॉ राममनोहर लोहिया**

जन-जन के राम

डॉ. हाराधन कोईरी

सृष्टि के कण-कण में रमे राम की दिव्यता,भव्यता और शुभ्रता सबके ऊपर पड़ी है। राम सबके हैं। राम को मानने वालों को सबके लिए होना ही सच्चा रामादर्श है। राम मानवता और सामाजिक समरसता के शिखर पुरुष हैं। राम के आचरण से यह सिद्ध होता है कि मनुष्य वर्ण,जाति और गोत्र से श्रेष्ठ नहीं होते,बल्कि कर्म से,आचरण से,ज्ञान से और संस्कार से महान बनते हैं।

राम जब चौदह वर्ष के लिए वन को गये तब सबसे पहले उनके सहपाठी,मित्र और भक्त निषादराज गुह से मिले। मिलकर उनका आतिथ्य स्वीकार किये। निषादराज द्वारा लाये गये कंद,मूल और फल को उसी प्रकार खाये,जिस प्रकार कौशल्या आदि माताओं के द्वारा परोसे गये व्यंजन को रुचि पूर्वक खाते हैं। निषादराज के शूद्र होने पर भी राम ने कभी कोई भेदभाव नहीं किया। हमेशा उनको मान सम्मान दिये।

राम जब सीता,लक्ष्मण और मित्र निषादराज के साथ गंगा तट पर पहुँचे। पहुँच कर केवट से गंगा पार करने का आग्रह किया। तब-तक केवट अहल्या उद्धार की कथा सुन चुके थे। इसलिए केवट ने कहा कि मेरी आजीविका का साधन तो मेरी नाव है यदि आपके पांव रखते ही मेरी नाव मुझे छोड़कर चली जायेगी तो मेरा परिवार का क्या होगा? आपको गंगा पार तभी करा सकता हूँ जब आपके पांव को पखार कर परीक्षा न कर लूँ। तब राम ने कहा ठीक है, कर लो।

राम वन में अत्रि मुनि और अनुसूइया से मिले। वाल्मीकि के आश्रम को गये। उनसे रहने के लिए उपयुक्त जगह पूछे। तब वाल्मीकि ने पंचवटी में जाकर निवास करने की सलाह दी। राम पंचवटी में सुखपूर्वक रहने लगे। जब सीता का हरण हुआ तब राम- लक्ष्मण सीता की खोज करते हुए जटायु से मिले। जटायु का अंतिम संस्कार किये। फिर आगे बढ़ते हुए माता शबरी से मिले। शबरी राम के दर्शन पाकर भाव-विभोर हो गयीं। वे वन से बेर लायी थीं। उस बेर को चख- चखकर खट्टे को फेंक मीठे बेर को राम की ओर बढ़ाने लगीं। राम प्रेम के साथ उस बेर को खाने लगे। फिर शबरी के कहने पर राम उन्हें नवधा भक्ति का पाठ पढ़ाये। उस शबरी के आश्रम में राम ने कहा कि मैं भाव का भूखा हूँ। भक्ति के वश में रहता हूँ। भक्ति से हीन मनुष्य उसी प्रकार लगते हैं जिस प्रकार जलहीन बादल-

जाति पाँति कुल धर्म बड़ाई।
धन बल परिजन गुन चतुराई।।
भगति हीन नर सोहइ कैसा।
बिनु जल बारिद देखिअ जैसा।

इस प्रकार राम यदि जात-पात,ऊंच-नीच करते तो निषादराज का,शबरी का आतिथ्य कैसे स्वीकार करते ? हनुमान के कहने पर सुग्रीव से कैसे मित्रता करते ? यह राम का रामत्व ही है जो जटायु,सम्पाति,रीछ,वानर आदि से सस्नेह मिलते रहे। उन्हें अपनी करुणा का पाथेय बनाते रहे। परन्तु कुछ ऐसे भी लोग हुए जो राम के रामत्व को धूमिल करने लिए तुले हुए हैं। रामकथा में शंबूक वध तथा ढोल गवांर शूद्र पशु नारी जैसे प्रसंगों के माध्यम से राम के व्यक्तित्व को धूमिल करना चाहे,परन्तु कर नहीं पाये। वस्तुतः यह राम का रामत्व है। जब-तक धरती पर सूर्य,चन्द्र रहेगा तब-तक राम का रामत्व रहेगा। असल में राम जन-जन के हैं और जन-जन राम के हैं। (**सहायक प्रोफेसर स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग,गोस्सनर महाविद्यालय,राँची)**

पग-पग पर मर्यादा, त्याग, प्रेम और लोकव्यवहार के हमारे श्री राम

राम अगम है संसार के कण-कण में विराजते हैं, हर्ष और विषाद में भी

मनोज पाण्डेय

राम अगम हैं संसार के कण-कण में विराजते हैं। सगुण भी हैं निर्गुण भी। तभी कबीर कहते हैं निर्गुण राम जपहुं रे भाई।

आदिकवि ने उनके संबंध में लिखा है कि वे गाम्भीर्य में उदधि (सागर) के समान और धैर्य में हिमालय के समान हैं। राम के चरित्र में पग-पग पर मयार्दा, त्याग, प्रेम और लोकव्यवहार के दर्शन होते हैं। राम ने साक्षात परमात्मा होकर भी मानव जाति को मानवता का संदेश दिया। उनका पवित्र चरित्र लोकतंत्र का प्रहरी, उत्प्रेरक और निमार्ता भी है। इसीलिए तो भगवान राम के आदर्शों का जनमानस पर इतना गहरा प्रभाव है और युगों-युगों तक रहेगा।

राम के जन्म का रहस्य

श्रीराम की असली जन्म दिनांक- जन्मतिथि को लेकर विद्वानों में मतभेद

सदियों से भगवान राम की कथा भारतीय संस्कृति में रची बसी है, मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन चरित्र लोगों को सही राह पर चर्ॆह्लालने की शिक्षा देता आ रहा है, लेकिन क्या भगवान राम से जुड़ी कहानी सिर्फ कथा है, क्या भगवान राम कल्पना हैं, आखिर हमारे पास भगवान राम के सच होने का क्या प्रमाण है?

कहा जाता है कि पांचवी से चौथी शताब्दी ईसा पूर्व जिस काल को ऋग्दवेद का काल कहा जाता है, तभी महर्षि वाल्मिकी ने रामायण की रचना की। लेकिन अब तक इस बात इतिहासकारों की राय बंटी हुई थी, लेकिन अब इस बात के सच होने का वैज्ञानिक प्रमाण मिल गया है।दिल्ली में स्थित एक संस्था इंस्टीट्यूट ऑफ साइंटिफिक रिसर्च ऑन वेदा यानी आई सर्व ने लंबे वैज्ञानिक शोध के बाद चौंकाने वाला दावा किया है। आई सर्व ने आधुनिक विज्ञान से जुड़ी 9 विधाओं, अंतरिक्ष विज्ञान, जेनेटिक्स, जियोलॉजी, एर्कियोलॉजी और स्पेस इमेजरी पर आधारित रिसर्च के आधार पर दावा किया है।

भारत में पिछले 10 हजार साल से सभ्यता लगातार विकसित हो रही है। वेद और रामायण में विभिन्न आकाशीय और खगोलीय स्थीतियों का जिक्र मिलता है, जिसे आधुनिक विज्ञान की मदद से 9 हजार साल ईसा पूर्व से लेकर 7 हजार साल ईसा पूर्व तक प्रमाणिक तरीके से क्रमानुसार सिद्ध किया जा सकता है।

पहली मान्यता- वाल्मीकि रामायण में भगवान राम के जन्म का क्या वर्णन है कि –

ततो य्रो समाप्ते तु ऋतुना षट् समत्युयः।
ततश्च द्वादशे मासे चैत्रे नावमिके तिथौ॥ नक्षत्रे२दितिदैवत्ये स्वोच्चसंस्थेषु पंचसु।
ग्रहेषु कर्कटे लग्ने वाक्पताविन्दुना सह॥
प्रोद्यमाने जनन्नाथं सर्वलोकनमस्कृतम्।
कौसल्याजयद् रामं दिव्यलक्षसंयुतम्॥

भावार्थ- चैत्र मास के शुक्लपक्ष की नवमी तिथी को पुनर्वसु नक्षत्र और कर्क लग्न में कौशल्यादेवी ने दिव्य लक्षणों से युक्त सर्वलोकवन्दित श्री राम को जन्म दिया। यानी जिस दिन भगवान राम का जन्म हुआ उस दिन अयोध्या के ऊपर तारों की सारी स्थिति का साफ-साफ जिक्र हैङ्ग अब अगर रामायण में जिक्र नक्षत्रों की इस स्थिति को नासा द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सॉफ्टवेयर प्लैनेटेरियम गोल्ड में उस वक्त की सितारों की स्थिती से मिलान और तुलना करें तो आईए जानते हैं कि क्या नतीजा मिलता है?

सूर्य मेष राशि (उच्च स्थान) में।

शुक्र मीन राशि (उच्च स्थान) में।

मंगल मकर राशि (उच्च स्थान) में।

शनि तुला राशि (उच्च स्थान) में।

बृहस्पति कर्क राशि (उच्च स्थान) में।

लगन कर्क के रूप में।

पुनर्वसु के पास चन्द्रमा मिथुन से कर्क राशि की ओर बढता हुआ।

शोध संस्था आई सर्व के मुताबिक वाल्मीकि रामायण में जिक्र श्री राम के जन्म के वक्त ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का सॉफ्टवेयर से मिलान करने पर जो दिन मिला, वो दिन है 10 जनवरी 5114 ईसा पूर्व। उस दिन दोपहर 12 बजे अयोध्या के आकाश पर सितारों की स्थिति वाल्मीकि रामायण और सॉफ्टवेयर दोनों में एक जैसी है। लिहाजा, रिसर्चर इस नतीजे पर पहुंचे कि रामलाला का जन्म 10 जनवरी 5114 ईसा पूर्व को हुआ।

आई सर्व के रिसर्चरों ने जब धार्मिक तिथियों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले चंद्र कैलेंडर की इस तिथि कोआधुनिक कैलेंडर की तारीख में बदला तो वो ये जान कर हैरान रह गए कि सदियों से भारतवर्ष में रामलला का बर्थ डे बिल्कुल सही तिथि पर मनाया जाता आया है।

आई-सर्व की दिल्ली शाखा की निदेशक सरोज बाला के मुताबिकङ्ग जो जन्मतिथि आती है वो है 10 जनवरी 5114 बीसी अब इसे लूनर कैलेंडर में कन्वर्ट कार वो चैत्र मास का शुक्ल पक्ष का नवमी निकला। अब हम सब जानते हैं कि चैत्र शुक्ल की नवमी को राम नवमी मनाते हैं, तो वही दोपहर को 12 से 2 बजे के बीच समान तिथि निकली है।

सॉफ्टवेयर की मदद से रिसर्चरों ने भी ये भी पता लगाया की रामलला के भाईयों का बर्थडे कब पड़ता है। इस मॉडल के मुताबिक भरत का जन्म पुष्प नक्षत्र तथा मीन लग्न में 11 जनवरी 5114 ईसा पूर्व को सुबह चार बजे लक्ष्मण और शत्रुध्न का जन्म अक्षेषा नक्षत्र एंव कर्क लग्न में 11 जनवरी 5114 ईसा पूर्व को 11 बज कर 30 मिनट पर हुआ।

स्पीड न्यूज

भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पुलिस ने किया मॉक ड्रिल

कोडरमा। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले भगवान श्रीराम की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिले में शांति और विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर शुक्रवार को स्थानीय बागीटांड स्टेडियम में पुलिस ने मॉक ड्रिल किया। इस दौरान एसपी अनुदीप सिंह के निर्देश पर बनाये गए पांच क्यूआरटी, पैंथर दल और पीसीआर वाहन में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों व बल के द्वारा मॉक ड्रिल किया गया। मॉक ड्रिल में इमरजेंसी के समय शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस के द्वारा उठाये जाने वाले जरूरी कदमों का अभ्यास किया गया। इस सम्बंध में एसपी श्री सिंह ने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में हो रहे भगवान श्रीराम की प्रतिमा के स्थापना के दौरान जिले में शांति व्यवस्था बहाल रखने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है।

मरकच्चो में निकाला गया फ्लैग मार्च

मरकच्चो (कोडरमा)। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन तथा प्रखंड में होने वाले कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को मरकच्चो पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। वहीं फ्लैग मार्च के दौरान लोगों से क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील की गयी। फ्लैग मार्च मरकच्चो थाना से निकल कर बन्धन चैक, ब्रह्मण टोली, मरकच्चो बाजार होते हुए शाहगंज, बड़ा अखाड़ा, देवगढ मोहल्ला, कर्बला नगर, अरकोसा पुनर्वास होते हुवे पुनः मरकच्चो थाना पहुंची। मौके पर इंस्पेक्टर अवधेश कुमार सिंह, थाना प्रभारी अब्दुल्ला खान, एसआई उत्तम कुमार बैध समेत दर्जनों पुलिस जवान मौजूद थे।

जलछाजन योजना का डीडीसी ने किया निरीक्षण

कोडरमा। उप विकास आयुक्त ऋतुराज ने डोमचांच एवं जयनगर प्रखंड अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत बने अमृत सरोवर, ट्रेंच सह बंड, मेडबंदी, वैट, लूज बोल्डर स्ट्रक्चर, पॉलीहाउस आदि का गुणवता की जांच करते हुए स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्मित तालाबों के आसपास की भूमि पर फसल लगाने एवं तालाब में मछलीपालन, तथा इसके मेड पर सब्जी लगाने के लिए लाभुक को प्रेरित किया। इसके साथ ही ट्रेंच सह बंड, मेडबंदी का बेहतर ड्रेसिंग करने का निदेश दिया। विदित हो की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत डोमचांच एवं जयनगर प्रखंड के 13 पंचायत के कुल 45 गांव के तकरीबन 4700 हेक्टेयर में मृदा एवं जल संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। मौके पर जिला तकनीकी विशेषज्ञ, बीपीओ रवि शंकर, कन्हैया अभियंता सत्यवान, डब्लूडीटी रामा शंकर पाल, सुधीर कुमार, लाभुक त्रिलोकी महतो, रामदेव महतो, अयोध्या प्रसाद, सुरेश तुरिया आदि मौजूद थे।

किसान नेता राकेश टिकैत ने मंडल में जनसभा को किया संबोधित, कहा

विकास पर नहीं, खनिज संपदाओं पर है सरकार की नजर

खबर मन्त्र संवाददाता

बरवाडीह/बेतला। भारतीय किसान संघ के केंद्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने शुक्रवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बरवाडीह प्रखंड के मोरवाई पंचायत अंतर्गत मंडल के मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। इसके पूर्व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें मंडल रोड एवं डैम संघर्ष समिति के अध्यक्ष, पूर्व सैनिक सह मोरवाई पंचायत के मुखिया आशीष सिंह ने राकेश टिकैत और अन्य अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र भेंटकर किया। जिसके बाद राकेश टिकैत ने अधूरे पड़े मंडल डैम का निरीक्षण करने के उपरांत डूब क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं को सुनने का काम किया। जहां ग्रामीणों ने अधूरे पड़े मंडल डैम का निर्माण, प्रभावितों को सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा, मंडल-बरवाडीह मार्ग का नवनिर्माण तथा मंडल में बंद पड़े हाई स्कूल को खुलवाने की मांग समेत अन्य समस्याओं को रखने का काम किया। राकेश टिकैत ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपकी मांग बड़ी नहीं है, आपकी समस्याओं और मांग को दिल्ली तक पहुंचाने का काम करूंगा। वहीं श्री टिकैत ने अपने संबोधन में कहा कि पलामू प्रमंडल तथा लातेहार जिले का दुर्भाग्य है कि क्षेत्र के समुचित विकास के लिए यहां कई महत्वकांक्षी और बहुउद्देशीय परियोजनाएं है, जो कई दशकों से अधूरी पड़ी हुई है। नेताओं द्वारा उन महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर सिर्फ वोट बैंक की राजनीति की जाती रही है। उन्हें आप गरीबों से कोई लेना देना नहीं है, सिर्फ राज्य की खनिज संपदाओं पर सरकारी आकाओं की नजर है, जबकि इन अधूरी पड़ी परियोजनाओं को पूर्ण होने से पूरे पलामू प्रमंडल का विकास हो सकता है। यहां अधूरी पड़ी मंडल डैम और चिरमिरी लाइन जैसी अत्यंत बहुउद्देशीय योजनाएं इसका जीता जागता उदाहरण है। बावजूद इसके इन बड़ी परियोजनों पर काम शुरू करना तो दूर बरवाडीह से मण्डल तक आने वाली 30 किमी सड़क का निर्माण भी सरकार नहीं करा पा रहीं है। राकेश टिकैत ने बताया कि 14 मार्च को हमारा सबसे बड़ा कार्यक्रम देश की राजधानी दिल्ली में है। उक्त कार्यक्रम में आपकी क्षेत्र की इन समस्याओं को मजबूती से रखकर सो रही सरकार को जगाने का काम करूंगा। मैं भारत सरकार को चिट्ठी भी लिखूंगा और संबधित मंत्रालय से भी इस संबध में वार्ता करूंगा ताकि जल्द से जल्द इस दिशा में कोई सार्थक पहल की जा सके। उन्होंने मण्डल के कुछ लोगों और प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली में आहूत कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। कहा कि डैम और डूब क्षेत्र के प्रभावितों से संबधित अगर दस्तावेज है तो हमें उपलब्ध कराएं।

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय सचिव बने रविशंकर यादव

कोडरमा। जेबीकेएसएस के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो के द्वारा सीडब्ल्यूसी, केंद्रीय वर्किंग कमेटी की घोषणा की गई, जिसमें रविशंकर यादव को केंद्रीय सचिव बनाया गया है। वहीं केंद्रीय सचिव बनने पर श्री यादव ने कहा कि केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो का आभार प्रकट करते हैं और क्षेत्रवासियों की तरफ से धन्यवाद देते हैं कि आपने मुझपर जो विश्वास जताया, मैं पूरी इमानदारी निष्ठा के साथ संगठन का कार्य और विचारधारा, झारखंड के कोने-कोने तक झारखंडियों के घर तक पहुंचाने का काम करूंगा। वहीं जयराम महतो ने केंद्रीय कमेटी के साथ-साथ महिला मोर्चा, युवा मोर्चा और संगठन प्रभारी का भी गठन किया है। 2024 के चुनाव में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव में जेबीकेएसएस उपस्थिति पेश करेगी और झारखंड में विधानसभा में सरकार बनाने के लिए 81 विधानसभा में अपने प्रत्याशियों को उतारेगी। इस अवसर पर केंद्रीय उपाध्यक्ष मनोज यादव, कृष्ण यादव, युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष राहुल यादव, नवीन चंद्रवंशी, बलराम यादव, कार्यकर्ता महेश यादव, विनोद यादव, सुभाष यादव, रोहित यादव, उदय राणा, हदीस अंसारी, आजाद अंसारी, संजय दास, अभिषेक आनंद, मुन्ना कुमार, श्रीराज मेहता, संजय यादव, वीरेंद्र यादव, किशोरी यादव, मुकेश यादव, राजेश यादव, यशपाल कुमार, मुकेश कुमार आदि ने चयनित लोगों को बधाई दी।

Office of the District Election Officer-cum-DC, Hazaribag
Jharkhand- 825301

e-Short Tender Notice

e-Short Tender Reference No. :	46, 47, 48 & 49
NAME OF THE WORK :	General Election Lok Sabha (GELS) - 2024 (Supply of Tent, Shamiyana, Light and Sound Etc, Supply of Office use Materials Stationary, Supply of Printing related Material & Supply of Videography, Photography, CCTV)
Tender Fee :	5000/- (Five Thousand) rupees
EMD Fee :	50,000/- (Fifty Thousand) rupees
NAME OF INVITING OFFICER :	District Election Officer-cum-DC, Hazaribag
DATE OF PUBLICATION OF TENDER ON WEBSITE :	18.01.2024
LAST DATE AND TIME FOR SUBMISSION OF BID DOCUMENT ONLINE :	06.02.2024, 11 AM
DATE AND TIME OF OPENING OF BIDS :	07.02.202024, 11.30 AM
PLACE OF OPENING OF BIDS :	Collectorate Office, 1st Floor, Meeting Hall
ADDRESS FOR COMMUNICATION :	Office of the District Election Officer-cum-DC, Hazaribag

-: NIT Note :-

1. Tender Fee and EMD will be received through online mode only. Bidders can use internet banking facility for faster processing of tender fee and EMD.
2. Alternatively, Bidders can use NEFT/RTGS challan generated for the tender from Jharkhandtenders.gov.in portal.
3. Refund will only be issued to the originated bank account used for the payment of Tender Fee and EMD. So, Bidders are advised NOT to close Bank Account used for online payment/(NEFT/RTGS) of tender fee and EMD.
4. NO Hardcopy/Physical copy is required to be submitted for tender opening/Evaluation. However Department may ask original documents for verification before award of contract.
5. For further information and details please visit websites https://jharkhandtenders.gov.in or https://hazaribag.nic.in

District Election Officer -cum-DC, Hazaribag

PR 316492 Election (23-24)_D

कार्यालय, असैनिक शल्य चिकित्सक –सह– मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गुमला

Vacancy

1. Post	Peer Supporter-National Viral Hepatitis Control Programme (NVHCP)
2. Vacancy	01
3. Eligibility Criteria	1. Hepatitis B or C positive person (under treatment/recovered). However, only in case of non availability of eligible Hepatitis B or C positive person (under treatment/recovered the close family members (i.e. spouse, parents, unmarried son or unmarried daugh ter, married son or daughter in law.) staying with the Hepatitis B or C patient under treatment/recovered) may be considered, subject to meeting other eligibility criteria. The close family members will have to give a certificate from concerned Mukhiya/War d member that the applicant is close family member (i.e. spouse, parents, unmarried son or daughter, married son or daughter in law) Hepatitis B or C patient and is staying with her/him. Further Test report or OPD/IPD record of Hepatitis B or C positive pe rson from Govt./Pvt. Institution is also to be attached. 2. Candidate should have passed 10+2 examination. Must have sound knowledge of local language. 3. Should be sound knowledge of Hindi and English. 4. Age should be not less than 18 years and more than 45 years. 5. Should have knowledge of computer.
4.	1. Last date to send in your application: 06/02/2024 through post / by-hand / email. 2. Address: Civil Surgeon, Gumla, Sadar Hospital Campus, Gumla 3. Email Address: cs.gumla@gmail.com

Note: - (Peer Supporter / Educator is purely incentive based HR Support under National Viral Hepatitis Control Programme (NVHCP).

असैनिक शल्य चिकित्सक –सह– मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गुमला।

PR 316580 Health Med Edu and Family Welfare(23-24)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।
अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–19/2023–.24

1.	विज्ञापनदाता का नाम एवं पदनाम	कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।
2.	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :	दिनांक 25.01.2024 के अपराह्न 1.00 बजे तक
3.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :	दिनांक 27.01..2024 को 3.00 बजे अपराह्न तक
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय :	दिनांक 27.01.2024 को अपराह्न 3.30 बजे
5.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :	1) कार्यपालक अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन प्रमण्डल, हजारीबाग में। 2) अधीक्षण अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन अंचल, हजारीबाग में।
6	निविदा प्राप्ति का स्थान :	01)) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,भवन प्रमण्डल , हजारीबाग।

क्र. सं.	कार्यकानाम	प्राक्कलित राशि (रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र कालमूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Detail Estimate Kitchen Cum Store in N.P.S Lati , Block-Padma , Dist- Hazaribag for the year 2023-24	1944650/-	39000/-	5000/-	04 माह
2	Detail Estimate Kitchen Cum Store in N.P.S Donaikhurd , Block-Padma , Dist- Hazaribag for the year 2023-24	1944650/-	39000/-	5000/-	04 माह
3	Construction of Kitchen Cum Store in U.P.G High School Morangi , Block-Sadar , District- Hazaribag	2467550/-	50000/-	5000/-	04 माह
4	Construction of Kitchen Cum Store in Boy's Middle School Kora , Block-Sadar , District- Hazaribag	2467550/-	50000/	5000/-	04 माह
5	Construction of Kitchen Cum Store in U.P.G High School Babhanawai , Block-Sadar , District- Hazaribag	2467550/-	50000/	5000/-	04 माह
6	Construction of Kitchen Cum Store in Girl's Middle School Bihari , Block-Sadar , District- Hazaribag	2467550/-	50000/	5000/-	04 माह
7	Construction of Kitchen Cum Store in Primary School Sekha , Block-Sadar , District- Hazaribag	1944900/-	39000/-	5000/-	04 माह
8	Construction of Kitchen Cum Store in M.S Bendgi , Block-Barhi , District- Hazaribag for the year 2023-24	2467550/-	50000/	5000/-	04 माह
9	Construction of Kitchen Cum Store in U.M.S Barhi Boys , Block-Barhi , District- Hazaribag for the year 2023-24	2467550/-	50000/	5000/-	04 माह
10	Construction of Kitchen Cum Store in U.M.S Bhandaro , Block-Barhi , District- Hazaribag for the year 2023-24	2467550/-	50000/	5000/-	04 माह
11	Construction of Kitchen Cum Store in U.M.S kariyatpur , Block-Barhi , District- Hazaribag for the year 2023-24	2467550/-	50000/	5000/-	04 माह
12	Construction of Kitchen Cum Store in U.M.S Bijaiya , Block-Barhi , District- Hazaribag for the year 2023-24	2467550/-	50000/	5000/-	04 माह
13	Construction of Kitchen Cum Store in U.M.S Dapok , Block-Barhi , District- Hazaribag for the year 2023-24	2467550/-	50000/	5000/-	04 माह
14	Construction of Kitchen Cum Store in U.M.S Dhanwar Urdu , Block-Barhi , District- Hazaribag for the year 2023-24	2467550/-	50000/	5000/-	04 माह
15	Construction of Kitchen Cum Store in U.M.S Padirma , Block-Barhi , District- Hazaribag for the year 2023-24	2467550/-	50000/	5000/-	04 माह
16	Detail Estimate Kitchen Cum Store in U.M.S Ranichuwan , Block-Barhi , Dist- Hazaribag for the year 2023-24	1944650/-	39000/-	5000/-	04 माह
17	Detail Estimate Kitchen Cum Store in U.M.S Orparta , Block-Barhi , Dist- Hazaribag for the year 2023-24	1944650/-	39000/	5000/-	04 माह
18	Detail Estimate Kitchen Cum Store in P.S Goriyakarma , Block-Barhi , Dist- Hazaribag for the year 2023-24	1944650/-	39000/	5000/-	04 माह
19	Detail Estimate Kitchen Cum Store inU.P.G.P.S Gohmedwatand , Block-Barhi , Dist- Hazaribag for the year 2023-24	1944650/-	39000/	5000/-	04 माह
20	Deep Boring (200*150mm dia)& Installation of 1.5 H.P Submersible Pump in 6 Class Room in UPGMS Mangarh ,Block- Chouparan ,Dist Hazaribag for the year of 2023-24	327950/-	7000/-	750/-	01 माह

निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।

PR 316547 Building(23-24)D

व्यवसायी और उद्यमी किसी भी देश की रीढ़ होते हैं : पुष्पेंद्र

खबर मन्त्र संवाददाता

पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ को स्मृति चिह्न प्रदान करते सिंहभूम चैंबर के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका।

जमशेदपुर। सिंहभूम चैम्बर में प्रखर वक्ता एवं पत्रकार पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ ने व्यवसायी उद्यमियों को वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका विषय पर संबोधित करते हुये अपने विचार रखे। इस दौरान उन्होंने देश और राष्ट्र को परिभाषित करते हुये परिचर्चा में ओजस्वीपूर्ण संबोधन में उपस्थित सदस्यों के बीच जोश भरा। इसके अलावा श्री कुलश्रेष्ठ ने राजेंद्र सभागार में झारखंड क्षत्रिय संघ और हिन्दू पीठ के संयुक्त महाराणा प्रताप जयंती कार्यक्रम को भी संबोधित किया। चैम्बर भवन में अपने संबोधन के दौरान पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ ने कहा कि सिंहभूम चैम्बर ने मुझे यहां व्यवसायी एवं उद्यमियों को संबोधित करने के लिये आमंत्रित किया इसके लिये मैं चैम्बर को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने सदस्यों को संबोधित करते हुये कहा नियति को कोई टाल नहीं सकता है अगर हमारे साथ घटना घटित होनी है तो वह होकर रहेगी।

गैरमजरूआ खास भूमि का सीओ ने किया निरीक्षण

सिमरिया। सिमरिया टंडवा रोड स्थित ग्राम बकचोमा के खाता नंबर 2 पलौट नंबर 76,77 गैर मजरूआ खास प्रति कदीम, जंगल झाड़ी का सीओ धर्मेंद्र कुमार दुबे हल्का कर्मचारी अमरलाल अमीन शिवनाथ के साथ स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकांश भूमि पर मकान, दुकान और पेट्रोल पंप बना हुआ पाया। उपरोक्त भूमि पर कब्जा करने वाले रैयतो को किसी भी कार्य दिवस को अंचल कार्यालय में अपने दावे के सभी दस्तावेज के साथ उपस्थित होने को कहा गया है।श्री दुबे ने कहा की सरकार द्वारा चेतावनी के लिए बोर्ड लगने के बावजूद भी लो धड़ल्ले से मकान और दुकान बनाए हैं ।

त्रिपक्षीय वार्ता के बाद टासरा का चक्का जाम करेगी समिति : मंडल

सिंदरी। सेल चासनाला की महत्वाकांक्षी परियोजना टासरा प्रोजेक्ट में एमडीओ कार्य करने आई कंपनी कल्याणेश्वरी टासरा माइनिंग प्रा लिमिटेड के चक्का जाम की तैयारी स्थानीय ग्रामीण कर रहे हैं। इसकी सूचना टासरा रोहड़ाबाँध रैयत ग्रामीण संघर्ष समिति के गोवर्धन मंडल ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि सेल चासनाला कार्यालय के सभागार में आयोजित ग्रामीणों के 12 सूत्री मांगों पर त्रिपक्षीय वार्ता विफल रही। उन्होंने बताया कि सेल प्रबंधन रोहड़ाबाँध और टासरा मौजा के रैयतों की 224 एकड़ भूमि का एकमुश्त अधिग्रहण के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रबंधन अपने अड़ियल रवैये के साथ काम करना चाह रही है। उन्होंने बताया कि सेल की संवेदक कंपनी केटीएमपीएल धरातल पर कार्य कर रही है। वहीं टासरा प्रोजेक्ट के आसपास के रैयतों और ग्रामीणों की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि विगत 8 जनवरी को सेल प्रबंधन को दिए माँगपत्र में वर्ष 2015 के विस्थापित परिवारों को नियोजन सहित अन्य मांगों को शामिल किया गया है। सभी 224 एकड़ भूमि के रैयतों को समान अधिकार, विस्थापित रैयतों को पीढ़ी दर पीढ़ी नियोजन,पानी व सड़क की व्यवस्था करने की माँग की गई थी।

जमीन विवाद मामले में टाना भगतों ने प्रखंड कार्यालय के गेट में जड़ा ताला

घाघरा। जमीन से संबंधित मामले को लेकर टाना भक्तों ने शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय पहुंचकर मुख्य द्वार में ताला जड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही घाघरा थाना पहुंची और ताला खुलवाया। जिसके बाद बीडीओ सह सीओ दिनेश कुमार ने टाना भक्तों से अपने कार्यालय में वार्ता किया। इस दौरान टाना भक्तों ने अंचलाधिकारी को हस्तलिखित आवेदन दिया है। आवेदन में टाना भगतो ने कहा है कि मौज घाघरा खाता नंबर 101, प्लॉट नंबर 937, रकबा 3 एकड़ 98 डिसमिल जमीन सोम पहन के नाम पर खतियान में है। जिसको पूर्व से ही दखल करके खेती-बाड़ी करते आ रहे है। सोमा पहान खतियानी रैयत की पुत्री सुधैन उराइन के पति सोमरा उरांव अपने बड़ी पुत्री का विवाह महावीर भगत से सामाजिक रीति-रीवाज से किया और सामाजिक रीति रिवाज से घर दामाद रखा और खाता नंबर 101, प्लॉट नंबर 937, रखवा 3 एकड़ 98 डिसमिल दिया। सुधैन के पति सोमा उरांव डाक विभाग में कार्यरत होने के कारण प्रखंड जाने में असमर्थ है। जिसका फायदा उठाकर फर्जी तरीके से नथुन साहू गलत दस्तावेज दिखाकर जमीन को दखल करता है।

जिला स्तरीय तकनीकी समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

आवंटित सभी कार्यों को ससमय करें पूर्ण : डीसी

खबर मन्त्र संवाददाता

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरान की अध्यक्षता में जिला स्तरीय तकनीकी समिति की समीक्षात्मक बैठक की गई। उन्होने तकनीकी विभागों द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए अपूर्ण योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से तकनीकी विभागों अन्तर्गत संचालित योजनाओं की अब तक कि स्थिति एवं लंबित कार्य पूर्ण कार्य को लेकर पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल चतरा, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल चतरा, नगर परिषद चतरा समेत अन्य तकनीकी विभागों का विभागवार बारी बारी से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। उन्होने तकनीकी विभागों द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए अपूर्ण योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि योजनाओं को पूर्ण करने में संवेदक के द्वारा लापरवाही बरती जा रही है तो वैसे संवेदक को चिन्हित करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करें। वहीं उन्होने कहा कि वन क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्य जो वन क्षेत्र होने के कारण योजना लंबित है उस स्थिति में वन विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर कार्य प्रारंभ कर शीघ्र पूर्ण करें। पेजजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल चतरा द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने हर घर नल योजना के लक्ष्य के विरूद्ध किए गये कार्य की जानकारी लेते हुए तय समय सीमा के अंदर शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त उत्कर्ष गुप्ता, अपर समाहर्त्ता पवन कुमार मंडल, पेय जल एवं स्वक्षता प्रमंडल चतरा के कार्यपालक अभियंता, समेत सभी संबंधित कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे।

सिमरिया में नाबालिग के साथ अधेड़ ने किया दुष्कर्म

खबर मन्त्र संवाददाता

सिमरिया। थाना क्षेत्र के महज 5 किलोमीटर की दूरी पर एक नाबालिग के साथ पास के हीं गांव के रहने वाले अधेड़ व्यक्ति ने घर में जाकर बलात्कार करने का सनसनी खेज मामला प्रकाश में आया है। जिसे लेकर युवती के माँ ने सिमरिया थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय के साथ गिरफ्तारी की मांग की है। लिखित आवेदन में पीड़िता की माँ ने कही है कि टुटीलावा गांव निवासी संजय पांडे बीते 13 जनवरी को रात्रि 9:30 बजे मोटरसाइकिल से मेरे घर आया और मेरी पुत्री से जरूरी बात करने को लेकर घर का दरवाजा खुलवाया। हम लोग डर के मारे दरवाजा खोल दिए। उन्होंने ने कहा कि आपकी पुत्री से निजी बात करना है इस लिए घर से बाहर आंगन में भेज दीजिए। हम लोग अपनी पुत्री को आंगन में भेज दिए। हम लोग ठंड के मारे घर में हीं रहें। मेरे पुत्री के साथ कुछ बात करते करते आंगन के बाहर

➲ **पीड़िता की मां ने सिमरिया थाना में आवेदन देकर की गिरफ्तारी की मांग**

ग्रामीण सड़क में ले गया जहां से बाजबरन पकड़ कर मुहँ में कपड़ा बांध पास के बारी में ले गया। जहां बाजबरन बलात्कार कर दिया ।हालांकि मेरी पुत्री ने इसका विरोध करते हुए हाथ में दांत से काट भी दी है। इसके बाद आरोपी ने मेरी पुत्री को किसी से ना कहने तथा इसका अंजाम भुगतने का धमकी देते हुए वहां से फरार हो गया। उसके भाग जाने के बाद मेरी पुत्री ने आप बीती बात हमें बताई। हम गरीब असहाय एवं निर्धन व्यक्ति हैं जिसके कारण उसके डर से किसी से कुछ नहीं बोल पाया । हालांकि समाज में कुछ लोगों की जानकारी की गई थी। अंत में आज 19 जनवरी को मैं लिखित आवेदन देकर उक्त आरोपी संजय पांडेय को कार्रवाई के तहत गिरफ्तारी की मांग कर रही हूँ। बता दें कि पीड़ित युवती की विद्यालय में पढाई जारी है फरवरी माह में बोर्ड की परीक्षा लिखेगी। हालांकि इस तरह मामले को लेकर पीड़िता की माँ का कहना है कि अब हमारी पुत्री पढाई आगे कैसे कर पाएगी ।चुकी गलत नजर हमारी पुत्री पर दरिंदो को लग गयी है। इधर आवेदन मिलते हीं थाना प्रभारी विवेक कुमार ने एक्शन मोड़ में आ गए हैं ।उक्त बच्ची को 164 का बयान से लेकर मेडिकल तक कि तैयारी शुरू कर दी गयी है। थाना प्रभारी ने बताया कि अगर दोषी है तो किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा ।

जर्मनी की महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर यूएसए की टीम को 2-0 से पराजित किया

- मुख्यमंत्री ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों के बीच किया पुरस्कार वितरण
- सीएम ने जर्मनी बनाम यूएसए के बीच फाइनल मुकाबले का उठाया लुत्फ

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का राष्ट्रीय खेल हॉकी के प्रति काफी लगाव है, इसकी बानगी शुक्रवार को भी देखने को मिला। मुख्यमंत्री शुक्रवार को आयोजित एफआइएच हॉकी ओलिंपिक क्वॉलीफायर प्रतियोगिता 2024 के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए, यहां उन्होंने ओलंपिक क्वालीफायर के जर्मनी बनाम यूएसए के बीच हुए फाइनल मुकाबला का लुत्फ उठाया। मैच के दौरान मुख्यमंत्री दोनों टीमों की खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते नजर आए।

फाइनल में जर्मनी ने यूएसए को 2-0 से हराया

एफआइएच हॉकी ओलिंपिक क्वॉलीफायर प्रतियोगिता 2024 के फाइनल मैच में जर्मनी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएसए की टीम को 2-0 से पराजित कर प्रतियोगिता में पहले स्थान पर रही। मौके पर मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन ने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने भारतीय महिला हॉकी टीम सहित प्रतियोगिता में शामिल सभी टीमों की खिलाड़ियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने झारखंड रांची की मेजबानी में हुए एफआइएच हॉकी ओलिंपिक क्वॉलीफायर प्रतियोगिता 2024 के सफल आयोजन हेतु राज्य सरकार के अधिकारियों एवं हॉकी इंडिया के प्रतिनिधियों को अपनी ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पर्यटन, कला-संस्कृति एवं खेलकूद विभाग के मंत्री हफीजुल हसन, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव एल. खियांगते, डीजीपी अजय कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, महासचिव हॉकी इंडिया भोलानाथ सिंह सहित राज्य सरकार के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जापान ने तोड़ा भारत का पेरिस जाने का सपना, मेजबान को 1-0 से हराया

रांची। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआइएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 में तीसरे और चौथे स्थान के कड़े प्लेआफ मुकाबले में जापान से 0-1 से हार गई। इस हार के साथ भारतीय महिलाएं चौथे स्थान पर रहीं और 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने से चूक गईं। जापान ने मैच की शुरूआत में ही बढ़त बना ली। शुरूआती मिनटों के भीतर ही उसे दो पेनल्टी कॉर्नर मिले। हालांकि पहले वाले को गोल में तब्दील नहीं किया जा सका लेकिन कारन उराटा ने छठे मिनट में सुनिश्चित किया कि दूसरा प्रयास बेकार न जाए। इस तरह जापान ने पहले ही क्वार्टर में बढ़त बना ली। भारत को कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले और दूसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने कुछ मौकों पर विपक्षी टीम के सर्कल में एंट्री भी की, लेकिन वे किसी भी अवसर को गोल में बदलने में असमर्थ रहीं। पहले हाफ में जापान ने 1-0 की बढ़त के साथ ब्रेक लिया। तीसरे क्वार्टर की शुरूआत में भारतीय टीम पेनल्टी कॉर्नर के जरिए बराबरी के करीब पहुंची, लेकिन जापान की गोलकीपर अकीओ तनाका ने सुनिश्चित किया कि गेंद नेट के पीछे न जाए। भारतीय खिलाड़ी जापान पर आक्रमण करती रही लेकिन जापानी डिफेंस ने टस से मस नहीं किया और अंतिम क्वार्टर तक अपनी मामूली बढ़त बरकरार रखी।

इटली को परास्त कर पांचवें पोजिशन पर पहुंचा न्यूजीलैंड

रांची। राजधानी रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में चल रहे एफआइएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर-2024 में दूसरा मुकाबला न्यूजीलैंड और इटली के बीच हुआ। मोरहाबादी में खेले गए इस मैच में 2-1 से जीत हासिल कर न्यूजीलैंड ने पांचवां पोजीशन भी हासिल किया। आठ देशों की इस प्रतियोगिता में इटली को छठा स्थान नसीब हुआ। मैच में न्यूजीलैंड की ओर से पहले ही क्वार्टर में कप्तान ओलिविया मेरी और रोज टिनान ने एक-एक गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। हालांकि, दूसरे क्वार्टर में इवाना पेसिना ने एक गोल कर अंतर 2-1 कर दिया। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में ही न्यूजीलैंड के लिए हन्ना कोटर ने एक गोल कर अपनी टीम की बढ़त 3-1 कर दी।

आखिरी पायदान पर रही चेक रिपब्लिक की टीम

रांची। दिन पहला मुकाबला चिली और चेक रिपब्लिक के बीच हुआ। क्वालिफायर मुकाबले में शामिल आठ देशों के बीच सातवें और आठवें स्थान के लिए दोनों टीम आमने सामने हुईं। इसमें फर्स्ट हॉफ तक ही चिली टीम 1-0 से आगे हो गई थी। चिली की ओर से विलेग्रान फर्नांडा ने दूसरे क्वार्टर में एक गोल किया। इसके अलावा एक भी गोल किसी भी टीम की ओर से देखने को नहीं मिला। अंततः मैच 1-0 पर छूटा। इस जीत के साथ चिली इस प्रतियोगिता में सातवें और चेक गणराज्य की टीम आठवें पायदान पर रही।

विराट के निशाने पर छह रिकॉर्ड, सचिन को पीछे छोड़ने का मौका, गावस्कर-ब्रैडमैन से निकल सकते हैं आगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 25 जनवरी को शुरू होगी। पहला मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत के सामने टेस्ट क्रिकेट में शानदार फॉर्म में चल रही इंग्लैंड की चुनौती है। इस सीरीज के दौरान विराट कोहली पर भी सबकी नजरें होंगी। कोहली ने हमेशा इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया है और वह एक बार फिर टीम इंडिया के लिए यादगार बल्लेबाजी करना चाहेंगे। कोहली के निशाने पर इस सीरीज के दौरान कई रिकॉर्ड होंगे। जब वह बल्लेबाजी करने के लिए उतरते हैं तो आमतौर पर कोई न कोई रिकॉर्ड जरूर बनाते हैं। विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 28 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने इस दौरान 42.36 की औसत से 1991 रन बनाए हैं। अब अपने इस शानदार रिकॉर्ड को और ज्यादा बेहतर बनाना चाहेंगे।

दो हजार रन का आंकड़ा

कोहली के पास इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में दो हजार रन पूरे करने का मौका है। वह इससे नौ रन पीछे ही हैं। विराट ने अब तक 1991 रन बनाए हैं। इस दौरान पांच शतक और नौ अर्धशतक जड़े हैं। इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए विराट से ज्यादा रन सिर्फ सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर ने बनाए हैं। सचिन ने 32 टेस्ट मैचों की 53 पारियों में 2535 रन बनाए हैं। वहीं, गावस्कर के नाम 38 टेस्ट की 67 पारियों में 2526 रन हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा रन

विराट के पास पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ एक खास रिकॉर्ड अपने नाम करने का भी मौका है। कोहली भारत के लिए इंग्लिश टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें 544 रन बनाने होंगे। फिलहाल सचिन तेंदुलकर (2535 रन) सबसे आगे हैं।

तेंदुलकर-द्रविड़ की कर सकते हैं बराबरी

विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में अब तक पांच शतक लगाए हैं। अगर वह आगामी सीरीज में दो शतक और लगा लेते हैं तो सचिन तेंदुलकर और मौजूदा कोच राहुल द्रविड़ की बराबरी कर सकते हैं। तेंदुलकर और द्रविड़ के नाम सात-सात शतक हैं। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने छह शतक लगाए हैं। कोहली उन्हें भी पीछे छोड़ सकते हैं। विराट के अलावा चेतेश्वर पुजारा और दिलीप वेंगसरकर ने पांच-पांच शतक जड़े हैं। विराट के पास इनदोनों से भी आगे निकलने का मौका होगा। अगर वह जबरदस्त फॉर्म में रहे और तीन शतक लगा देते हैं तो इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बन जाएंगे।

नौ हजार रन पूरे करने के करीब

कोहली ने टेस्ट में भारत के लिए अब तक 8848 रन बनाए हैं। 113 टेस्ट मैचों के दौरान उनका औसत 49.15 का रहा है। उन्होंने 29 शतक और 30 शतक लगाए हैं। विराट अगर 152 रन बनाते हैं तो उनके टेस्ट में नौ हजार रन पूरे हो जाएंगे। उनसे पहले भारत के लिए सचिन (15921 रन), द्रविड़ (13288 रन) और गावस्कर (10122 रन) यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

ब्रैडमैन और विलियम्सन से आगे निकलने का मौका

विराट के पास इस सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन और न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन से आगे निकलने का भी मौका होगा। कोहली के टेस्ट में 29 शतक हैं। ब्रैडमैन और विलियम्सन के नाम भी 29-29 शतक हैं। अगर विराट एक शतक लगा देते हैंतो वह ब्रैडमैन और विलियम्सन को पीछे छोड़ देंगे।

U19 World Cup 2024 : अंडर-19 वर्ल्ड कप में खिताब बचाने उतरेगी टीम इंडिया, पहले ही मैच में सामने होगी मुश्किल चुनौती

दोनों टीमें इस प्रकार हैं:

भारत: उदय सहारन (कप्तान), अर्शिन कुलकर्णी, आदर्श सिंह, रूद्र मयूर पटेल, सचिन दास, प्रियांशु मोलिया, मुशीर खान, अरावेली अवनीश राव, स्वामी कुमार पांडे, मुरूगन अभिषेक, इनेश महाजन, धनुष गौड़ा, आराध्य शुक्ला, राज लिम्बानी, नमन तिवारी।।

बांग्लादेश: महफुजूर रहमान रब्बी (कप्तान), आशिकुर रहमान शिबली, जिशान आलम, आरिफुल इस्लाम, मोहम्मद शिहाब जेम्स, अहरार अमीन, शेख परवेज जिबोन, वासी सिद्दीकी, मारूफ एम, चौधरी मोहम्मद रिजवान, आदिल बिन सिद्दीक, मोहम्मद अशरफुज्जामन, मोहम्मद रफी उज्जामन रफी, रहनत दौला बोरसन, इकबाल हुसैन एमन।

एजेंसी

ब्लोमफोंटेन। अंडर 19 विश्व कप के इतिहास की सबसे कामयाब गत चैंपियन भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को अपने अभियान का आगाज करेगी। उदय सहारन की कप्तानी में टीम का लक्ष्य इस परंपरा को आगे बढाने का होगा। ग्रुप ए में पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम पहले दौर में एशियाई प्रतिद्वंद्वी से खेलेगी। इसके बाद आयरलैंड और अमेरिका से मुकाबले होंगे। भारत ने 2002 में मोहम्मद कैफ की कप्तानी में पहला खिताब जीता था। उसके बाद से 2008, 2012, 2018 और 2022 में भारत चैंपियन रहा। आइसीसी का यह टूर्नामेंट पहले श्रीलंका में होना था लेकिन ऐन मौके पर दक्षिण अफ्रीका को मेजबानी सौंपी गई। इसमें चार समूहों में चार टीमें रखी गई है। हर समूह से शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल आठ और छह फरवरी को जबकि फाइनल 11 फरवरी को बेनोनी में होगा। भारतीय टीम राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में कई शिविरों के बाद यहां आई है और इसने दो ही टूर्नामेंट (एशिया कप और दक्षिण अफ्रीका में त्रिकोणीय सीरीज) खेले हैं। एशिया कप में भारत सेमीफाइनल में हार गया जिसमें बांग्लादेश ने उसे चार विकेट से मात दी। उसके बाद हालांकि दक्षिण अफ्रीका में त्रिकोणीय श्रृंखला भारत ने अपराजेय रहकर जीती जिसमें अफगानिस्तान तीसरी टीम थी। फाइनल बारिश की भेंट होने से भारत और दक्षिण अफ्रीका संयुक्त विजेता रहे। भारतीय टीम में अर्शिन कुलकर्णी भी हैं जो आईपीएल में अनुबंध पाने वाले इस टीम के दो खिलाड़ियों में से हैं। महाराष्ट्र प्रीमियर लीग की खोज अर्शिन ने टूर्नामेंट में नौ छक्के लगाये थे। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स ने अरावेली अश्विन के साथ करार किया है जिसने नवंबर में चार देशों की सीरीज में 93 गेंद में 163 रन बनाये थे। पिछले साल कूच बेहार ट्रॉफी में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहे मुशीर खान और कप्तान उदय सहारन पर भी नजरे होंगी।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ पीएम ने किया खेलो इंडिया यूथ गेम्स का शुभारंभ

एजेंसी

चेन्नई। खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2023 के छठे संस्करण की रंगारंग शुरूआत हुई, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार शाम खेल मशाल जलाकर इसका उद्घाटन किया और कहा कि यह वर्ष 2024 की शुरूआत करने का एक शानदार तरीका है। तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन के औपचारिक स्वागत भाषण के बाद, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने तमिलनाडु द्वारा पहली बार आयोजित किए जा रहे 2 सप्ताह लंबे खेल समारोह की जीवंत शुरूआत की, जिसके बाद पीएम ने अपने भाषण के अंत में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के शुरूआत की घोषणा की। गणमान्य व्यक्तियों के संबोधन के बाद, पीएम मोदी ने 12 जिलों में 26 रेडियो स्टेशन शुरू करने की आधारशिला रखने के अलावा 'डीडी तमिल' लोगो का अनावरण कर खेलों की मशाल जलाई। बाद में, पीएम मोदी ने तमिल में 'वनक्कम' (स्वागत) कहकर अपना संबोधन शुरू किया और कहा कि खेलो इंडिया गेम्स 2024 की शुरूआत करने का एक शानदार तरीका है। यह बहुत खुशी की बात है कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स खूबसूरत शहर चेन्नई में आयोजित किए जा रहे हैं। ये खेल युवा खेल प्रतिभाओं को निखारने में मदद करेंगे। अपने संबोधन में, केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, खेलो इंडिया यूथ गेम्स जमीनी स्तर से खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रधान मंत्री द्वारा शुरू की गई एक पहल है। तमिलनाडु ने शतरंज ओलंपियाड और एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी जैसे कई खेल आयोजनों की सफलतापूर्वक मेजबानी की है। एशियाई खेलों और पैरा खेलों में 100 से अधिक पदक जीतने वाले भारतीय एथलीटों की आधारशिला रखी। ठाकुर ने आगे बताया कि भारत ने 2030 में यूथ ओलंपिक और 2036 में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। इसलिए अब आप सभी युवा एथलीटों की भी जिम्मेदारी है कि मशाल उठाएं और भारत का परचम लहराएं।

सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए भारत की तैयारियों पर सवाल उठाये

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने रणजी ट्रॉफी में भाग लेने के बजाय अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला में भाग लेने वाले कुछ भारतीय बल्लेबाजों की पसंद पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने विचार व्यक्त किया कि रोहित शर्मा, विराट कोहली, यशस्वी जयसवाल और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों के लिए घरेलू प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट का चयन करना अधिक विवेकपूर्ण निर्णय होता खासकर जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला को देखते हुए। गावस्कर ने कहा, क्या कुछ भारतीय बल्लेबाजों के लिए इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए खुद को तैयार करने के लिए कुछ रणजी ट्रॉफी खेल खेलना बेहतर नहीं होता? केएल राहुल के अलावा, जिन्होंने सेंचुरियन में पहले टेस्ट मैच में सबसे बेहतरीन टेस्ट शतकों में से एक बनाया और विराट कोहली, जिन्होंने बिना शतक लगाए अच्छी बल्लेबाजी की, अन्य भारतीय बल्लेबाजों ने दक्षिण अफ्रीका में भूलने योग्य चार पारियां खेलीं। हम निश्चित रूप से आने वाले हफ्तों में देखेंगे कि क्या उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना चाहिए था या रणजी ट्रॉफी मैच।

बालेंका व कोको गॉफ चौथे दौर में पहुंचीं, सिनर और मैनारिनो ने भी तीसरे दौर में हासिल की जीत

एजेंसी

मेलबर्न। गत चैंपियन बेलारूस की आर्यना सबालेंका और चौथी वरीयता प्राप्त 19 साल की कोको गॉफ ने आसान जीत के साथ महिला एकल के चौथे दौर में पहुंच गई हैं। पुरुष वर्ग में दुनिया के नंबर चार खिलाड़ी यानिक सिनर बिना सेट गंवाए चौथे दौर में पहुंच गए हैं। उन्होंने सेबेस्टियन बेइजल को 6-0, 6-1, 6-3 से हराया। इटालियन खिलाड़ी ने 25 में से 18 अंक नेट पर हासिल किए। 20वीं वरीयता के एड्रियन मैनारिनो ने अमेरिका के बेन शेल्टन को 7-6, 1-6, 6-7, 6-3, 6-4 से हराया। चौथे दौर में उनका सामना दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी नोवाक जोकोविच से होगा। महिला वर्ग में सबालेंका ने यूक्रेन की लेसिया सुरेंको को 6-0, 6-0 से हराया। गॉफ ने एलिसा पार्कस को 6-0, 6-2 से हराया। वहीं, तीसरे दौर के अन्य मुकाबलों में मैग्दलेना फ्रेच ने अनास्तासिया जखारोवा को 4-6, 7-5, 6-4 से हराया। मार्ता कोस्तयुक ने एलिना को 2-6, 6-4,6-4 से और मिर्रा एंड्रीवा ने पैरी को 1-6, 6-1, 7-6 से हराया। दूसरी वरीयता की सबालेंका ने 12 महीने पहले अपना पहला ग्रैंडस्लैम जीता था। उन्हें 28वीं वरीयता की प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत हासिल करने में महज 52 मिनट लगे। अब तक तीन दौर में उन्होंने सिर्फ छह अंक गंवाए हैं। सबालेंका ने मजाकिया अंदाज में कहा कि पिछले साल स्वियातेक ने कई सेट 6-0 से जीते थे। मेरी कोशिश उस लक्ष्य के करीब पहुंचने की थी। मैं जिस तरह से खेल रही हूं, उससे सुपर हैप्पी हूं। मैं इसी लय को और बेहतर करने का प्रयास करूंगी।

बेलारूस-यूक्रेन की खिलाड़ियों ने हाथ नहीं मिलाया

मैच के बाद सबालेंका और सुरेंका ने हाथ नहीं मिलाया। यूक्रेन के खिलाड़ी युद्ध के चलते रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाते। हालांकि सुरेंगो ने सबालेंका का जुबानी मुबारकबाद दी। सबालेंका का सामना अब अमांदा एनिसिमोवा से होगा, जिन्होंने पाउला बोडोसा को 7-5, 6-4 से हराया। एनिसिमोवा मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे के कारण पिछले साल सात महीने खेल से दूर रहीं थी। तीसरे दौर के मैच में उन्होंने 40 विनर लगाए।

जोकोविच की टूर्नामेंट में लगातार 31वीं जीत, रोहन बोपन्ना भी जीते

एजेंसी

मेलबर्न। भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू इबडेन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष युगल के तीसरे दौर में पहुंचने के लिए जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा। बोपन्ना और इबडेन की जोड़ी ने जॉन मिलमैन और एडवर्ड विंटर की स्थानीय वाइल्डकार्ड जोड़ी को एक घंटे से जरा ज्यादा समय तक चले दूसरे दौर के मैच में 6-2, 6-4 से पराजित किया। अब तीसरे दौर में इस जोड़ी की भिड़ंत नीदरलैंड के वेस्ले कूलहोफ और क्रोएशिया के निकोला मेकटिच की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से होगी। भारत के 43 वर्षीय बोपन्ना और इबडेन ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर हर तरफ से दबदबा बनाया। उन्होंने पहली सर्विस में 80 प्रतिशत अंक जुटाये जबकि मिलमैन और विंटर की जोड़ी 68 प्रतिशत ही ऐसा कर पायी। बोपन्ना-इबडेन ने इस दौरान मैच की सबसे तेज सर्विस भी लगायी जो 203 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली रही। भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने प्रतिद्वंद्वी के 11 विनर की तुलना में 17 विनर जमाये।

नोवाक जोकोविच ने की फेडरर की बराबरी

मेलबर्न। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में पहुंच गए हैं। उन्होंने शुक्रवार (19 जनवरी) को तीसरे दौर के मैच में अर्जेंटीना के टॉमस एचेवेरी को 6-3, 6-3, 7-6 (7-2) के अंतर से हरा दिया। सर्बिया के जोकोविच ने इस मैच को दो घंटे 28 मिनट में अपने नाम कर लिया। एचेवेरी ने पहले दौर में ब्रिटेन के एंडी मरे और दूसरे दौर में फ्रांस के गेल मोनफिल्स को हराकर सनसनी फैला दी थी, लेकिन वह जोकोविच का सामना नहीं कर पाए। कोविच ने चौथे दौर में पहुंचने के साथ ही स्विट्जरलैंड के पूर्व दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।। पिछले 45 वर्षों में केवल दो खिलाड़ी ही 36 साल की उम्र के बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में पहुंच पाए हैं। पहले फेडरर ने ऐसा किया था। अब जोकोविच इस लिस्ट में शामिल हो गए हैं। फेडरर ने 36 साल की उम्र के बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था। उन्होंने 2018 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

नोवाक ने यह खास उपलब्धि भी हासिल की

नोवाक की नजर 11वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीतने पर हैं। उन्होंने इस टूर्नामेंट में लगातार 31वीं जीत हासिल की है। ऑप्टा ऐस के अनुसार, मोनिका सेलेस के बाद ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम में लगातार 30 से अधिक एकल मैच जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। मैच जीतने के बाद जोकोविच ने कहा, यह इस टूर्नामेंट के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था और जाहिर तौर पर मैं पूरे मैच के दौरान, खासकर पहले दो सेटों में जिस तरह से खेला उससे मैं खुश हूं।'

सभी मूलभूत सुविधाओं से युक्त होगा गढ़वा का हर कोना : मिथिलेश ठाकुर

मंत्री ने कहा- कोरवाडीह-करकोमा पथ का होगा निर्माण, एक दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीण होंगे लाभान्वित

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। जिले के गढ़वा प्रखंड के कोरवाडीह से करकोमा तक सड़क का निर्माण किया जाएगा। झारखंड सरकार ग्रामीण कार्य विभाग ने इसकी प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत करकोमा पीडब्ल्यूडी पथ नहर से लुगलईया होते हुए पीडब्ल्यूडी पथ कोरवाडीह तक पथ का निर्माण कार्य किया जाएगा। चार करोड़ 53 लाख 89 हजार तीन सौ रुपए की लागत से 425 किमी सड़क का निर्माण होगा। जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि झारखंड सरकार ने इस सड़क निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस सड़क निर्माण से लगभग एक दर्जन से अकि गांवों के ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। पहले इस क्षेत्र के लोगों को आवागमन में काफी समस्या होती थी। लंबे समय

मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर

से इस क्षेत्र के लोगों की इस सड़क निर्माण की मांग थी, जो अब पूरी हो गई है।

इस सड़क के निर्माण से गढ़वा के लोगों को करकोमा, कजराठ, बिछियादामर, देवगाना, दतवनिया, डंडई एवं धुरकी जाना आसान हो जाएगा। मंत्री ने कहा कि जिस दिन से गढ़वा के लोगों ने उन्हें क्षेत्र की सेवा करने की जिम्मेदारी सौंपी है वे उसी दिन से लगातार दिन रात परिश्रम कर पूरे गढ़वा को सभी क्षेत्रों में चुस्त-दुरुस्त बनाने में लगे हुए हैं। आज उनके प्रयास एवं जनता के आशीर्वाद का ही परिणाम है कि गढ़वा की स्थिति में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है। मंत्री ने कहा कि उनका प्रयास है कि गढ़वा का कोना-कोना सभी मूलभूत सुविधाओं से युक्त हो। इसके लिए वे लगातार कार्य कर रहे हैं। मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि आज गढ़वा सहित पूरे राज्य में हेमंत सरकार ने विकास की जो लंबी लकीर खींची है यही विरोधियों को पच नहीं रहा है। विपक्ष के लोग लगातार गरीब-गुरबों की आवाज दबाने एवं झारखंड का विकास बाधित करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। फिर भी हेमंत सरकार इन षड्यंत्र से बिना डरे हुए लगातार जनहित की बेहतर कार्य को कर रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की चाबी जनता के हाथ में होती है। झारखंड की जनता का आशीर्वाद हेमंत सरकार के साथ है। किसी भी राजनीतिक दल के षड्यंत्र का असर इस सरकार पर नहीं होने वाला है।

राम का ऐसा धाम, जहां मुर्दों में लौट आती है जान

भव्य कार्यक्रम की तैयारी में जुटी श्री रामलला मंदिर समिति

श्री रामलला मंदिर, इनसेट में बाल रूप में भगवान श्री राम व सचिव धनंजय सिंह।

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। सनातन धर्म के लिए सुखद मुहूर्त लेकर आने वाला है 22 जनवरी। 500 वर्षों के अनवरत संघर्ष और सतत प्रयास के बाद हिन्दू संस्कृति, सनातन धर्म और मर्यादा के आदर्श भगवान श्री राम अपने घर में वापस लौट रहे हैं। इस उपलक्ष्य में गढ़वा जिला मुख्यालय के सोनपुरवा में स्थित श्री रामलला मंदिर में भव्य कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो गयी है। पांच एकड़ भूभाग में फैले यह मंदिर एनएच-75 से महज 100 मीटर दूर रेलवे स्टेशन रोड में स्थित है। रेलवे स्टेशन से 100 मीटर और मुख्य बस स्टैंड से 200 मीटर की दूरी पर यह मंदिर गढ़वा में हिन्दू धर्म की ध्वजा को आगे बढ़ा रहा है। कन्दन्तियों के अनुसार यह वह स्थान है जहां मुर्दों में प्राण लौट आती है। यही कारण है कि यहां भगवान राम के बाल स्वरूप श्री रामलला की प्रतिमा स्थापित की गयी। बताया जाता है कि लगभग 300 वर्ष पूर्व इस स्थान पर मरे बच्चों के शव को गाड़ा जाता था। वहीं एक फुस की कुटिया में एक साधु भी रहते थे। एक बार एक बच्चे की मौत के बाद परिजन उसे अंतिम क्रिया करने वहां पहुंचे थे। लोगों ने कुटिया के साधु से कुदाल की मांग की। साधु ने उसका कारण पूछा तो लोगों ने बताया कि रामलला की मौत हो गयी है। साधु ने कहा जो दूसरों को जीवन देते हैं भला उनकी मौत कैसे हो सकती है? उसके बाद साधु जी ने उस बच्चे को छू-छू कर देखा और कहा कि इस बच्चे को कुछ भी नहीं हुआ है। घर ले जाइए। अभिभावक भरे मन से उस बच्चे के साथ वापस लौट गए। घर पहुंचते ही उस बालक में न सिर्फ हलचल हुई बल्कि वह उठकर बैठ गया। उसके बाद गढ़वा पिछलागढ़ के बाबू कालीचरण सिंह ने साधु जी की उस कुटिया के समीप अष्टधातु की श्री रामलला जी की प्रतिमा स्थापित करायी। पांच एकड़ भूमि में स्थापित श्री रामलला मन्दिर परिसर के मालिक भी स्वयं भगवान श्री ठाकुर रामलला ही हैं।

अयोध्या की तरह मनेगा उत्सव, होगी भव्य सजावट : श्री रामलला मंदिर समिति ने 22 जनवरी 2024 को मंदिर परिसर में श्री राम तीर्थ नगरी अयोध्या की तरह कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है।

चिन्मय की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद को प्राण प्रतिष्ठा का मिला निमंत्रण

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय में विश्व हिन्दू परिषद आरएसएस एवं बजरंग दल के पदाधिकारियों ने चिन्मय विद्यालय के प्रांगण में चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती को 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले श्री राम जी की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में आने का निमंत्रण देते हुए सम्मानित किया।

मौके पर स्वामिनी ने कहा कि मेरे प्रभु श्रीराम एवं परम पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती जी का आशीर्वाद है कि प्रभु श्री रामजी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के शुभ अवसर पर मुझे आमंत्रित किया गया। मैं अपने आप को धन्य मानती हूं कि मुझे भी रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। समारोह में चिन्मय विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी प्राचार्य सूरज शर्मा विश्व हिन्दू परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष सुभाष नेत्रगांवकर विश्व हिन्दू परिषद बोकारो के अध्यक्ष संतोष कुमार मंत्री संजीव कुमार विभागीय सह मंत्री राजेश दुबे कार्याध्यक्ष हरेराम पोद्दार विभागीय कार्यवाहक धीरेंद्र गोप संघ कार्यकर्ता रमन झा, अजीत पांडेय, संयोजक बजरंग दल पुनीत दोषी, सुप्रिया चौधरी, संजीव सिंह, रजनीश चौधरी, रणधीर नारायण, रागिनी मिश्रा अंजनी एवं अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

मोहम्मदगंज स्टेशन पर गरीब रथ एक्सप्रेस के ठहराव पर सांसद को जताया आभार

कांडी। मोहम्मदगंज स्टेशन में गरीब रथ एक्सप्रेस संख्या-12877/12878 के ठहराव की दिशा में पहल के लिए भाजपा किसान मोर्चा के जिलायक्ष रामलला दुबे, विाायक प्रतिनिाि अजय सिंह ने पलामू सांसद विष्णु दयाल राम के प्रति आभार जताया है। उन्होंने बताया कि सांसद ने शुक्रवार को धनबाद में रेल मंडल संसदीय समिति की बैठक में मोहम्मदगंज में उक्त एक्सप्रेस के ठहराव देने की मांग को रखा है। इससे इस क्षेत्र के यात्रियों को बड़ी खुशी मिली है। जो उनकी चिरप्रतीक्षित मांग है। मोहम्मदगंज में गरीब रथ एक्सप्रेस का ठहराव मिलने से इस कांडी प्रखंड के अलावा भवनाथपुर, केतार, मझिआंव, बरडीहा के लोग लाभान्वित होंगे। इसके साथ पलामू जिला के मोहम्मदगंज, हैदरनगर प्रखंड के सभी गांव के लोगों को देश की राजाानी दिल्ली पहुंचने की सीधी सुविाा उपलब होगी।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। कृषि विज्ञान केंद्र गढ़वा में 18वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि डीआरडीए डायरेक्टर दिनेश प्रसाद सुरीन, डीडीएम नाबार्ड, एलडीएम, जिला कृषि पदाधिकारी, उद्यान पदाधिकारी, वैज्ञानिक डॉ. सीएस महतो, जेडआरएस के वैज्ञानिक व डायरेक्टर अखिलेश शाह, केवीके पलामू के सुधीर झा, रमेश कुमार, गढ़वा के वैज्ञानिक डॉ सुषमा ललिता बाखला, डॉ. अमरेश चंद्र पांडेय, डॉ. राजीव कुमार, प्रक्षेत्र प्रबंधक विंध्याचल राम आदि ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया।

बैठक में वर्ष 2023 में कृषि विज्ञान केंद्र गढ़वा द्वारा किए गए कार्यकलापों की प्रस्तुति वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. अशोक कुमार द्वारा की गई।

साथ ही वर्ष 2024-25 के लिए कार्य योजना प्रस्तुत किया गया। ज्ञात हो कि वर्ष 2023 में कृषि विज्ञान केंद्र गढ़वा द्वारा कृषकों के लिए कुल 86 प्रशिक्षण

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें 3520 किसानों ने प्रशिक्षण लिया।

ग्रामीण युवक युवतियों के कौशल विकास के लिए 19 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें 658 ग्रामीण युवक युवतियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम के तहत किसानों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मधुमक्खी पालन, मुर्गी पालन, मशरूम उत्पादन, जैविक खेती, केंचुआ खाद उत्पादन, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली एवं समन्वित कृषि प्रणाली आदि विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मौके पर विंध्याचल राम, बृजेश तिवारी, शिवनाथ कुशवाहा, प्रदीप मेहता, ब्रजकिशोर महतो, कृष्णा ठाकुर, गणेश राम, शोभा तिवारी, दीपक कुमार, नवलेश कुमार, सियाराम पांडेय, राकेश रंजन चौबे, सुनील कुमार, कृष्ण चौबे, अनिल कुमार, चंदन कुमार एवं बृजभूषण पांडेय आदि लोग उपस्थित थे।

पेज एक का शेष

नींबू पहाड़ अवैध...

क्या है मामला : दरअसल, विजय हासदा ने पूर्व में पंकज मिश्रा एवं अन्य के द्वारा नींबू पहाड़ पर अवैध खनन किए जाने को लेकर जो शिकायत की थी, उसकी सीबीआइ जांच करने का आग्रह हाइकोर्ट से किया था। बाद में विजय हांसदा ने अपने उस याचिका को वापस लेने का अनुरोध कोर्ट से किया था। इसपर हाईकोर्ट ने विजय हांसदा आग्रह को नहीं मानते हुए जांच का आदेश सीबीआई को दिया। जांच का बिंदू था- आखिर विजय हांसदा ने किसके दबाव में याचिका वापस लेने का आग्रह किया और नींबू पहाड़ अवैध खनन की वस्तुस्थिति क्या है। इसकी प्रारंभिक जांच करने का आदेश सीबीआई को दिया था। सीबीआइ ने इसकी प्रारंभिक जांच में मिले तथ्यों के आधार पर हाई कोर्ट से साहिबगंज में नींबू पहाड़ पर अवैध खनन मामले में एक संशोधित आदेश पारित करने का आग्रह किया। लेकिन हाई कोर्ट ने सीबीआई द्वारा नींबू पहाड़ में अवैध खनन को लेकर प्राथमिकी दर्ज करने के आग्रह को निरस्त कर दिया। इसके बाद भी सीबीआई ने बिना हाइकोर्ट की अनुमति एवं राज्य सरकार की सहमति के नींबू पहाड़ पर अवैध खनन को लेकर कांड संख्या आरसी 024 2023 एस 0011 दिनांक 20 नवंबर 2023 दर्ज किया था।

रांची को मिला ...

पूरे क्षेत्र में कुल 3 लाख अलग अलग किस्म के पौधे लगाए गए हैं। मास्टर प्लान के हिसाब से 37 प्रतिशत क्षेत्र को ओपन स्पेस ओर ग्रिन एरिया के रुप में रखा गया है। सभी मुख्य मार्गों के दोनों तरफ सेफ और डेडीकेटेड साईकिल लेन और फूटपाथ बनाये गये हैं जो ननमोटराईज ट्रांसपोर्ट को प्रोत्साहित करेंगे।

परिचर्चा का हुआ आयोजन : सम्मान समारोह से पहले शुक्रवार को हीं पूर्वाह्न स्मार्ट सिटी से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें सफल स्मार्ट सिटी के लिए परियोजना का चयन और उसके क्रियान्वयन, स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं की सफलता और सफलता से सीखना,शहरों के विभिन्न योजनाओं से दूसरे शहरों की ओर से सीखनें की प्रक्रिया इत्यादि विषय पर कार्यक्रम में परिचर्चा हुयी।

भगवान श्रीराम और...

गुजरात के बड़ोदरा से राम मंदिर के लिए 108 फीट लंबी अगरबत्ती भगवान राम के मंदिर में जलाने के लिए आयी है। कृष्ण भगवान की जन्मभूमि मथुरा से राम मंदिर के लिए 200 किलो लड्डू का नजराना अयोध्या पहुंच रहा है। प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के दिन देश भर में घी के दीपक जलाए जाएंगे, लेकिन सबसे बड़ा दीपक जलेगा राम की अयोध्या में। बड़ोदरा के किसान अरविंद भाई पटेल ने 1100 किलो का यह विशालकाय दीपक अयोध्या के लिए भेजा है। इस दीपक को एक बार में 850 लीटर घी डाला जा सकता है। भव्य राम मंदिर में 2100 किलो का घंटा लगाया जायेगा। इसे बनाने में 2 साल से अधिक का वक्त लगा है और इसे बनाने में विशेष अष्टधातु का प्रयोग किया गया है। इस घंटे की ऊंचाई 6 फीट और चौड़ाई 5 फीट है। इसकी कीमत 10 लाख रुपये है और इसकी आवाज कई किमी दूर तक सुनाई देगी। सोने की परत चढ़ा 56 इंच चौड़ा गुजरात के दरियापुर से आया नगाड़ा मंदिर में स्थापित किया जायेगा। माता सीता के लिए के लिए सूरत के कवड़ा व्यवसायी ने एक अनोखी साड़ी तैयार करवायी है जिसमें अयोध्या के मंदिरों की तस्वीरें और भगवान राम के जीवन का चित्रण किया गया है। इसके अलावा सूरत के ही एक हीरा व्यापारी ने 5,000 अमेरिकी डायमंड और 2 किलो चांदी का उपयोग करके राम मंदिर के लिए अनोखा हार भी भेजा है।

कब शुरू होगा पूजन : रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मुहूर्त पर काशी के विद्वान और वाराणसी स्थित श्रीवल्लभराम शालिग्राम सांगवेद विद्यालय के गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने प्राण प्रतिष्ठा के संदर्भ में 6 पन्नों का ब्योरा जारी किया गया है। प्राण प्रतिष्ठा के लिए 84 सेकेंड का सूक्ष्म मूहुर्त है। 22 जनवरी 2024 को मेषलग्न में वृश्चिकनवांश में अभिजिन्मुहूर्त में श्रीराम जन्मभूमि में राममूर्ति स्थापना का अतिसूक्ष्म मूहुर्त दोपहर 12 बजे 29 मिनट 8 सेकेंड से 12 बजे 30 मिनट 32 सेकेंड तक 84 सेकेंड का विशिष्ट मुहूर्त है। मुहूर्त में मकरसथ सूर्य में दिया गया है। अतः पौसमास का दोष नहीं है। इस दौरान मेषलग्न, वृश्चिकनवांश, अभिजित क्षण, मृगशीर्ष नक्षत्र, ऐंद्र योग, आनंद योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृतसिद्धि योग, पंचबाण से मुक्त होने से संजीवनी योग का निर्माण हो रहा है।

अयोध्या में अलर्ट जारी : अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के पहले सुरक्षा चाक चौबंद कर दी गयी है। सभी एजेंसियों को पूरी तरह अलर्ट पर रखा गया है। सिक्योरिटी फोर्सेस की सहायता के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की सहायता ली जा रही है। साइबर सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साइबर खतरे पर भी हाईटेक एजेंसीज नजर बनाए हुए है। साइबर खतरे से निपटने के लिए एक उच्च स्तरीय साइबर विशेषज्ञ टीम को अयोध्या में तैनात है।

भगवान श्रीराम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को ले कांडी में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध

कांडी। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में 22 जनवरी को श्रीराम भगवान के प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखते हुए थाना क्षेत्र में भी सुरक्षा का व्यापक व्यवस्था किया गया है। थाना प्रभारी दीपक कुमार राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम को देखते हुए थाना क्षेत्र में अगर कोई भी व्यक्ति शराब के नशे में पकड़ा जाता है तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किया जाएगा। शराब के नशे में कोई भी व्यक्ति गलत हरकत या उपद्रव करते पाया जाता है तो पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। सुरक्षा को लेकर पूरे थाना क्षेत्र में पुलिस की सख्त पेट्रोलिंग रहेगी। सवेंदनशील जगहों पर पुलिस बल तैनात रहेगी। जहां-जहां कैमरा है वहां पर कैमरे के भी मदद से भी जांच पड़ताल की जायेगी।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हमारे लिए गर्व की बात : सांसद

बोकारो/तालगड़िया। चास प्रखंड के बिजुलिया पंचायत अंतर्गत सिंहडीह स्थित दामोदर नदी तट पर भाजपा की ओर से आयोजित वनभोज सह कार्यकर्ता सम्मेलन में धनबाद के सांसद पशुपति नाथ सिंह ने कहा कि 22 जनवरी को साढ़े पांच सौ साल के बाद ऐतिहासिक कार्य होना है। उस दिन अयोध्या में श्रीराम प्रभु के नए मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होगी। यह क्षण हमलोगों के लिए गर्व की बात है। मौके पर झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सह चंदनकियारी विधायक अमर कुमार बाउरी ने कहा कि राम के नाम से चिढ़ने वाले लोग आज हमें ज्ञान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राम को काल्पनिक कहा परंतु सच सामने है। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिजुलिया मंडल अध्यक्ष राजीव चौबे ने की। श्री बाउरी ने अलकुशा में पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। मौके पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अम्बिका खवास जिला महामंत्री जयदेव राय गौर रजवार निमाई लाल माहथा राधेश्याम सिंह रजनीकांत महतो कालाचांद महतो डा लखन खवास संटू राय श्याम पैतण्डी बबलू चौबे गणेश प्रमाणिक समेत अन्य लोग मौजूद थे।

विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ डीडीसी ने की बैठक

बोकारो। समाहरणालय स्थित सभागार में डीडीसी कीर्ति श्री जी ने जिले में संचालित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में कंपनियों द्वारा सीएसआर के तहत जिले में किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा की गई। वर्तमान में जिले के सदर प्रखंड चास के 10 विद्यालयों में अध्ययनरत 04 हजार बच्चों को बीपीएससीएल द्वारा सीएसआर के तहत 200 मिली फोर्टिफाइड फ्लेवर्ड दूध का पैकेट निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। अध्ययनरत बच्चों में एनीमिया का मामला काफी कम हो गया है। जिला प्रशासन ने बच्चों के संपूर्ण पोषण के मकसद से जिले के अन्य विद्यालय के बच्चों को भी फोर्टिफाइड फ्लेवर्ड दूध का पैकेट निशुल्क उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

11 वर्षीय मयंक शेखर ने ताइक्वांडो में अब तक जीते 18 मेडल

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिले के सिवनडीह के 11 वर्षीय मयंक शेखर ताइक्वांडो में अब तक दो वर्ष के अंतराल में जिला राज्य और राष्ट्रीय स्तर के खेलों में अपना हुनर दिखाते हुए 18 गोल्ड व सिल्वर मेडल जीत चुका है। साथ ही उसने रेड ब्लैक बेल्ट की श्रेणी भी हासिल की है। राजस्थान के कोटा में नेशनल ऑफिशियल ताइक्वांडो में मयंक ने सिल्वर जीता। इससे पहले लोहरदगा में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गोल्ड जीतने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मयंक को सम्मानित करते हुए 60 हजार रुपये का चेक प्रदान किया।

मयंक ने बताया कि भविष्य में उसका मिशन आईएएस बनना तथा ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना है। मयंक ने अपना आदर्श माइक टायसन को बताया।

देवीपुर में पांच दिवसीय मकर संक्रांति मेला का हुआ भव्य समापन

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो/ललपनिया। बेरमो अनुमंडल क्षेत्र के गोमिया प्रखण्ड के अंतर्गत होसिरपश्चिमी पंचायत के देवीपुर स्थित आस्था का केंद्र श्री श्री माँ खेलाचंडी मंदिर प्रांगण में मकरसंक्रांति के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय मेला सह महोत्सव समापन हो गया। यहां मेला समापन समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि ओएनजीसी मुख्य अभियंता प्रभाकर पंडित व विशिष्ट अतिथि अधीक्षक अभियंता अनीश जी मुखिया पार्वती देवी एवं मेला डाक अध्यक्ष रोहित साव, एएसआई संजय कुमार मंडल संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता प्रभाकर पंडित एवं विशिष्ट अतिथि अधीक्षक अभियंता अनीश जी ने सर्वप्रथम मेला डाक अध्यक्ष एवं कमिटी तथा सभी को मकरसंक्रांति की बधाई दी। उन्होंने कहा कि ओएनजीसी के माध्यम से यहां समुचित विकास का प्रयास किया जायेगा। मुखिया पार्वती देवी

मेला समापन समारोह का उद्घाटन करते अतिथि।

ने मकरसंक्रांति पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहाकी यह देवीपुर का ऐतिहासिक व सुप्रसिद्ध मेला है।

कहा की लोगों की सुख, शांति एवं समृद्धि के लिए श्री खेलायचंडी माता से प्रार्थना की जाती है, मन्नतें पूरी होने पर श्रद्धालुओं द्वारा बकरे की बलि एवं कबूतर तथा प्रसाद चढ़ाया जाता है। यहां विगत ढाई सौ वर्ष पूर्व से मेला का आयोजन होता आ रहा है।यहां मेला शांतिपूर्ण तरीके से समापन करानेपर उन्होंने मेला डाक अध्यक्ष रोहित साव एवं कमिटि सदस्यों तथा पुलिस प्रशासन को भी धन्यवाद दिया। आयोजित इस मेला सह महोत्सव में मुखिया पार्वती देवी वार्डप्रतिनिधियों ने लोगो से शांति व्यवस्था बनाकर मेले का आनंद लेने की अपील की।यहां संचालन कमेटीके उपाध्यक्ष सह सरस्वती शिशु निकेतन के डायरेक्टर राजेश्वर साव ने किया। इसके पूर्व सभी ने मेला का निरीक्षण किया।

मेले के अंतिम दिन भी मेला देखने उमड़ा जनसैलाब : मेला समापन के अंतिम दिन शुक्रवार को मेला में घूमने वाले लोगों का जनसैलाब उमड़ा। अनुमण्डल क्षेत्र के साथ-साथ आसपास ग्रामीण क्षेत्रके लोग मेला का भरपूर आंनद लिया।

इसके साथ ही यहां विराजमान माँ खेलायचंडी के दर्शन के लिए भी भक्त पहुंचे। दोपहर से ही श्रद्धालुओं का यहां पहुंचने का क्रम शुरू हो गया था। यहां माँ खेलायचंडी मन्दिर में पूजा अर्चना कर अपने सपरिवार व क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि एवं उन्नति की मंगलकामना की और मेले का आनंद उठाया। मेले में कई प्रकार की दुकानों को संचालित किया गया था। साथ ही कई प्रकार के झूला एवं बच्चों के लिए खेल-तमाशा लगाया गया था। घरेलू सामग्री खरीदने के लिए दुकानों पर महिलाएं देखी गईं। हजारों की संख्या में लोगों ने यहां पहुंचकर मेले का आनंद उठाया। भीड़ को देखते हुए पुलिस व्यवस्था की गई थी। यहां मौके पर वार्ड सदस्य राजेश्वर साव, समाजसेवी रंजीत कुमार, राजकुमार रविदास, संतोष जी आदि उपस्थित थे।

शीतलहर की वजह से स्कूलों में छुट्टी की मांग

बोकारो। झारखंड अभिभावक संघ ने राज्य में बढ़ रही ठंड को देखते हुए बोकारो जिला के स्कूलों में छुट्टी की मांग की है। संघ के जिला अध्यक्ष महेंद्र राय ने कहा कि कड़ाके की ठंड के साथ शीतलहर चल रही है। प्रदेश नेतृत्व द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प्रधान सचिव शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार को एक ज्ञापन ई मेल के माध्यम से भेजा गया है। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। कई बच्चों की तबीयत खराब होने की भी सूचना आ रही है। बच्चें से लेकर बुजुर्गों तक इस ठंड का असर स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। स्वास्थ्य को देखते हुए कुछ दिनों तक स्कूलों को बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बोकारो सहित आसपास के जिलों में ठंड का असर अधिक है। इसलिए उन्होंने जूनियर विंग के स्कूल बंद करने और सीनियर विंग के स्कूल के टाइम टेबल में बदलाव की मांग रखी है। श्री राय ने कहा कि बोकारो के न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है।

गणतंत्र दिवस पर दो महिला पायलट उड़ायेंगी फाइटर जेट

सी-295 परिवहन विमान पहली बार परेड में होगा शामिल

- 29 लड़ाकू विमान और 13 हेलीकॉप्टर दिखायेंगे जलवा
- वायुसेना 1971 में पाक पर विजय के लिए प्रसिद्ध टैंगेल एयरड्रॉप को दिखायेगी

एजेंसी

नयी दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड में इस बार वायु सेना के फ्लाईपास्ट का हिस्सा महिला लड़ाकू पायलट भी होंगी। सी-295 परिवहन विमान पहली बार गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेगा। भारतीय वायु सेना 1971 में पाकिस्तान पर विजय के प्रसिद्ध टैंगेल एयरड्रॉप को भी चित्रित करेगी, जिसमें एक डकोटा विमान और दो डोर्नियर टैंगेल फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे। परेड में कुल 51 विमान भाग लेंगे, जिनमें 29 लड़ाकू, 8 परिवहन, 13 हेलीकॉप्टर और एक विरासत विमान शामिल होंगे। भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर आशीष मोघे ने बताया कि एलसीए तेजस फॉर्मेशन गणतंत्र दिवस परेड में अपनी शुरूआत करेगा, जिनमें से चार परेड में तेजस फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे। परेड में कुल 51 विमान भाग लेंगे, जिसमें फ्लाईपास्ट का हिस्सा महिला लड़ाकू पायलट भी होंगी। इनमें सुखोई-30 को फ्लाइंग ऑफिसर अस्मा शेख और फ्लाइट लेफ्टिनेंट अनन्या शर्मा उड़ाएंगी। सी-295 परिवहन विमान पहली बार गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेगा। भारतीय वायुसेना 1971 में पाकिस्तान पर विजय के प्रसिद्ध टैंगेल एयरड्रॉप को भी चित्रित करेगी, जिसमें एक डकोटा विमान और दो डोर्नियर टैंगेल फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे। भारतीय वायुसेना के मुताबिक गणतंत्र दिवस परेड में 29 लड़ाकू विमान, 8 परिवहन और 13 हेलीकॉप्टर और एक विरासत विमान शामिल होंगे। चार विमान भारतीय सेना के और एक भारतीय नौसेना से होगा। परेड में 6 राफेल वज्रांग फॉर्मेशन इनवर्टेड वाइन ग्लास फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे। फ्लाईपास्ट का दूसरा भाग परेड के बाद लगभग 11:50 बजे शुरू होगा और 12:05 बजे समाप्त होगा।

इस वर्ष गणतंत्र दिवस के लिए भारतीय वायुसेना की झांकी में सूडान से भारतीय निकासी प्रयास ऑपरेशन कावेरी को दिखाया गया है। झांकी को सक्षम, सशक्त और आत्मनिर्भर कैप्शन दिया गया है। इस बार 48 अग्निवीर वायु महिलाएं परेड में हिस्सा ले रही हैं। परेड में 144 सदस्यीय भारतीय वायुसेना के मार्चिंग दल का नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर रश्मि ठाकुर, स्क्वाड्रन लीडर सुनीता यादव, स्क्वाड्रन लीडर प्रतीति अहलूवालिया और फ्लाइट लेफ्टिनेंट कीर्ति रोहिल करेंगी।

मार्चिंग दल का नेतृत्व करने वाली स्क्वाड्रन लीडर सुनीता यादव ने पिछले साल पेरिस में बैस्टिल डे' परेड में हिस्सा लिया था। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बैस्टिल दिवस' पर मुख्य अतिथि थे और इस साल इमैनुएल मैक्रॉन भारत के 75वें गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि होंगे। उस समय भारतीय राफेल जेट और भारतीय सशस्त्र बलों की टुकड़ी ने पेरिस में चैंप्स-एलिसीस में मार्च किया था।

दिल्ली हवाई अड्डे से 26 जनवरी तक सुबह ढाई घंटे उड़ान पर रहेगा प्रतिबंध : गणतंत्र दिवस की तैयारियों को देखते हुए सुरक्षा कारणों की वजह से शुक्रवार से 26 जनवरी के दिन तक सुबह करीब ढाई घंटे तक उड़ान सेवाओं पर प्रतिबंध रहेगा। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने एक ट्वीट में कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर 19 से 26 जनवरी तक भारतीय समयानुसार सुबह 10:20 बजे से दोपहर 12:45 बजे के बीच दिल्ली हवाई अड्डे पर न कोई उड़ान आएगी और न ही प्रस्थान नहीं करेगी।

राष्ट्रीय ध्वज का न हो अनादर : गृह मंत्रालय

केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों व केन्द्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर किसी भी कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज का अनादर न होने पाए। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को एक पत्र जारी किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों के अवसरों पर जनता द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कागज से बने झंडों को फेंका न जाए।

परेड का आकर्षण होगा अनंत सूत्र राज्यों की साड़ियों का होगा प्रदर्शन

एजेंसी

नयी दिल्ली। कर्तव्य पथ पर होने वाले इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड का एक आकर्षण होगा अनंत सूत्र जिसके अंतर्गत भारत के विभिन्न प्रदेशों और केंद्र शासित प्रदेशों की साड़ियों का शानदार प्रदर्शन किया जा रहा है। विभिन्न राज्यों के बुनकरों द्वारा तैयार की साड़ियों को दर्शक दीर्घा के पीछे प्रदर्शित किया जाएगा। यह भारत की नारी शक्ति और भारत के लाखों बुनकरों के प्रति पूरे देश की आदरांजलि है। शुक्रवार को संस्कृति मंत्रालय ने एक्स पर वीडियो और जानकारी साझा करते हुए बताया कि अनंत सूत्र के रूप में प्रस्तुत भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की साड़ियों और कपड़ों का प्रदर्शन 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का अनूठा अनुपम उदाहरण है। अनंत सूत्र के माध्यम से भारत की एकता, सद्भाव, समरसता और समावेशिकता का प्रदर्शन इस बार गणतंत्र दिवस के अवसर पर किया जा रहा है। अनंत सूत्र भारत के सांस्कृतिक वैभव और विरासत कि प्रतीक है, जिसमें अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के उन लाखों बुनकरों की कला कि प्रदर्शन है, जिन्होंने पीढ़ियों से इस विरासत को संजो कर रखा है।

प्रधानमंत्री ने 15000 लाभार्थियों को सौंपी घर की चाबी, कहा

मोदी की गारंटी, पूरी रोटी खायेंगे

- आधी रोटी केवल नारा था पहले की सरकार में जनता तक नहीं पहुंचती थीं योजनाएं
- कुछ पल के लिए भावुक भी हुए प्रधानमंत्री, कहा- युवा अवस्था में ऐसे घरों में रहने का अवसर मिला होता
- 22 जनवरी को राम ज्योति जलाने की अपील की

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार पहले ही दिन से प्रयास कर रही है कि श्रीराम के आदर्शों पर चलते हुए देश में सुशासन और ईमानदारी का राज हो। उन्होंने लोगों से 22 जनवरी को राम ज्योति जलाने का आग्रह करते हुए कहा कि यह उनके जीवन से गरीबी हटाने की प्रेरणा होगी। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी का मतलब है गारंटी पूरी होने की गारंटी। भगवान राम ने हमें किए गए वादों का सम्मान करना सिखाया और हम गरीबों के कल्याण और उनके सशक्तीकरण के लिए निर्धारित सभी लक्ष्यों को पूरा कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री महाराष्ट्र के सोलापुर में राज्य में लगभग 2,000 करोड़ रुपये की आठ अमृत (कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन) परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आपका सपना मेरा संकल्प है और यह मोदी की गारंटी है। मोदी ने कहा कि गरीबी हटाओ पहले सिर्फ एक नारा था क्योंकि योजनाएं लाभार्थियों तक नहीं पहुंचती थीं। आधी, रोटी खायेंगे के नारे को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी गारंटी के तहत आप पूरी रोटी खाएंगे। मोदी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार की नीयत, नीति और निष्ठा स्पष्ट नहीं थी लेकिन उनकी सरकार की नीयत स्पष्ट है, जबकि नीति लोगों को सशक्त करने के लिए है और निष्ठा राष्ट्र के प्रति है। उन्होंने महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत पूरे किए गए 90,000 से अधिक घरों को भी लाभार्थियों को समर्पित किया।

प्रधानमंत्री ने सोलापुर में रायनगर हाउसिंग सोसाइटी के 15,000 घरों को समर्पित किया, जिनके लाभार्थियों में हजारों हथकरघा श्रमिक, विक्रेता, बिजली करघा श्रमिक, कूड़ा बीनने वाले, बीड़ी श्रमिक और चालक शामिल हैं। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र में पीएम-स्वनिधि के 10,000 लाभार्थियों को पहली और दूसरी किस्त के वितरण की भी शुरूआत की। इस दौरान प्रधानमंत्री कुछ पल के लिए भावुक भी हो गए। उन्होंने रूंधे गले से कहा कि काश ! उन्हें युवा अवस्था में ऐसे घरों में रहने का अवसर मिला होता। उन्होंने कहा कि खुशी तब मिलती है जब लोगों के सपने सच होते हैं। उनका आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। जिन लोगों को मकान मिले हैं, उनसे 22 जनवरी को राम ज्योति जलाने की अपील करते हुए मोदी ने कहा कि यह उनके जीवन से गरीबी मिटाने की प्रेरणा होगी। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने वह काम किया जिससे उनके लोगों को खुशी मिली। मेरी सरकार गरीबों के कल्याण और सशक्तीकरण के लिए समर्पित है। हमने उनकी कठिनाइयों को कम करने के लिए योजनाएं शुरू कीं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में बिचौलियों की भूमिका पूरी तरह समाप्त हो गई है। मोदी ने कहा कि घरों और शौचालयों का निर्माण 10 वर्षों में हुआ है क्योंकि इन सुविधाओं की कमी गरीबों, विशेषकर महिलाओं के लिए अपमानजनक थी। उन्होंने कहा कि हमने महिलाओं के लिए मोदी की इज्जत की गारंटी वाले 10 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया है और अब तक चार करोड़ से ज्यादा पक्के घर उपलब्ध कराए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीबों का कल्याण और श्रमिकों की गरिमा पर उनकी सरकार का ध्यान रहा है। उन्होंने लोगों से बड़े सपने देखने की अपील करते हुए कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाना विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

उप्र में सात सीटों पर चुनाव लड़ेगा रालोद

लखनऊ। लोकसभा के आगामी चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल के बीच सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है। सपा अपने सहयोगी दल रालोद के लिए लोकसभा की सात सीटें छोड़ेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी के बीच शुक्रवार को हुई मुलाकात के दौरान सीट बंटवारे पर फैसला लिया गया। रालोद के राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान सीट बंटवारे की पुष्टि की।

मिश्रा ने बताया कि सपा रालोद के लिए लोकसभा की सात सीटें छोड़ेगी। इसको लेकर दोनों दलों के बीच सहमति बन गई है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटें हैं, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सपा कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

सूत्रों ने बताया कि यदि बात बनी तो आईएनडीआईए के प्रमुख घटक कांग्रेस एवं अन्य दलों के लिए भी सीटें छोड़ी जा सकती हैं। उल्लेखनीय है कि पिछला लोकसभा चुनाव रालोद ने सपा और बसपा के साथ मिलकर लड़ा था। उस समय रालोद के लिए सिर्फ तीन सीटें छोड़ी गई थीं। पार्टी तीनों सीटें हार गई थी।

एक नजर में

इजराइली सेना ने हमास की हथियार फैक्टरियों के नेटवर्क को किया ध्वस्त

तेल अवीव। इजराइली सेना ने सिविलिया में हमास की हथियार फैक्टरियों के एक नेटवर्क को नष्ट किया है। दरअसल सलाह अल-दीन रोड के किनारे गाजा के हाईवे के पास जमीन के ऊपर और नीचे हथियार कारखाने हैं, जहां रॉकेट, हथियार और गोला-बारूद का उत्पादन किया जाता था। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने बताया कि उक्त स्थान पर दर्जनों सुरंग शाफ्टों से जुड़े हुए थे, जिन्हें नष्ट किया गया है। सेंट्रल गाजा के मगाजी रिफ्यूजी कैम्प में दर्जनों वर्कशॉप चल रहे थे, जहां हथियारों के निर्माण हो रहा था। इसमें बड़ी मात्रा में हथियार और उपकरणों को नष्ट किया गया। सैनिकों को नुसरत और बुरेजी शरणार्थी शिविरों के बीच मध्य गाजा में सैकड़ों बड़ी दूरी के रॉकेटों के साथ रासायनिक पदार्थों के उत्पादन के लिए मशीनें और कंटेनर भी मिले। इजराइल रक्षा बल ने कहा कि एक लड़ाकू टीम ने नागरिक भवनों और सरकारी संस्थानों में और उनके निकट स्थित हमास की ब्यूरिज बटालियन के बुनियादी ढांचे के खिलाफ ऑपरेशनल गतिविधि की जिसमें पैसे, नक्शे, हथियार और प्रचार सामग्री जब्त की गई।

महुआ मोइत्रा ने खाली किया बंगला

नयी दिल्ली। टीएमसी के पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा ने सरकारी बंगला नंबर 9 बी टेलीग्राफ लेन को शुक्रवार सुबह 10 बजे खाली कर दिया। मकान को संपदा निदेशालय को सौंप दिया गया है। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा कार्यालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक मकान अधिकारियों के आने से पहले ही खाली कर दिया गया था और जबरन कोई निष्कासन नहीं हुआ। लोकसभा से सदस्यता जाने के बाद टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा को आवंटित सरकारी बंगला खाली करने के लिए नोटिस भेजा गया था। इसके खिलाफ उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने संपदा निदेशालय के नोटिस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इसके बाद आज संपदा निदेशालय की टीम मोइत्रा का बंगला खाली करवाने के लिए पहुंची थी।

दलजीत चौधरी बने एसएसबी के महानिदेशक

नयी दिल्ली। केन्द्र सरकार ने वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी दलजीत सिंह चौधरी को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक की कमान सौंपी है। केन्द्र सरकार ने एक आदेश जारी कर शुक्रवार को बताया कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 30 नवंबर, 2025 तक के लिए दलजीत सिंह चौधरी को एसएसबी के महानिदेशक के तौर पर नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि दलजीत सिंह चौधरी उत्तर प्रदेश के 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह वर्तमान में सीआरपीएफ के स्पेशल डायरेक्टर जनरल के तौर पर सेवाएं दे रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियों का अवलोकन किया। इसके बाद योगी ने हनुमानगढ़ी और रामलला के टेंट में दर्शन-पूजन किया तथा सुखी-स्वस्थ उत्तर प्रदेश की कामना की।

सीमावर्ती और पहाड़ी क्षेत्रों में दी जा रही विश्व स्तरीय सुविधाएं : राजनाथ

- उत्तराखंड के जोशीमठ में रक्षामंत्री ने 35 परियोजनाओं का किया लोकार्पण

देहरादून। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को जोशीमठ के ढाक पहुंचे। रक्षा मंत्री ने यहां से भारत-चीन सीमा को जोड़ने वाले जोशीमठ-मलारी हाईवे पर बनाए गए पुल समेत सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा निर्मित देश के विभिन्न जगहों की 35 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सीमावर्ती और पहाड़ी क्षेत्रों में विश्व स्तरीय सुविधा बहाल की जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार की सोच अन्य सरकारों से अलग है। पहले की सरकारों के लिए बॉर्डर एरिया अंतिम होता था, लेकिन हमारी सरकार की सोच बॉर्डर एरिया चेहरा है। इसलिए हम सीमाओं पर भी विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहे हैं। आज देश में हर सीमावर्ती इलाकों में सड़कें, सुरंगों और पुलों के माध्यम से कनेक्टिविटी दी जा रही है। इसका सुरक्षा के साथ ही बॉर्डर एरिया पर रह रहे लोगों के विकास और

कल्याण से संबंध जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि सीमा से जुड़े लोग किसी सिपाही से काम नहीं है यह हमारी सरकार की मान्यता है। उन्होंने कहा कि पहले के समय में सीमावर्ती इलाकों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था।

मांझी ने विधायकों को 25 तक पटना में रहने के दिये निर्देश

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री और हम पार्टी के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर बड़े सियासी उलटफेर की अटकलों को हवा दिया है। उन्होंने लिखा है कि दिल्ली में रहने के बावजूद बिहार के वर्तमान राजनैतिक हालात पर मेरी नजर है। राज्य के राजनैतिक हालात को ध्यान में रखते हुए मैंने अपने सभी विधायकों को 25 जनवरी तक पटना में ही रहने का निर्देश दिया है। जो भी हो राज्यहित में होगा।

मांझी के इस बयान से माना जा रहा है कि शायद बिहार में सियासी उलटफेर का कोई खेल हो सकता है। इससे पूर्व गुरुवार को जीतन राम मांझी की दिल्ली में चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा से मुलाकात हुई थी। तीनों नेताओं ने चिराग के घर में मुलाकात की और साथ ही रात का खाना खाया।

बिहार में सियासी सरगर्मी हुई तेज

एजेंसी

सीएम आवास में नीतीश से मिले लालू और तेजस्वी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के अध्यक्ष नीतीश कुमार से शुक्रवार को मिले लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव। इस मुलाकात के बाद प्रदेश में जहां सियासत गर्म हो गई है, वहीं, इन नेताओं की मुलाकात के बाद कई तरह के कयास लगाए जाने लगे हैं। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शुक्रवार की सुबह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर भेंट की। इन नेताओं के बीच करीब 45 मिनट की मुलाकात को लेकर माना जा रहा है कि नीतीश की नाराजगी को दूर करने लालू पहुंचे।

मुलाकात के बाद बाहर निकले लालू प्रसाद तो कुछ नहीं बोले, लेकिन, तेजस्वी ने इसे सामान्य मुलाकात बताया। तेजस्वी ने पत्रकारों के प्रश्न के उत्तर में कहा कि महागठबंधन में सब कुछ ठीक है। हम लोग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि हम लोग सब लोग मजबूती के साथ आपस में मिलकर काम कर रहे हैं। एक-एक करके जितने वादे किए हैं, सारे पूरे कर रहे हैं। जब से लालू जी और नीतीश जी एक हुए हैं। तबसे भाजपा की पीड़ा बढ़ी हुई है। भाजपा का सूपड़ा साफ होगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की राजनीति में नीतीश कुमार के फिर से भाजपा के साथ जाने की चर्चा है। ऐसे में लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव की मुलाकात के बाद कई तरह की चर्चा हो रही है।

शाह ने कभी नहीं कहा नीतीश के लिए भाजपा के दरवाजे बंद : चौधरी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एनडीए में जाने के कयासों के बीच जदयू के नेता और भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने शुक्रवार को दावा करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कभी नहीं कहा है कि नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे बंद हैं।

पटना में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रस्ताव आएगा तो विचार किया जाएगा, लेकिन, उनके पास प्रस्ताव लेकर कौन जा रहा है? हम लोगों ने कोई प्रस्ताव नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीति में यह आम बातचीत है कि प्रस्ताव आएगा तो विचार किया जाएगा।

आठ मार्च को रिलीज होगी अजय देवगन की फिल्म 'शैतान'

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की आने वाली फिल्म शैतान आठ मार्च को रिलीज होगी। अजय देवगन की सुपरनैचुल थ्रिलर फिल्म शैतान गुजराती थ्रिलर फिल्म वश का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में अजय देवगन के साथ-साथ आर माधवन और ज्योतिका मुख्य भूमिकाओं में हैं। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउट से फिल्म शैतान की रिलीज डेट का अनाउंसमेंट की है।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
VERMA PRESS
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar – II	₹ 120	English Grammar – II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !